SLC(University of Delhi)
SHYAM LAL COLLEGE

NAAC A++ & NIRF AIR 68th

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विवरणिका

2023-24

गवर्निंग बॉडी/ कॉलेज के प्रमुख स्तम्भ

पद्मश्री (स्व.) श्री श्यामलाल गुप्ता
संस्थापक चेयरमैन, एसएलसी

श्रीमती सविता गुप्ता
चेयरपर्सन, एसएलसी गवर्निंग बॉडी

चेयरपर्सन का संदेश

प्रिय नवागंतुक विद्यार्थियों,

मैं, समस्त संकाय, कर्मचारियों और प्रशासन की ओर से, इस महाविद्यालय में आप सभी का स्वागत करती हूँ, जहाँ हम शिक्षार्थियों को सर्व–समावेशी और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करके उनके जिम्मेदार नागरिकों में सार्थक परिवर्तन के लिए प्रयास करते हैं।

मैं आप सभी को बधाई देना चाहती हूँ कि आपने अपने भविष्य निर्माण के पहले कदम के तौर पर एसएलसी का चयन किया है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों में झलकती है, जो अपने विषयों में ख्यातिप्राप्त हैं और जो आपकी सफलता और विकास के लिए काम करेंगे। हम जानते हैं कि आपकी शिक्षा केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं होगी और इसी कारण से आपको व्यावहारिक शिक्षण और उद्योग के पेशेवरों के साथ जुड़ने के अवसर प्रदान किए जाएंगे जो यह सुनिश्चित करेंगे कि आप बाकियों से अलग होने के लिए आवश्यक कौशल अर्जित करें।

एसएलसी पाठ्येतर गतिविधियों और छात्र संघ का एक समृद्ध मंच भी प्रदान करता है जो आपको विभिन्न अंतर्वैयक्तिक कौशल विकसित करने के साथ ही साथ नयी और विविध रुचियों की खोज करने की अनुमति देगा। आपको यह समझने की आवश्यकता है कि कॉलेज आपके व्यक्तित्व के समग्र विकास की दिशा में एक अहम कदम है और साथ ही यह शानदार स्मृतियाँ निर्मित करने की जगह भी है, जिसे आप जीवन भर संजोकर रखेंगे।

एसएलसी में, मैं आपसे नए अनुभवों के प्रति खुलापन रखने और अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलने का आग्रह करती हूँ ताकि आप कोई अवसर न चूकें। इसके साथ ही, मैं आपको अपने कॉलेज समुदाय के लिए योगदान देने के लिए भी प्रोत्साहित करुँगी। याद रखें, एक बार एसएलसी का हिस्सा बन जाने के बाद आप न केवल अपना बल्कि इस संस्थान का भी प्रतिनिधित्व करेंगे और इसी कारण से मैं उम्मीद करती हूँ कि आप सभी अपने आस–पास के प्रत्येक व्यक्ति की बेहतरी के लिए प्रयास करेंगे।

मैं आपसे मिलने और व्यक्तिगत रूप से हमारे परिसर में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हूँ। आप सबको एक बार फिर बधाई। एसएलसी में आपकी यात्रा समृद्धकारी हो।

शुभकामनाओं के साथ,

– सविता गुप्ता
चेयरपर्सन, श्याम लाल कॉलेज

प्राचार्य का संदेश

आप सभी को आपकी नई अकादमिक यात्रा के लिए हार्दिक बधाई!

एसएलसी शिक्षार्थियों को सर्व–समावेशी और मूल्य आधारित शिक्षा के जरिए उनके जिम्मेदार नागरिकों में सार्थक परिवर्तन के सिद्धांत पर काम करता है। हमारे शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण के साथ हमारा मकसद सभी शिक्षार्थियों को, विशेषकर वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों से आने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे जागरूक इंसान, जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बन सकें। एसएलसी में हम विद्यार्थियों और अन्य अंशधारकों के साथ संवाद के लिए सतत् ध्यान रखने वाला, सहायक और सुरक्षित शिक्षा–शिक्षण माहौल मुहैया कराने के लिए प्रयत्नशील हैं ताकि हम शैक्षणिक, खेल, पाठ्येत्तर गतिविधियों में उत्कृष्टता अर्जित कर सकें और विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक चेतना का विकास कर सकें। ऐसा करते हुए हमारा ध्यान उनमें दृढ़ मूल्यों का समावेश करना है, ताकि उन्हें भविष्य के नेताओं के तौर पर तैयार किया जा सके।

एसएलसी पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाता है और ज्ञान के दायरे का विस्तार करने के लिए कॉलेज में अनुसंधान और नवाचार को मजबूत करने के लिए रणनीति तैयार करता है। 2022 से दिल्ली विश्वविद्यालय में अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क कार्यान्वयन के साथ, एसएलसी छात्रों को विशेषज्ञ संकाय और पूरी तरह से सुसज्जित बुनियादी ढांचे की सुविधा के अनुसार कई पाठ्यचर्या संबंधी संभावनाओं की पेशकश करके एनईपी–2020 के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एसएलसी में हम एक संपूर्ण शैक्षिक परिवेश प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां प्रत्येक एसएलसी छात्र नियमित पाठ्यचर्या संबंधी मार्गदर्शन, शैक्षणिक नवाचारों और सभी गतिविधियों में निरंतर भागीदारी के माध्यम से अपनी क्षमता हासिल कर सकता है। संकाय और कर्मचारियों की हमारी समर्पित टीम आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए पाठ्यचर्या संबंधी सलाह, शैक्षणिक नवाचार और सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। हम छात्रों की भागीदारी की शक्ति में विश्वास करते हैं, और हम आपको विभिन्न कॉलेज गतिविधियों, क्लबों और केंद्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये अनुभव न केवल आपके कौशल और ज्ञान को बढ़ाएंगे बल्कि जीवन भर की यादें और स्थायी दोस्ती भी बनाएंगे।

हम आपको सर्वोत्तम सेवाओं और अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं का आश्वासन देते हैं ताकि एसएलसी में आपका सफ़र यादगार बन सके।

इन शब्दों के साथ, एसएलसी के प्राचार्य के रूप में, मैं छात्रों, अभिभावकों और संकाय सदस्यों सहित सभी हितधारकों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि हमारा सहयोग सभी के लिए एक उपयोगी और यादगार अनुभव होगा। आइए, हम सब मिलकर सीखने, विकास और खोज की इस यात्रा पर आगे बढ़ें और अपने और अपने समाज के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।

प्रो. रबी नारायण कर, पीएच.डी., एफसीएस
प्राचार्य, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
principal@shyamlal-du-ac-in

विवरणिका समिति

डॉ वरुण भंडारी
वाणिज्य विभाग
संयोजक

सुश्री प्रियंका यादव
वाणिज्य विभाग
सदस्य

सुश्री श्वेता
वाणिज्य विभाग
सदस्य

डॉ हिमांशी कालरा
वाणिज्य विभाग
सदस्य

सुश्री सोनिया मुदेल
वाणिज्य विभाग
सदस्य

डॉ नर्तम वी. मोतीराम
राजनीतिशास्त्र विभाग
सदस्य

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	कॉलेज के बारे में	07
2.	आज़ादी का अमृत महोत्सव	13
3.	जी-20 की भारत की अध्यक्षता	15
4.	अकादमिक विवरण	16
5.	विभाग प्रभारी 2023-24	18
6.	कॉलेज प्रशासन	19
7.	नोडल/लाइजन अधिकारी	20
8.	प्रमुख (फ्लैगशिप) कार्यक्रम	21
9.	ऐड-ऑन व मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम	24
10.	सर्वोत्तम अभ्यास	28
11.	शोध एवं नवाचार	36
12.	आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	39
13.	केंद्र (सेंटर्स)	40
14.	अकादमिक सभाएं (सोसाइटीज)	46
15.	पाठ्येत्तर गतिविधियाँ	46
16.	कला एवं संस्कृति	48
17.	सांस्कृतिक कैलेण्डर - 2023-24	53
18.	पुरस्कार एवं इनाम	55
19.	अकादमिक सत्र - 2023-24 के लिए अधिकार प्राप्त समितियाँ	57

20.	अकादमिक सत्र - 2023-24 के लिए स्टाफ काउन्सिल की समितियाँ	59
21.	एनईपी 2020 और अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ)	64
22.	यूजीसीएफ की संरचना	68
23.	परीक्षण कसौटी	70
24.	स्नातक पाठ्यक्रमों (2023-24) के लिए दाखिला	72
25.	स्नातक नामांकन के लिए अर्हताएं	79
26.	सीटों की उपलब्धता (2023-24)	84
27.	आरक्षण नीतियाँ और कोटा	85
28.	अकादमिक सत्र (2023-24) के लिए फीस संरचना	87
29.	ऐड ऑन पाठ्यक्रमों (2023-24) के लिए फीस संरचना	90
30.	2023-24 का अकादमिक कैलेण्डर	90
31.	विद्यार्थी से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएँ	91
32.	विश्वविद्यालय के प्रमुख अध्यादेश	93

अस्वीकरण

यह विवरणिका कॉलेज एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के दस्तावेजों और संबंधित स्रोतों से एकत्रित सूचनाओं का संकलन है। जानकारी, नियमों और विनियमों वाली विवरणिका के इस आधिकारिक संस्करण को पुनर्प्रस्तुत करने में यथासंभव सावधानी बरती गई है। इसे, किसी भी स्थिति में, तैयार संदर्भ के रूप में प्रदान की गई जानकारी की पूर्णता और सटीकता के संबंध में गारंटी के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। कॉलेज इस जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी दायित्व से इनकार करता है, जो अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय त्रुटियों या किसी अन्य कारण से हो सकता है। कॉलेज बिना किसी पूर्व सूचना के विवरणिका के किसी भी हिस्से को उचित रूप से संशोधित करने, संवर्धित करने या उसे हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

कॉलेज के बारे में

विरासत को आगे बढ़ाते हुए

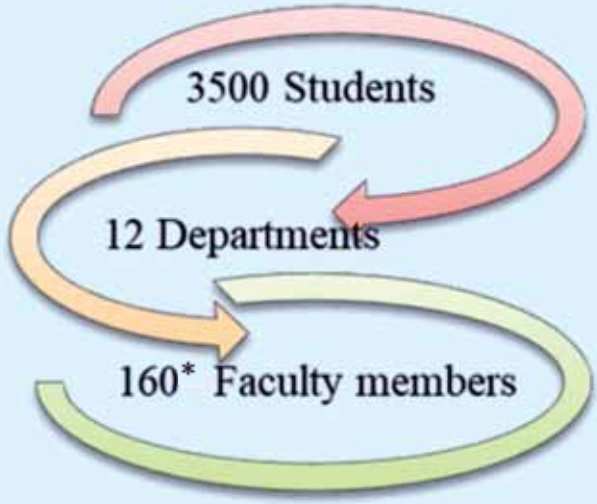

श्यामलाल कॉलेज (एसएलसी) एक शीर्ष शैक्षणिक संस्थान है जो पाठ्यचर्या, सह–पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता के विकास के लिए एक जीवंत समावेशी वातावरण प्रदान करता है। महान दूरदर्शी और उद्यमी पद्मश्री (दिवंगत) श्री श्यामलाल गुप्ता द्वारा 1964 में स्थापित, श्यामलाल कॉलेज (एसएलसी) दिल्ली विश्वविद्यालय का एक सह–शैक्षिक अंगीभूत कॉलेज है। एसएलसी दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है और पिछले कई वर्षों से अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने की दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है।

एसएलसी अकादमिक उत्कृष्टता का एक गतिशील केंद्र है और पूर्वी दिल्ली के आर्थिक और शैक्षिक रूप से वंचित समुदायों के छात्रों, विशेषकर लड़कियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ बनाना चाहता है। कॉलेज परिसर में एक विशाल खेल मैदान है और यह हरे–भरे लॉनों और फूल से लदे बगीचों से गुलजार है जो समग्र शिक्षण–विद्याग्रहण की प्रक्रिया का एक प्राकृतिक परिवेश बनाते हैं। 59 वर्षों के अपने सफ़र में, एसएलसी सीखने, नवाचार और ज्ञान सृजन के अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में विकसित हुआ है और इसने सतत तरीके से भारत के कॉलेजों के लिए जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में उच्च स्थान अर्जित किया है। कॉलेज को 2020 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत डीबीटी स्टार कॉलेज कार्यक्रम के लिए भी चुना गया है। हाल ही में, कॉलेज को 2022 में राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रत्यायन परिषद (NAAC), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा सर्वश्रेष्ठ A++ रेटिंग प्रदान की गयी है। कॉलेज तेजी से देश के एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में उभरा है और भारत के भूतपूर्व माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने वार्षिक दिवस समारोह (2018–19) की शोभा बढ़ाई है।

* नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है, सभी पद जल्दी ही भर लिए जायेंगे।

कॉलेज का प्रयास हमेशा उच्च शिक्षा को अधिक प्रतिबद्ध, नौकरी–उन्मुख, सार्थक और व्यावहारिक बनाने और साथ ही हमारे समाज और विश्व की लगातार बदलती मांगों के अधिक अनुकूल बनाने का रहा है। कॉलेज ने छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति पैदा करने की दिशा में कई अभिनव पहल की है। एसएलसी ने शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के तहत इनोवेशन काउंसिल (आईसी) की स्थापना की, जो नवंबर 2018 में शुरू की गई एक पहल है। एसएलसी की इनोवेशन काउंसिल छात्रों के बीच नवाचार की भावना पैदा करने और एक स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में काम करती है। कॉलेज का स्किल डेवलपमेंट सेंटर (कौशल विकास केंद्र) जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, चीनी, जापानी, कोरियाई (जर्मनिक और रोमनिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध) में कई मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करने के साथ–साथ बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से स्टॉक ट्रेडिंग में सर्टिफिकेट कोर्स "मास्टरिंग द स्टॉक मार्केट" भी चलाता है। कॉलेज योगा एंड होलिस्टिक डेवलपमेंट, रिसर्च एनालिटिक्स, इंट्रोडक्शन टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंट्रोडक्शन टू बिटकॉइन ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, वर्चुअल इंट्रोडक्शन और डिजिटल मार्केटिंग पर मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। एसएलसी उन्नत भारत अभियान (यूबीए 2.0) की सहभागी संस्था है – जो कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक फ्लैगशिप कार्यक्रम है। इस परियोजना के तहत, एसएलसी संकाय और छात्रों की टीम ने संस्थागत संबंधों के माध्यम से ग्रामीण विकास का समर्थन करने के लिए 5 गांवों – धितोरा (बागपत), निठोरा (गाजियाबाद), चिरोड़ी (गाजियाबाद), जावली (गाजियाबाद), कोटवालपुर (गाजियाबाद) में सर्वेक्षण और कार्यशालाएं आयोजित की हैं। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2020 में एसएलसी को एसएपी (स्वच्छता एक्शन प्लान) संस्थान के रूप में मान्यता देने के साथ एसएलसी ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

एसएलसी में, हम अपने छात्रों को आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक क्षमताओं के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे एक स्वस्थ वातावरण और किसी भी प्रकार के भेदभाव और पूर्वाग्रह से मुक्त समाज के विकास में योगदान मिलता है। हमारा उद्देश्य सभी को समान अवसर प्रदान करते हुए समग्र उच्च शिक्षा का पोषण और प्रचार करना है।

विज़न

एसएलसी समावेशी और मूल्य–आधारित शिक्षा प्रदान करके शिक्षार्थियों के जिम्मेदार नागरिकों में सार्थक परिवर्तन के लिए प्रयास करता है।

मिशन

- शैक्षणिक, खेल, पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के मकसद से विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों के साथ परस्पर संवाद के लिए सहायक और सुरक्षित शिक्षण और विद्या ग्रहण का परिवेश प्रदान करना;
- विद्यार्थियों को नेता के रूप में तैयार करने के लिए मजबूत मूल्यों को स्थापित करने पर ध्यान देने के साथ विश्लेषणात्मक चेतना विकसित करना; और
- कॉलेज में अनुसंधान और नवाचार को सुदृढ़ करने के लिए पर्यावरण हितैषी प्रथाओं और रणनीतियों को तैयार करना, जो ज्ञान के दायरे का विस्तार करते हैं।

सामाजिक भूमिका

एसएलसी अपने सभी हितधारकों और समुदाय के प्रति अपनी संस्थागत और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास करता है। सामुदायिक संगठनों, उद्योग साझेदारों और नागरिक समूहों के साथ सहयोग के माध्यम से, एसएलसी लगातार सामाजिक मुद्दों के लिए अभिनव समाधान खोजने का प्रयास करता है। लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, कॉलेज छात्राओं को प्रवेश के समय अंकों में 1% की छूट देता है। कॉलेज सभी को समग्र उच्च शिक्षा प्रदान करके एनसीआर क्षेत्र में व्याप्त असमानता को दूर करने में योगदान देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। व्यवहार में, कॉलेज दिल्ली के सबसे पिछड़े इलाकों से अपनी भौगोलिक निकटता के साथ जमीनी स्तर पर इस असंतुलन को ठीक कर रहा है। समय–समय पर,

एनसीसी, एनएसएस, गांधी स्टडी सर्कल, अंबेडकर स्टडी सर्कल और इको–क्लब जैसी अपनी विभिन्न इकाइयों के माध्यम से, कॉलेज ने सामाजिक कल्याण गतिविधियों की शुरुआत की है और समान सामाजिक विकास की संभावनाएं पैदा की हैं। कॉलेज का लक्ष्य खेल और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना भी है और यह पूर्वी दिल्ली के साथ–साथ यूपी के आसपास के क्षेत्रों से आने वाले योग्य और प्रतिभाशाली वंचित छात्रों को मुफ्त और नियमित कोचिंग प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से आस–पास के क्षेत्रों में स्वच्छता, वृक्षारोपण अभियान, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों सहित कई जागरूकता कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाया गया है और कॉलेज इसे जारी रखने का प्रयास करता है। इन पहलों के साथ, एसएलसी दिल्ली में एक अग्रणी संस्थान बन गया है। उत्तर–पूर्वी राज्यों सहित दूर–दराज के राज्यों और क्षेत्रों के छात्रों के साथ–साथ विदेशी छात्र भी संस्थान के कॉर्पोरेट जीवन में अच्छी तरह से घुलमिल जाते हैं। कुल मिलाकर, कॉलेज प्रशासन और संकाय सभी छात्रों को एक सक्षम वातावरण प्रदान करने की दिशा में काम करते हैं।

परिवहन जुड़ाव / कनेक्टिविटी

कॉलेज मेट्रो रेल नेटवर्क और सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। वेलकम मेट्रो स्टेशन से आईएसबीटी तक का फ्लाईओवर एसएलसी को नॉर्थ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय से जोड़ता है और यात्रा में 10 मिनट का समय लगता है। कश्मीरी गेट से होते हुए रिठाला–शहीद स्थल (नया बस अड्डा) मेट्रो मार्ग पर पड़ने वाले वेलकम और शाहदरा मेट्रो स्टेशन कॉलेज से पैदल दूरी पर हैं और शहर के अधिकांश हिस्सों और एनसीआर और पड़ोसी शहरों से परिवहन का सबसे तेज़ और सबसे सुविधाजनक साधन मुहैया कराते हैं। इसके अलावा, कॉलेज शहर के विभिन्न हिस्सों से सड़क और बस सेवाओं द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। प्रसिद्ध ग्रैंड ट्रंक रोड (जी.टी. रोड) कॉलेज के ठीक बराबर से गुजरती है और इसे यूपी के पड़ोसी शहरों से जोड़ती है। जैसे साहिबाबाद और गाजियाबाद भी। कश्मीरी गेट पर इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) और आनंद विहार में आईएसबीटी कॉलेज से 5 किलोमीटर से भी कम दूरी पर हैं। आनंद विहार रेलवे स्टेशन देश के पूर्वी हिस्सों से आने वाले छात्रों के लिए कॉलेज तक बहुत अच्छी सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

अवसंरचना

कॉलेज यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करता है कि उसका बुनियादी ढांचा एक गतिशील वातावरण में एक स्वस्थ शैक्षिक प्रणाली की सभी विविध आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम रहे। एसएलसी को वाई–फाई और सीसीटीवी सक्षम आधुनिक परिसर होने पर गर्व है। कॉलेज ने अपनी पुरानी इमारत को पूरी तरह से दो लिफ्टों, छह नए वॉशरूम और एक नए रिसेप्शन क्षेत्र की स्थापना के साथ नवीनीकृत किया है जो इसे पूरी तरह से दिव्यांग अनुकूल क्षेत्र बनाता है।

परिसर में और उसके आसपास हरे–भरे बगीचों ने कॉलेज की दृश्यावली को पूरी तरह से बदल दिया है। शैक्षणिक वर्ष 2015–16 में, कॉलेज ने अपने मौजूदा बुनियादी ढांचे में एक पूरी नई इमारत – पोर्टा ब्लॉक जोड़ा। इस भवन में सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और एक समर्पित सम्मेलन हॉल, बोर्ड रूम, अद्यतन आईसीटी सुविधाओं के साथ शिक्षक सुविधा केंद्र सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है। स्टाफ रूम, लाइब्रेरी, कार्यालय और कैफेटेरिया को हाल ही में उत्कृष्ट वातानुकूलित स्थानों में पुनर्निर्मित किया गया है। कॉलेज ने परिसर के अंदर और बाहर पूरी तरह कार्यात्मक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह हमारे छात्रों के लिए पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करता है। एसएलसी परिसर अब एक वाई–फाई क्षेत्र है, जहां कॉलेज के प्रत्येक छात्र और संकाय सदस्य के लिए इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। एक प्रमुख संस्थान के रूप में, एसएलसी यह सुनिश्चित करता है कि यह बुनियादी ढांचा दिव्यांगों सहित उसके सभी छात्रों और संकाय के लिए पूरी तरह से सुलभ रहे।

पुस्तकालय

किसी भी ज्ञान प्रदान करने वाले संस्थान में, ज्ञान के भंडार के रूप में पुस्तकालय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह न केवल छात्रों और शिक्षकों को एक–दूसरे के साथ संवाद करने के लिए अतिरिक्त स्थान प्रदान करता है बल्कि उन्हें किताबों, पत्रिकाओं की दुनिया और नई उभरती विश्व प्रणाली के सूचना उद्योग से जोड़ने की सुविधा भी प्रदान करता है। एसएलसी के पास पुस्तकों, पत्रिकाओं, ई–संसाधनों के विशाल संग्रह के साथ एक पूरी तरह सुसज्जित पुस्तकालय है। लाइब्रेरी में WEB OPAC प्रणाली और DELNET की सुविधा है जो छात्रों और शिक्षकों के लिए लाइब्रेरी और अन्य जगहों पर किताबें ढूंढना आसान बनाती है। DULS (दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम) ई–संसाधनों जैसे ई–जर्नल्स, शोधसिंधु, शोधगंगा आदि तक पहुंच प्रदान करता है। कॉलेज लाइब्रेरी में NList सदस्यता (UGC & INFLIBNET) भी है जो उपयोगकर्ताओं को ई–संसाधनों के विशाल डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करती है। हमारी लाइब्रेरी पूरी तरह से स्वचालित है और निकट भविष्य में आरएफआईडी तकनीक लागू की जाएगी। DULS और NList ई–जर्नल्स जैसे ई–संसाधनों तक पहुंच प्रदान करते हैं।

विज्ञान प्रयोगशालाएं

एसएलसी विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं के साथ अपने छात्रों को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास करता है। सर्वोत्तम उपकरणों और कुशल सहायता सेवाओं के साथ रसायन विज्ञान, भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशालाएँ विज्ञान के छात्रों को उनके व्यावहारिक कार्य करने के लिए आदर्श स्थितियाँ प्रदान करती हैं। कॉलेज में कुछ साल पहले ही जीवविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की गई थी और इसे तेजी से अन्य विज्ञान प्रयोगशालाओं के स्तर पर लाया जा रहा है। ये प्रयोगशालाएँ न केवल विशाल और अच्छी तरह हवादार हैं बल्कि छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए एक आदर्श वातावरण भी प्रदान करती हैं।

कंप्यूटर सेंटर

कॉलेज में पांच कंप्यूटर प्रयोगशालाएं और एक समर्पित नॉलेज प्रोसेसिंग सेंटर (ज्ञान संसाधन केंद्र) है। एसएलसी सर्वर, प्रिंटर, डेस्कटॉप, लैपटॉप, एलसीडी प्रोजेक्टर और नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन के स्कैनर से सुसज्जित अत्याधुनिक कंप्यूटर केंद्रों का दावा करता है। इसके अतिरिक्त, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित दो नए कंप्यूटर लैब के भी जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। कॉलेज पुस्तकालय के साथ–साथ प्रशासनिक कार्यालय में सभी कार्य स्वचालित हैं। कॉलेज के कंप्यूटर लैब्स छात्रों और संकाय के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर संसाधनों के संदर्भ में सर्वोत्तम पेशकश करते हैं।

बहुउद्देश्यीय हॉल एवं सम्मेलन केंद्र (मल्टीपर्पस हॉल और कॉन्फ्रेंस सेंटर)

सभी नवीनतम आईसीटी सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक वातानुकूलित सम्मेलन हॉल मौजूदा बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। इसमें 100 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। कॉन्फ्रेंस हॉल पूरी तरह कार्यात्मक है और इसका उपयोग महाविद्यालय में आयोजित किये जाने वाले सभी शैक्षणिक विस्तार गतिविधियों, सम्मेलनों और सेमिनारों के आयोजन के लिए किया जाता है। एक बिल्कुल नया बहुउद्देश्यीय हॉल (एमपीएच) भी पूरी तरह कार्यात्मक है। शैक्षणिक उत्कृष्टता को जारी रखते हुए, कॉन्फ्रेंस हॉल, बोर्ड रूम, नॉलेज रिसोर्स सेंटर और रीडिंग रूम में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए हैं।

बोर्ड रूम और टीचर फैसिलिटेशन सेंटर

कॉलेज में शिक्षकों के बीच अनुसंधान अभियोग्यता को बढ़ावा देने के लिए एक नवनिर्मित शिक्षक सुविधा केंद्र और कई लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक बोर्ड/कमेटी रूम भी है।

जलपानगृह/ कैफेटेरिया

कॉलेज का फूड कोर्ट, छात्रों का पसंदीदा स्थान और गतिविधियों का केंद्र है। उचित कीमतों पर ढेर सारे स्वादिष्ट भोजन के साथ, यह एक ऐसी जगह है जहां सभी पाठ्यक्रमों के छात्र मिलते हैं, संवाद करते हैं और चाय/कॉफी के गर्म कप के साथ गपशप करते हैं। कोल्ड ड्रिंक, फलों के जूस, क्रिस्पी स्प्रिंग रोल, स्वादिष्ट इडली, वड़ा, डोसा, पैटीज़, समोसा, छोले भटूरे और ब्रेड पकौड़े आदि विभिन्न खाद्य पदार्थ यहाँ उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य सुविधा

कॉलेज में एक समर्पित चिकित्सा कक्ष है। एक योग्य चिकित्सक सप्ताह में तीन बार कॉलेज आते हैं। छात्र बी.आर. अम्बेडकर कॉलेज में W.U.S. (वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विस) स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा का भी लाभ उठा सकते हैं। ।

गर्ल्स कॉमन रूम

इस तथ्य के मद्देनजर कि विद्यार्थियों को कॉलेज में कई घंटे बिताने पड़ते हैं, और जरूरी नहीं कि वे सब हमेशा कक्षा के भीतर ही हों, एसएलसी अपने विद्यार्थियों के लिए अनन्य निजी जगहों की जरूरत को बहुत अच्छी तरह से पहचानता है। यह समझ गर्ल्स कॉमन रूम को कॉलेज का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाती है। बहुत अच्छी मनोरंजक सुविधाओं से सुसज्जित, जीसीआर को हाल ही में नवीनीकृत किया गया है। कॉलेज की जीसीआर समिति ने सीएसआर रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से जीसीआर में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन स्थापित करने का अग्रणी कदम उठाया।

सुरक्षा व्यवस्था

पूर्वी दिल्ली के मध्य में स्थिति और परिवहन के सभी प्रमुख साधन सामने उपलब्ध होने के कारण, कॉलेज को शहर के पूरी तरह से सुरक्षित हिस्से में स्थित होने का बड़ा फायदा है। यह तथ्य कि शाहदरा पुलिस स्टेशन कॉलेज के ठीक बराबर में स्थित है, सुरक्षा की भावना को और बढ़ाता है। इसके अलावा कॉलेज परिसर के बहुत करीब पुलिस अधिकारियों की तैनाती से संस्थान आने–जाने वाले छात्रों को सुरक्षा की भावना मिलती है। कॉलेज अपने परिसर के भीतर संस्थान के सभी वर्गों के बीच सम्मान और आपसी विश्वास के मूल्यों को स्थापित करने का प्रयास करता है, जिसमें हर कोई अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बिना किसी डर और संदेह के काम कर सकता है। फिर भी कॉलेज परिसर के भीतर सुरक्षा को हल्के में नहीं लेता है और किसी भी सुरक्षा उल्लंघन का पता लगाने के लिए अपने बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों को हर समय कार्यरत रखता है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की आजादी के 75 साल और अपने लोगों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों का जश्न मनाने और राष्ट्र निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित करने की एक पहल है। यह महोत्सव भारत के उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने भारत को उसकी विकास यात्रा में इतना आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। "आजादी का अमृत महोत्सव" की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च, 2021 को शुरू हुई, जहाँ से हमारी आजादी की 75वीं वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह की उलटी गिनती शुरू हुई। एसएलसी मार्च 2021 से ही इस महोत्सव में सक्रियता से भाग ले रहा है, और इसने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रमों और समारोहों का आयोजन किया है।

- 12 मार्च, 2021 को कॉलेज में एक पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर रबी नारायण कर ने 12 मार्च के महत्व पर प्रकाश डाला और महात्मा गांधी के ऐतिहासिक दांडी मार्च की याद दिलाई। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 12 मार्च भारत की साहित्य अकादमी की स्थापना तिथि भी है, जिसे भारतीय भाषाओं में साहित्य को बढ़ावा देने के लिए गठित बनाया गया था।
- 6 जुलाई 2021 को "हिंदी साहित्य में ध्वनित आजादी का स्वर" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें प्रोफेसर अनिल राय और प्रोफेसर अवधेश कुमार मुख्य वक्ता थे।
- आत्मनिर्भर भारत के बारे में छात्रों और समाज के बीच अधिक जागरूकता फैलाने के लिए 2 अगस्त, 2021 को स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया गया था।
- 2 अगस्त, 2021 को वृक्षारोपण अभियान चलाया गया और छात्रों द्वारा अपशिष्ट पदार्थों से बनाए गए शिल्प कार्यों की कला प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया गया।
- 11 अगस्त, 2021 को "आज़ादी का अमृत महोत्सव" विषय पर एक ऑनलाइन रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- कॉलेज की इकोनॉमिक्स सोसाइटी ने आईक्यूएसी के सहयोग से 11 अगस्त, 2021 को "आज़ादी क्विज़" थीम पर "भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न" पर एक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- 13 अगस्त, 2021 को 75वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कॉलेज परिसर में "आज़ादी का अमृत महोत्सव" मनाया गया।
- 18 अगस्त, 2021 को आईक्यूएसी और राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से गाँधी स्टडी सर्कल द्वारा "महात्मा गाँधी एंड द नेशनलिस्ट मूवमेंट : रेलेवेंस फॉर रिसर्जेंट इंडिया" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।
- कौशल विकास केंद्र और आईक्यूएसी द्वारा 26 अगस्त, 2021 को "आजादी का अमृतोत्सव" विषय पर राष्ट्रीय डिजिटल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
- 27 अगस्त, 2021 को कॉलेज की स्पोर्ट्स कमेटी द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से कॉलेज के टीचिंग और नॉन–टीचिंग स्टाफ के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।

- 15 सितंबर, 2021 को हिंदी विभाग द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से "राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।
- कॉलेज के इको क्लब और आईक्यूएसी द्वारा 16 सितंबर 2021 को एक क्विज़ और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
- 20 सितंबर 2021 को आर्ट डिपार्टमेंट और आईक्यूएसी द्वारा व्यावसायिक विकास के लिए व्यक्तिगत विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।
- श्याम लाल कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग और आईक्यूएसी ने 2 अक्टूबर, 2021 को वक्ता प्रोफेसर रमेश चंद्र भारद्वाज और डॉ. संदीप टुंडुरवार के साथ "रेलेवेंस ऑफ़ गांधियन आइडियल्स इन द कंटेम्पररी टाइम्स" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- 24 अक्टूबर, 2021 को आईक्यूएसी के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग और गांधी स्टडी सर्कल द्वारा "संयुक्त राष्ट्र में भारत : उभरती शक्ति के लिए चुनौतियां और अवसर" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना, राजनीति विज्ञान विभाग और आईक्यूएसी द्वारा 15 नवंबर, 2021 को "जनजातीय गौरव दिवस" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।
- 'उद्गम' : बी. ए. प्रोग्राम सोसाइटी और आईक्यूएसी ने 24 और 25 नवंबर, 2021 को यूपीएससी–सीएसई तैयारी के लिए संभवमः सोसाइटी के सहयोग से एक सिविल सेवा कॉन्क्लेव 2021 का आयोजन किया।
- 25 नवंबर, 2021 को अंबेडकर स्टडी सर्कल (एएससी) और आईक्यूएसी द्वारा "भारतीय संविधान और समकालीन चुनौतियां" पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- एसएलसी के इतिहास विभाग ने 30 नवंबर, 2021 को प्रोफेसर आर.पी. बहुगुणा के साथ "मध्यकालीन भारतीय संतों की सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि" पर एक वेबिनार आयोजित किया।
- श्यामलाल कॉलेज और कालाहांडी विश्वविद्यालय ने विद्या विस्तार परियोजना और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के तत्वावधान में 7 दिसंबर, 2021 को पर वर्चुअल वर्कशॉप ऑन लैबोरेटरी सेट–अप पर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 11 दिसंबर, 2021 को अंबेडकर स्टडी सर्कल (एएससी) और आईक्यूएसी द्वारा "कोविड–19 और मानवाधिकार" विषय पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
- राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने के लिए 12 जनवरी, 2022 को आईक्यूएसी के सहयोग से सीएचडी द्वारा "स्वामी विवेकानन्द की जयंती" पर वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रो. के.बी. दास, माननीय कुलपति, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची इसके मुख्य अतिथि और स्वामी श्यामा चैतन्य जी मुख्य वक्ता थे।
- एनएसएस ने आईक्यूएसी और युवा (YUVA) के सहयोग से 12 जनवरी, 2022 को स्वामी विवेकानंद की 159वीं जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इसके वक्ता ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, इंग्लैंड, यूके के श्री नितीश राय पारवानी थे।
- 14 जनवरी, 2022 को एनएसएस द्वारा मकर सक्रांति के अवसर पर सूर्य नमस्कार की प्रासंगिकता महत्व और प्रथाओं का आयोजन किया गया था।
- प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल ने आईक्यूएसी और टाइम्स ग्रुप के सहयोग से 19 जनवरी, 2022 को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- 25 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर एनएसएस द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- राजनीति विज्ञान विभाग ने 30 जनवरी, 2022 को गांधी स्टडी सर्कल के सहयोग से "समकालीन परिप्रेक्ष्य में गांधी का पुनरीक्षण" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- एसएपी के सहयोग से उद्यान समिति ने 28 फरवरी, 2022 को उमंग 4.0, पूर्वी दिल्ली फ्लॉवर शो का आयोजन किया।
- एनएसएस और हिंदी विभाग ने 21 फरवरी, 2022 को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- महिला विकास केंद्र ने वेलो के सहयोग से 23 फरवरी, 2022 को "तनाव को अलविदा कहें" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- एनएसएस ने विवेकानन्द केंद्र के सहयोग से 11 मार्च, 2022 को "युवाओं के लिए स्वामी विवेकानन्द का संदेश" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया।
- कॉलेज ने 2 से 15 अगस्त, 2022 तक "हर घर तिरंगा" अभियान की मेजबानी की।
- एसएलसी के इतिहास विभाग ने 14 सितंबर, 2022 को "भारत की सांस्कृतिक विरासत" विषय पर इतिहास प्रदर्शनी का आयोजन किया।
- कौशल विकास केंद्र (सीएसडी), एसएलसी ने 27 सितंबर, 2022 को दैनिक जागरण के सहयोग से "पर्सनालिटी डेवलपमेंट एंड ग्रूमिंग सेशन" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

भारत की जी-20 अध्यक्षता

एसएलसी ने अपनी दीवार को जी–20 प्रतीक चिह्न "वसुधैव कुटुंबकम्" से रंगकर अध्यक्ष पद पर भारत के आसीन होने का जश्न मनाया। जी–20 की थीम हर जीवन – मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों – के मूल्य और पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनके अंतर्संबंध की पुष्टि करती है। यह व्यक्तिगत जीवनशैली के साथ–साथ राष्ट्रीय विकास दोनों स्तरों पर पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और जिम्मेदार विकल्पों पर भी ध्यान केंद्रित करती है, जिससे विश्व स्तर पर परिवर्तनकारी कार्यों को बढ़ावा मिले और एक स्वच्छतर, ज्यादा हरित और ज्यादा नीले भविष्य का निर्माण हो सके।

एसएलसी का लक्ष्य अपनी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में इन मूल्यों को विकसित करना, विकसित करना और एकीकृत करना भी है। विभिन्न पहलों और प्रयासों के माध्यम से, यह छात्रों में अपनेपन और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना चाहता है। इस थीम पर कॉलेज में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, वार्ता और सेमिनार जैसी गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की गई।

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक

एसएलसी विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के छात्रों को स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कॉलेज कला के अंतर्गत, बी.ए. (प्रतिष्ठा)– अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, हिंदी, बी.ए.(प्रोग्राम) और एम.ए. (हिन्दी) के पाठ्यक्रम चलाता है। ये पाठ्यक्रम छात्रों को सामाजिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, राजनीतिक, वैचारिक और दार्शनिक परंपरा और सोच से परिचित कराते हैं। वहीं वाणिज्य विभाग बी.कॉम (प्रतिष्ठा) और बी.कॉम (प्रोग्राम) नामक दो पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो विद्यार्थियों को अकाउंटिंग ज्ञान, मैनेजमेंट सिद्धांत, रिटेल ट्रेडिंग, बैंकिंग एवं बीमा लेनदेन, व्यावसायिक अर्थशास्त्र और वित्तीय प्रबंधन का ज्ञान प्राप्त करने में मदद करते हैं। कॉलेज के विज्ञान प्रभाग में बीएससी (ऑनर्स) –गणित, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान नामक तीन पाठ्यक्रम चल रहे हैं जिसका लक्ष्य अवलोकन, सटीकता, विश्लेषणात्मक दिमाग, तार्किक सोच, विचार की स्पष्टता और व्यवस्थित दृष्टिकोण को विद्यार्थियों में शामिल करना है। महाविद्यालय के विभागों के बारे में जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएँ :

https://www.slc.du.ac.in/SLC-Departments.php

संकाय सदस्य

हमारे पास अत्यधिक योग्य, प्रतिभाशाली, जानकार और समर्पित शिक्षाविद हैं। हमारे संकाय में अपने–अपने क्षेत्रों के कई विशेषज्ञ, प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशनों वाले प्रतिष्ठित लेखक, शोधकर्ता और विद्वान शामिल हैं। अतिरिक्त प्रयास करते हुए, संकाय मिश्रित शिक्षा को बढ़ावा देता है जिसमें वे कक्षा में छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए डिजिटल, दृश्य और ऑनलाइन सहायता का अधिकतम उपयोग करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे संकाय सदस्य छात्रों के साथ अपनी बातचीत को केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं रखते हैं। वे मार्गदर्शक (मेंटर) के रूप में कार्य करते हैं और किसी भी प्रकार की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। इसके अलावा, संकाय सदस्य कॉलेज के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान छात्रों को समग्र विकास के लिए सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। एसएलसी में, हमारी शिक्षण पद्धति छात्रों को सीखने के सभी अपेक्षित क्षेत्रों में मंच विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए समय की आवश्यकताओं के साथ विकसित हो रही है जो उन्हें उद्योग के लिए तैयार होने में सक्षम बनाती है। हमारे समर्पित, अनुभवी और योग्य संकाय सदस्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों और ऐसे अन्य आयोजनों में भाग लेकर विशेषज्ञता और अनुसंधान के अपने क्षेत्रों में वैश्विक रुझानों और सफलताओं पर अपनी पकड़ को लगातार अद्यतन करते हैं। इसके अलावा, जब भी आवश्यकता होती है, कॉलेज पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार अतिथि संकाय की नियुक्ति करता है।

सहयोगी कर्मचारी वर्ग

कॉलेज के पास एक कुशल सहायक स्टाफ है जो छात्रों को उच्चतम गुणवत्ता वाली सेवाएँ और सहायता प्रदान करने में सक्षम है। सहायक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ प्रशासन, लेखा, और रखरखाव और प्रयोगशाला सेवाओं को शामिल करती हैं। सहायक स्टाफ के पास अपना काम कुशलतापूर्वक करने के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं और तकनीकी सहायता है। संस्थान की बेहतरी के लिए इन संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए, उन्हें नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पर्याप्त कौशल के साथ अद्यतन भी किया जाता है। साथ ही, कॉलेज लगातार सहयोगी स्टाफ के विनम्र, मृदुभाषी और छात्रों के साथ सभी बातचीत में मददगार होने पर जोर देता है। एक पूरी तरह से वातानुकूलित मॉड्यूलर कार्यालय और आधुनिक सॉफ्टवेयर और वाई–फाई कनेक्टिविटी वाले कंप्यूटर इस प्रक्रिया को और सुविधाजनक बनाते हैं। कॉलेज में अत्यधिक सक्षम सहायक कर्मचारी हैं जो छात्रों को कोई भी आवश्यक जानकारी, सहायता और परामर्श प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

एसएलसी पूर्व छात्र (एलुमनाई)

कॉलेज का पंजीकृत पूर्व छात्र संघ (एलुमनाई एसोसिएशन) बेहद सक्रिय है। कॉलेज को अपने उन स्नातकों पर गर्व है जिन्होंने सार्वजनिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पद संभाले हैं। संस्थान के स्नातकों ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूर्व छात्र वर्तमान बैचों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखते हैं और अक्सर अपने व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव प्रदान करते हैं। कॉलेज के लिए अपने चल रहे समर्थन के हिस्से के रूप में, पूर्व छात्र अक्सर वर्तमान छात्रों को अपने व्यवसायों का दौरा करने और रोजगार के लिए कई विकल्प प्रदान करने के लिए आमंत्रित करते हैं। पिछली पूर्व छात्र बैठक 23 जुलाई, 2022 को आयोजित की गई थी। यह सभी प्रतिभागियों के लिए उत्साह से भरा दिन था। हमारे पूर्व छात्रों के लिए खेल, एकल प्रदर्शन, भाषण और कविता सत्र जैसी कई मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। हमारे सेवानिवृत्त शिक्षकों ने भी अपने विचार साझा किए और सभी के साथ दिलचस्प बातचीत की। पूर्व छात्रों को कैंपस भ्रमण पर ले जाया गया, जिसने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन प्रेरक, आनंददायक और साथ ही लाभदायक भी था क्योंकि सभी सदस्यों ने अपने विचार साझा किए और बड़ी मात्रा में नए विचार, जानकारी और अंतर्दृष्टि सामने आईं। सभा के उपरान्त सभी मेहमानों के लिए भव्य रात्रि भोज का आयोजन किया गया। इसमें 148 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

उल्लेखनीय एलुमनाई

नाम	कार्य / उपलब्धि
जेसी शर्मा	आईईएस (सेवानिवृत्त)
ओमप्रकाश शर्मा	प्रिंसिपल कमिश्नर ऑफ़ इनकम टैक्स, मिनिस्ट्री ऑफ़ फाइनेंस
राजेश सहगल	सीईओ (जर्मेनियम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड) (डालमिया समूह की कंपनी)
गिरीश जैन	सीईओ, फॉक्सवैगन समूह, कतर
सुनील शर्मा	प्रेसिडेंट, चीफ एक्चुअरी एंड चीफ रिस्क ऑफिसर आर्गेनाईजेशन इंस्टिट्यूशन कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड।
रोबिन तेवतिया	डेटा साइंटिस्ट, 407 ईटीआर, टोरंटो, कनाडा
गगन सागर	अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक (2000)
सचिन मलिक	एशियाई जूडो कप में कांस्य पदकः मकाऊ (2018)
सुदीप्ति खन्ना	थाईलैंड में 7वीं एरोबिक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप (2022) के लिए चयनित

अकादमिक सत्र 2023-24 के लिए विभागों के प्रभारी

डॉ रीता शर्मा
रसायन विभाग

प्रो रुचिका रामकृष्णन
वाणिज्य विभाग

डॉ नीलम डबास
कंप्यूटर साइंस विभाग

डॉ संजीव
अर्थशास्त्र विभाग

डॉ शिवाली खरबंदा
अंग्रेजी विभाग, संयोजक
बीए (प्रोग्राम)

डॉ राजकुमार प्रसाद
हिंदी विभाग

प्रो प्रवीण कुमार
इतिहास विभाग

डॉ सुबोध कुमार
गणित विभाग

श्री वी एस जग्गी
शारीरिक शिक्षा विभाग

डॉ सीमा डबास
भौतिकी विभाग

डॉ सीताराम कुम्भार
राजनीति विज्ञान विभाग

कॉलेज प्रशासन

प्रो रबी नारायण कर
प्राचार्य

श्री वीएस जग्गी
सचिव, स्टाफ काउन्सिल

प्रो कुशा तिवारी
निदेशक, आईक्यूएसी

डॉ आशु गुप्ता
बर्सर

श्री अतुल जैन
प्रशासनिक अधिकारी

श्री वीके वाजपेयी
लाइब्रेरियन

श्री मनोज कुमार
अनुभाग अधिकारी

नोडल/ लाइजन अधिकारी

श्री पंकज कुमार चौधरी
नोडल अधिकारी–एडमिशन,
नोडल अधिकारी एंटी स्मोकिंग,
नोडल अधिकारी छात्रवृत्ति

प्रो नीना शिरीष
नोडल अधिकारी–दिव्यांगजन

डॉ सीताराम कुम्भार
नोडल एवं लाइजन अधिकारी
एससी/एसटी

डॉ रोहन मंडल
नोडल एवं लाइजन अधिकारी–
अन्य पिछड़ा वर्ग

प्रो रुचिका रामकृष्णन
नोडल अधिकारी एवं
लाइजन अधिकारी – ईडब्ल्यूएस
संयोजक – शिकायत निपटारा समिति

डॉ एम अब्बासुद्दीन तापादार
नोडल अधिकारी – उत्तर पूर्व

डॉ मस्तराम
संयोजक, ईओसी

श्री प्रवीण कुमार
संयोजक, नामांकन सहायता डेस्क

डॉ स्वाति यादव
प्रोग्राम ऑफिसर–एनएसएस

फ्लैगशिप कार्यक्रम

उन्नत भारत अभियान, एसएलसी

एसएलसी (दिल्ली विश्वविद्यालय), श्याम लाल कॉलेज उन्नत भारत अभियान (यूबीए 2.0), जो शिक्षा मंत्रालय (एमओई) भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है, में भाग लेने वाला संस्थान है। इस परियोजना के तहत, एसएलसी ने ग्रामीण इलाकों में संस्थागत लिंकेजेस के जरिये ग्रामीण विकास का समर्थन करने के लिए 5 गांवों – धितोरा (बागपत), निठोरा (गाजियाबाद), चिरोड़ी (गाजियाबाद), जावली (गाजियाबाद), कोतवालपुर (गाजियाबाद) को गोद लिया है। उन्नत भारत अभियान टीम में एसएलसी के फैकल्टी सदस्य और छात्र सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने उक्त गांवों का व्यापक सर्वेक्षण किया है, स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया है और ग्रामीणों और गांवों के अन्य हितधारकों, जैसे ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत समितियों आदि के साथ बातचीत की है।

एसएलसी इनोवेशन काउंसिल (नवोन्मेष परिषद)

एसएलसी ने शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन प्रकोष्ठ के तहत इनोवेशन काउंसिल (आईसी) की स्थापना की, जो 2018 के नवंबर में शुरू की गई एक पहल है। इनोवेशन सेल, शिक्षा मंत्रालय का प्राथमिक उद्देश्य युवा विद्यार्थियों को नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित, प्रेरित और संवर्धित करना है। एसएलसी की इनोवेशन काउंसिल छात्रों में नवाचार की भावना पैदा करने और एक स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में काम करती है। आईसी में, एसएलसी छात्र परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं और नवोन्मेषी विचार प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। अपनी स्थापना के बाद से, आईसी, एसएलसी ने बहुत ही आशाजनक स्टार्टअप विचारों का उत्पादन और विकास किया है। आईसी, एसएलसी संकाय सदस्यों (4) ने इनोवेशन सेल, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित एम्बेसडर ट्रेनिंग प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और इसकी स्थापना के बाद से इसे 3 स्टार प्राप्त हुए हैं।

यूनिवर्सिटी शेफ एवं स्किल इंडिया

एसएलसी को अपनी तरह के अनूठे कार्यक्रम – 'यूनिवर्सिटी शेफ' का ध्वजवाहक होने पर गर्व है। यह पहल सरकार के 'कौशल भारत' कार्यक्रम के अनुरूप है। यह अनोखा प्रयास छात्रों के बीच रचनात्मकता और सटीक विचार प्रक्रिया के अनुप्रयोग को बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। इंटर–कॉलेज कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल प्रोफेसर रबी नारायण कर ने की, जिन्होंने प्रतिभागियों को सभी आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान किया। यह अपने पाक कौशल को दिखाने और निखारने और सर्वश्रेष्ठ शेफ का खिताब जीतने के लिए पाक चुनौतियों में एक–दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के उत्साही कुकों को आमंत्रित करता है। यह भव्य कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रमों में से एक है और इसने

नीता मेहता जैसे प्रसिद्ध शेफ सहित सभी से प्रशंसा हासिल की है। यह विश्वविद्यालय का एकमात्र आयोजन है जो भारत के युवा शेफों को अपनी पाक कला दिखाने का अवसर देता है।

युवा स्पंदन

श्याम लाल कॉलेज का उद्यमिता सेल, सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट एंड इनोवेशन काउंसिल युवा दिमागों को अपने कौशल और नवीन विचारों को प्रदर्शित करने के लिए हर साल एक राष्ट्रीय कौशल विकास और स्टार्टअप मेलाः 'युवा स्पंदन' आयोजित करता है। फेस्ट में केस कैटलिस्ट, स्टेकहोल्डर्स मीट, बुल्स बनाम बियर्स, थिंक विद द बॉक्स, क्विज बज और अंधादुन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं होती हैं, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज भाग लेते हैं।

पूर्वी दिल्ली पुष्प प्रदर्शनी

एसएलसी हर साल एक और पथ–प्रवर्तक कार्यक्रम आयोजित करता है – ईस्ट देल्ही फ्लावर शो या पूर्वी दिल्ली पुष्प प्रदर्शनी। एसएलसी फ्लावर शो पूर्वी दिल्ली के कॉलेजों, स्कूलों और नर्सरी की मेजबानी करता है जो हर साल फरवरी महीने में फूलों की अनेक किस्मों और प्रजातियों का प्रदर्शन करते हैं। इस साल भी एसएलसी ने 28 फरवरी, 2022 को अपने परिसर में फ्लैगशिप कार्यक्रम 'उमंग–पूर्वी दिल्ली फ्लावर शो 4.0' का आयोजन किया। एसएलसी की उद्यान समिति ने इको–क्लब, स्वच्छता एक्शन प्लान (एसएपी) और आईक्यूएसी के सहयोग से छात्रों को अपनी रचनात्मकता दिखाने और पर्यावरण–अनुकूल गतिविधियों को

बढ़ावा देने के लिए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, इको–फ्रेंडली रंगोली और फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में छात्रों को जैविक कचरे का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

यमुना महोत्सव 3.0

कॉलेज परिसर और यमुना घाट पर वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'यमुना महोत्सव' हमारे शहर की जीवन रेखा, यमुना नदी का सम्मान करने का एक प्रयास है। यह छात्रों और आम जनता के बीच यमुना नदी के संरक्षण और पुनरुद्धार के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। यमुना बाजार (कश्मीरी गेट) के पास यमुना घाट नंबर 21 पर, एनएसएस और इको क्लब ने वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया। इसके बाद नदी की रक्षा का संकल्प लिया गया और पर्यावरण अनुकूल आरती की गयी। फाइन आर्ट्स सोसाइटी, एनएसएस और इको क्लब ने महोत्सव आयोजित करने के लिए आईक्यूएसी के साथ काम किया। इस दौरान यमुना नदी की रक्षा का संकल्प लिया गया। छात्रों ने हस्तनिर्मित लैंप (दीया) और प्लास्टिक आधारित पौधों के बर्तन, पक्षी घर आदि जैसे पर्यावरण–अनुकूल उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्टॉल भी लगाया।

ऐड ऑन एवं मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम

कौशल विकास केंद्र, एसएलसी ने जर्मनिक और रोमनिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 2018 में विदेशी भाषाओं में ऐड–ऑन सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया। एसएलसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से कई पाठ्यक्रम भी चलाता है। कॉलेज को इस पहले प्रयास के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और तब से यह निम्नलिखित प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चला रहा है :

- विदेशी भाषा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमः जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच (जर्मनिक और रोमनिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध)
- बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से स्टॉक ट्रेडिंग में सर्टिफिकेट कोर्स 'मास्टरिंग द स्टॉक मार्केट'।
- विदेशी भाषा में डिप्लोमाः जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच (जर्मनिक और रोमनिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध)
- विदेशी भाषा में एडवांस डिप्लोमाः चीनी/जापानी/कोरियाई (पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध)
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बुनियादी (फंडामेंटल) पाठ्यक्रम – एनआईईएलआईटी (NIELIT)
- ऑफिस ऑटोमेशन में बुनियादी (फंडामेंटल) पाठ्यक्रम – एनआईईएलआईटी
- डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग में बुनियादी (फंडामेंटल) पाठ्यक्रम – एनआईईएलआईटी

भारतीय ज्ञान प्रणाली, स्पोकन इंग्लिश में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम और कंप्यूटर कॉन्सेप्ट (सीसीसी) पर पाठ्यक्रम, कार्यालय प्रशासन में मौलिक पाठ्यक्रम, बिग डेटा और हडूप जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रमों का ब्योराः

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	अवधि	फीस (जीएसटी सहित)	अर्हता
1	विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई) – दिल्ली विश्वविद्यालय	6 महीने (150 घंटे)	15000/– रुपये	10+2
2	विदेशी भाषा में डिप्लोमा (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई) – दिल्ली विश्वविद्यालय	6 महीने (150 घंटे)	16000/– रुपये	संबंधित भाषाओं में सर्टिफिकेट या समतुल्य कोर्स
3	विदेशी भाषा में एडवांस डिप्लोमा (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई) – दिल्ली विश्वविद्यालय	6 महीने (150 घंटे)	1700/– रुपये	संबंधित भाषाओं में डिप्लोमा या समतुल्य कोर्स
4	मास्टरिंग द स्टॉक मार्केट– बीएससी इंस्टिट्यूट लिमिटेड	30 घंटे	7080/– रुपये	10+2
5	फंडामेंटल कोर्स इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग– एनआईईएलआईटी	30 घंटे	3511/– रुपये	10+2 गणित के साथ उत्तीर्ण

6	फंडामेंटल कोर्स इन ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन – एनआईईएलआईटी	30 घंटे	2478/– रुपये	10+2
7	फंडामेंटल कोर्स इन डिजिटल एंड सोशल मीडिया – एनआईईएलआईटी	30 घंटे	3511/– रुपये	10+2

पंजीकरण हेतु विवरण:

- **100/– रुपये (गैर–वापसीयोग्य) का भुगतान निम्नलिखित खाते में करना होगा–**

  A/c Name : SHYAM LAL COLLEGE MISCELLANEOUS

  A/c No. : 1247800135

  IFSC : CBIN0283941

  MICR Code : 110016147

  Bank Name : CENTRAL BANK OF INDIA

- पंजीकरण के समय अपलोड किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेज:

1. 12वीं कक्षा की मार्कशीट की कॉपी।
2. 100/– रुपये के पंजीकरण शुल्क के भुगतान का स्क्रीनशॉट।
3. संबंधित भाषा में उत्तीर्ण सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पाठ्यक्रम की मार्कशीट की प्रति। (केवल जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच/जापानी/कोरियाई/चीनी में डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा में प्रवेश के लिए।)

नोट : पंजीकरण के बाद, प्रवेश के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को आधिकारिक सीएसडी ईमेल : csd@shyamlal.du.ac.in के माध्यम से उनके पंजीकृत ईमेल पते पर आगे प्रवेश विवरण के बारे में सूचित किया जाएगा।

दिशानिर्देश:

1. पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले छात्रों के लिए प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर है।
2. ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म और विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।
3. पंजीकरण के लिए एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु. 100/– देय है (गैर–वापसी योग्य)।
4. छात्र एक ही समय में दो अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में नामांकन कर सकते हैं, साथ ही एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम के अलावा किसी भी एक प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं।
5. जो छात्र एक से अधिक कोर्स करने के इच्छुक हैं, उन्हें चुने गए प्रत्येक कोर्स के लिए एक अलग फॉर्म भरना होगा (पंजीकरण शुल्क का भुगतान केवल एक बार करना होगा)।
6. किसी भी प्रश्न के लिए हमें csd@shyamlal.du.ac.in पर ईमेल करें
7. पाठ्यक्रमों की कक्षाएं श्याम लाल कॉलेज में दोपहर 2 बजे से फिजिकल मोड में आयोजित की जाएंगी।
8. विदेशी भाषाओं में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच/चीनी/जापानी/कोरियाई):

   (ए) न्यूनतम पात्रता 45% कुल अंकों के साथ 10+2 है।

   (बी) दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के कर्मचारी भी पात्र हैं।

   (सी) अवधि – 150 घंटे (प्रत्येक भाषा के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)।

9. जर्मन / स्पेनिश / फ्रेंच / जापानी / चीनी / कोरियाई में डिप्लोमाः

(ए) जिन अभ्यर्थियों ने किसी भाषा में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रमाणपत्र परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे उस भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

(बी) जिन अभ्यर्थियों ने किसी अन्य संस्थान से भाषा में अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है या प्रवेश के वर्ष से एक वर्ष या उससे अधिक पहले प्राप्त किया है, उन्हें प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होना होगा। प्रवेश परीक्षा का शुल्क 500 / – रुपये

(सी) अवधिः 150 घंटे (प्रत्येक भाषा के लिए 2 घंटे की कक्षा सप्ताह में तीन बार आयोजित की जाएगी)

10. जर्मन / स्पेनिश / फ्रेंच / जापानी / चीनी / कोरियाई में एडवांस डिप्लोमाः

(ए) जिन अभ्यर्थियों ने किसी भाषा में दिल्ली विश्वविद्यालय की डिप्लोमा परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे उस भाषा में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

(बी) जिन अभ्यर्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अलावा किसी अन्य संस्थान से या प्रवेश के वर्ष से एक वर्ष या अधिक पहले भाषा में अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है, उन्हें प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होना होगा। प्रवेश परीक्षा का शुल्क 500 / – रुपये

(सी) अवधिः 180 घंटे (प्रत्येक भाषा के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)

11. जर्मन / स्पेनिश / फ्रेंच में सभी पाठ्यक्रम जर्मनिक और रोमनिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

12. जापानी / कोरियाई / चीनी में सभी पाठ्यक्रम पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

13. प्रवेश रद्द होने पर 1000 / – रुपये की राशि की कटौती की जाएगी। 31 अगस्त 2023 के बाद किसी रिफंड की अनुमति नहीं दी जाएगी।

14. न्यूनतम संख्या (भाषा पाठ्यक्रम) : 20

न्यूनतम संख्या (शेयर बाजार पाठ्यक्रम और अल्पकालिक आईटी पाठ्यक्रम) : 30

सभी पाठ्यक्रमों के प्रत्येक बैच में छात्रों की अधिकतम संख्या : 50

15. किसी पाठ्यक्रम की शुरूआत न्यूनतम संख्या में छात्रों के प्रवेश के अधीन है।

16. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) (भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MoE&IT) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसाइटी) के सहयोग से आईटी पाठ्यक्रमः

(ए) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बुनियादी पाठ्यक्रम

(बी) ऑफिस ऑटोमेशन में बुनियादी पाठ्यक्रम

(सी) डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग में मौलिक पाठ्यक्रम पात्रताः 10+2 अवधिः 30 घंटे (प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)।

17. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से मास्टरिंग द स्टॉक मार्केट कोर्स

पात्रता : 10+2

अवधि : 30 घंटे (प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 2 घंटे की कक्षा सप्ताह में तीन बार आयोजित की जाएगी)

18. 30 घंटे की अवधि अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए एक बार जमा किया गया शुल्क गैर–वापसीयोग्य होगा।

नोट : पंजीकरण लिंक सहित सभी अपडेट कॉलेज की वेबसाइट और श्यामलाल कॉलेज कार्यालय में भी उपलब्ध होंगे।

वैल्यू ऐडेड कोर्स

इन सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा, एसएलसी योग और समग्र विकास, रिसर्च एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय और बिटकॉइन का परिचय में मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है, साथ ही कंप्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट और एडवांस कोर्स भी प्रदान करता है। शुरुआती पायथन, स्टार्ट–अप के लिए उद्यमिता विचार विकास, ग्राफिक डिजाइनिंग, टूर एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, मानवाधिकार, लेटेक्स की मूल बातें, आईएफआरएस, साइबर सुरक्षा और कानून, सफलता के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, डायनामिक्स ऑफ बिहेवियोरल फाइनेंस और एडवांस एक्सेल आदि कोर्स विद्यार्थियों के लिए चलाये जाते हैं।

सर्वोत्तम अभ्यास

शिक्षा मंत्रालय के तहत एसएपी (स्वच्छता एक्शन प्लान)

एसएलसी ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2020 में एसएलसी को एसएपी (स्वच्छता एक्शन प्लान) संस्थान के रूप में मान्यता देने के साथ एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के तहत, एसएलसी ने स्वच्छता और स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, हरियाली सहित आवश्यक स्वच्छता गतिविधियों की दिशा में काम करने का बीड़ा उठाया है। उपरोक्त कार्यों को पूरा करने के लिए कॉलेज ने समितियों का गठन किया है जो संस्थान और उसके हितधारकों के अधिकतम लाभ के लिए निर्धारित क्षेत्रों में काम करने के लिए सक्रिय रूप से योजनाएं तैयार कर रही हैं।

गांवों को गोद लेना

एसएलसी उन्नत भारत अभियान (यूबीए) में भाग लेने वाला संस्थान है और इसने उत्तर प्रदेश में 5 गांवों को गोद लिया है: धितोरा (बागपत), निठोरा (गाजियाबाद), चिरोड़ी (गाजियाबाद), जावली (गाजियाबाद), कोटवालपुर (गाजियाबाद)। इस पहल के तहत, यूबीए टीम ने उक्त गांवों का व्यापक सर्वेक्षण किया है और ग्रामीणों और गांवों के अन्य हितधारकों जैसे ग्राम प्रधानों और ग्राम पंचायत समितियों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत की है। गाँवों का दौरा करके सर्वे करके डेटा एकत्रित किया गया। ग्रामीणों और गाँव के संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत से टीम को आगे की सहायता के लिए समस्या क्षेत्रों को चुनने में मदद मिली है।

एसएलसी टीम ने वित्तीय साक्षरता, जिसमें सरकारी वित्तीय प्रोत्साहन योजनाओं, बीमा योजना और स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ उठाना शामिल है, को लेकर जागरूकता की योजना बनाई और उसे क्रियान्वित किया, गांवों में स्वच्छता के मुद्दों के बारे में जागरूकता के लिए कार्यशालाएं आयोजित की, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, पॉलिथीन का उपयोग न करना कपड़े के थैलों का वितरण एवं उचित अपशिष्ट प्रबंधन हेतु व्यावहारिक समाधान को लेकर अभियान चलाया।

कॉलेज ने कोविड–19 महामारी के दौरान संकट में फंसे लोगों की मदद करने और गांवों तक पहुंचने का काम भी उठाया है। एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में और मानवीय आधार पर भी हमारी सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में, कॉलेज कोविड–19 के प्रसार के संभावित कारणों, इसके संभावित प्रभावों और इसके नतीजों को कम करने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने में एक ध्वजवाहक के रूप में उभरा। इस महामारी और राष्ट्रीय लॉकडाउन के दौरान क्या करें और क्या न करें के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानों, गांव के बुजुर्गों और अधिकारियों जैसे गांवों के सदस्यों के साथ एक व्हाट्सएप समूह बनाया गया है। छात्र सदस्यों ने हस्तनिर्मित साबुन बनाया और उन्हें अपने पड़ोस में वितरित किया ताकि लोगों को अच्छी स्वच्छता बनाए रखने और इस गंभीर बीमारी से लड़ने में मदद मिल सके। कॉलेज गरीबों और बेघरों के बीच भोजन वितरण में सक्रिय रूप से शामिल है। कॉलेज के स्वयंसेवकों ने गांवों और कॉलेज के आसपास के क्षेत्रों में मास्क भी वितरित किए। न केवल सैकड़ों मास्क मुफ्त वितरित किए गए, बल्कि कॉलेज ने संकट में फंसे लोगों की मदद करने और कोविड–19 महामारी के दौरान गांवों तक पहुंचने का काम भी उठाया है।

छात्र मेंटरिंग प्रोग्राम

एसएलसी ने सभी छात्रों के लिए कॉलेज के आईक्यूएसी के माध्यम से मेंटरशिप कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस पूर्ण परामर्श कार्यक्रम के तहत, सभी छात्रों को कॉलेज में रहने के दौरान नामित संकाय सदस्यों को सौंपा जाता है।

मूल्यांकन एवं फीडबैक

कॉलेज ने संरचित फीडबैक प्रणाली को भी सफलतापूर्वक लागू किया है जो यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों की चिंताओं को सुना जाए और उनका समाधान किया जाए। अब तक, हमने छात्रों से समग्र फीडबैक लेने के पांच चक्र सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं जिनका विश्लेषण किया गया है और शिक्षा, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान किया गया है। इसके साथ ही, आईक्यूएसी विभिन्न हितधारकों से पाठ्यक्रम पर फीडबैक भी लेता है। बाद में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार की जाती है और विभिन्न विभागों के साथ चर्चा की जाती है।

सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम

एसएलसी अपनी संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशील है और अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक पहलों, जो मोटे तौर पर एनसीसी/एनएसएस/डब्ल्यूडीसी/ईओसी/स्पोर्ट्स के अंतर्गत आते हैं, संस्थान–पड़ोस–समुदाय पहलों और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है। एसएलसी कई पिछड़े, आबादी सघन और अल्पसंख्यक इलाकों से घिरा हुआ है, और इसलिए यह इलाके में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने का एकमात्र सुविधाकर्ता बन गया है। कॉलेज निम्नलिखित सामुदायिक आउटरीच कदमों में भूमिका निभाता है:

- कॉलेज में एनसीसी, एनएसएस, वुमन डेवपलमेंट सेल, सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट, सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंटरेक्शन एंड स्किल डेवलपमेंट, अंबेडकर स्टडी सर्कल, गांधी स्टडी सर्कल आदि सक्रिय हैं, जो सामुदायिक सेवा के लिए समर्पित कार्यक्रम जैसे रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान आयोजित करते हैं, ताकि छात्रों के बीच सामुदायिकता और नागरिकता की भावना को बढ़ावा दिया जा सके।
- एसएलसी ने शाहदरा मंडी को भी गोद लिया है और वहाँ नियमित रूप से स्वच्छता अभियान, कैशलेस ट्रेडिंग प्रोत्साहन और प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाता है।
- महाविद्यालय में दाखिला देने में छात्राओं को प्राथमिकता देने की एसएलसी की नीति का उद्देश्य मुख्य रूप से पड़ोस और समुदाय में लैंगिक पूर्वाग्रह/असमानता को ठीक करना है।
- कॉलेज निम्न–आय समूहों या समाज के वंचित वर्गों के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर और सर्वोत्तम कोचिंग सुविधाएं प्रदान करके दिल्ली के यमुनापार क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देता है।
- कॉलेज ने अतीत में विभिन्न सर्वेक्षण किए हैं, जिसमें "ओल्ड एज हाउसेस इन देल्ही – अंडरस्टैंडिंग द चैलेंजेज फेस्ड बाय देम एंड देयर कॉन्ट्रिब्यूशन इन सोसाइटी" – परियोजना के हिस्से के रूप में किये गए सर्वेक्षण भी शामिल है। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली में कार्यरत वृद्धाश्रमों पर करीब से नजर डालना है ताकि उन समस्याओं और चुनौतियों का आकलन किया जा सके जिनका ये संस्थान सामना कर रहे हैं।

- कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवक मलिन–बस्ती इलाकों में जाते हैं और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। कॉलेज द्वारा आयोजित वृक्षारोपण गतिविधियों का उद्देश्य कॉलेज में और उसके आसपास हवा की गुणवत्ता में सुधार करना, साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

- डब्ल्यूडीसी नियमित रूप से छात्रों और कर्मचारियों में जेंडर संबंधित मुद्दों पर संवेदनशीलता का विकास करने के लिए और जाति, धर्म, रंग या लिंग का भेदभाव किये बगैर मनुष्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का आयोजन करता है।
- इक्वल अपॉरचुनीटी सेल (समान अवसर सेल) की अधिकांश गतिविधियां जैसे कि वंचित समुदायों के छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं और स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं और दिव्यांगों के लिए सुविधाएं भी बड़े पैमाने पर आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को लाभान्वित करती हैं।
- कॉलेज अच्छी नागरिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय पहलों में भाग लेता है जैसे स्वच्छता अभियान, कौशल और उद्यमिता विकास पहल, 'मेक इन इंडिया' अभियान आदि।
- केंद्र सरकार द्वारा इस कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद कॉलेज ने कौशल विकास केंद्र (स्किल डेवलपमेंट सेंटर) की स्थापना की है।
- एसएलसी ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत यूबीए परियोजना के तहत 5 गांवों को गोद लिया है।
- कॉलेज का एनएसएस नियमित रूप से छात्राओं के लिए एक सप्ताह का महिला आत्मरक्षा शिविर 'निर्भीक' का भी आयोजन करता है। कॉलेज की यूबीए टीम और एनएसएस टीम पहले ही यमुना बाजार घाट नंबर 21 में स्वच्छता अभियान चला चुकी है। घाट संख्या–21 की मरम्मत, सौंदर्यीकरण, पुनर्नवीकरण, रंग–रोगन के साथ घाट के विकास और रख–रखाव का कार्य कराया गया है।
- कॉलेज का एनएसएस विंग अपने आदर्श वाक्य 'सभी को प्यार करें और सभी की सेवा करें' पर कायम है। छात्र कई गैर सरकारी संगठनों के साथ एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में जुड़े। वे अमर ज्योति जैसे गैर सरकारी संगठनों का समर्थन करने के लिए वस्त्र दान अभियान भी आयोजित करते हैं। एनएसएस हर साल कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। एसएलसी की छात्रा एनसीसी कैडेटों ने आत्मरक्षा शिविर, योग शिविर, वृक्षारोपण अभियान और यमुना बचाओ अभियान आदि में भाग लिया है और इनके आयोजन में भी भूमिका निभाई है।

- कॉलेज समाज के वंचित वर्गों के छात्रों को फीस में रियायत भी प्रदान करता है, वित्तीय सहायता, पुस्तक सहायता, पुरस्कार और इनाम भी देता है।
- कॉलेज की एनेक्टस टीम ने 'प्रयोज्या' (2018) जैसी सामुदायिक आउटरीच परियोजनाओं पर काम किया है। यह परियोजना हमारे आसपास के प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने की एक कोशिश है, जिसके तहत बेकार प्लास्टिक

बोतलों को उपयोगी और सजावटी प्लास्टिक के सामान में बदला जाता है और साथ ही वंचित समुदायों की महिलाओं को रोजगार प्रदान करके और उन्हें प्लास्टिक से विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान बनाने की कला में प्रशिक्षित किया जाता है।

- एसएलसी के विभिन्न केंद्र, अर्थात, कॉलेज का इनोवेशन सेल, ई–सेल, सीएसडी आदि ने छात्रों के अंतर्निहित कौशल का पता लगाने के लिए कई शोध संस्थानों और विभागों के साथ सहयोग किया और फील्ड यात्राएं, औद्योगिक और शैक्षिक दौरे भी आयोजित किए। महिला विकास केंद्र (डब्ल्यूडीसी) ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और एसएलसी की स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) के सहयोग से 'मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान' आयोजित किया।

परामर्श सेवाएँ

महामारी की स्थिति के कारण शैक्षणिक सत्र की अनिश्चितता के संबंध में छात्रों के प्रश्नों को हल करने के लिए प्राचार्य महोदय नियमित रूप से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनसे मिलते हैं और बातचीत करते हैं। छात्रों की चिंता और अन्य मुद्दों के समाधान के लिए परामर्श सेवाएँ पेशेवर परामर्शदाता (काउंसलर) और डॉक्टर के मोबाइल नंबर के साथ सक्रिय कर दी गई हैं। कॉलेज नियमित रूप से आईसीसी और डब्ल्यूडीसी के माध्यम से छात्रों के लिए परामर्श सत्र भी आयोजित करता है। प्रिंसिपल खुले दरवाजे की नीति का पालन करते हैं और कार्यालय समय के दौरान हमेशा छात्रों के लिए उपलब्ध रहते हैं। कॉलेज में एक बहुत ही सक्रिय परामर्श तंत्र है जिसमें शिक्षक अपने छात्रों का उनकी शैक्षणिक और अन्य चिंताओं को हल करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं और नियमित रूप से उनसे मिलते हैं। कोविड–19 महामारी के दौरान, कॉलेज ने छात्रों के फोन के मोबाइल डेटा रिचार्ज की भी सुविधा दी ताकि वे शिक्षकों के साथ संवाद और कक्षाओं से न चूकें।

उपचारात्मक (रेमेडियल) कक्षाएं

एसएलसी सभी विभागों में छात्रों के लिए प्रत्येक सेमेस्टर में नियमित रूप से उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित करता है, जिससे छात्रों को उनके संबंधित पाठ्यक्रमों और पेपरों से संबंधित शंकाओं और कठिनाइयों को हल करने में काफी लाभ होता है।

संस्थान का इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी)

एसएलसी ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के इनोवेशन सेल के तहत इनोवेशन काउंसिल (IIC) की स्थापना की, जो नवंबर 2018 में शुरू की गई एक पहल थी। इनोवेशन सेल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, का उद्देश्य युवा छात्रों को नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करना, प्रेरित करना और उनका संवर्धन करना है। एसएलसी की इनोवेशन काउंसिल छात्रों में नवाचार की भावना पैदा करने और एक स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में काम करती है। आईआईसी में, छात्र परामर्श सत्र, कार्यशालाओं और नवीन विचार प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। अपनी स्थापना के बाद से एसएलसी की आईआईसी ने *सजगता, स्टीम पावर जनरेटर, इन्फोलेज और अभिकल्पना* आदि जैसे बहुत ही भविष्योन्मुख स्टार्टअप विचारों का उत्पादन और विकास किया है। एसएलसी के चार संकाय सदस्यों ने इनोवेशन सेल, एमओई, भारत सरकार द्वारा आयोजित एम्बेसडर प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसकी स्थापना के बाद से इसे 3 स्टार प्राप्त हुए हैं।

सौर ऊर्जा द्वारा बिजली की आपूर्ति

कॉलेज का सौर ऊर्जा संयंत्र पूरी तरह कार्यरत है और हमारी अधिकतम मांग का 45% प्रदान करने वाली बिजली उत्पन्न करता है। कॉलेज में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र, आईपीजीसीएल, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी के साथ एक सहयोगी पहल है, जिसमें उक्त सरकारी एजेंसी ने कॉलेज में सोलर पैनल लगाने का पूरा खर्च वहन किया है। संयंत्र के पूरी तरह कार्यात्मक होने के बाद से हम बिजली के साथ–साथ वित्तीय संसाधनों की भी बचत कर रहे हैं। ऊर्जा की बचत और संरक्षण के लिए कॉलेज नियमित स्विच ऑफ ड्राइव का भी पालन करता है।

अन्य हरित पहल

पर्यावरण संरक्षण कॉलेज का फोकस रहा है। कॉलेज के छात्र और संकाय सदस्य हरित पर्यावरण को विकसित करने और संरक्षित करने के लिए समन्वय में काम करते हैं।

- कॉलेज एक तम्बाकू–मुक्त, धूम्रपान–मुक्त क्षेत्र है और इसने पटाखों और प्लास्टिक की थैलियों को मुखर तरीके से 'नहीं' कहा है।
- कॉलेज द्वारा आयोजित वृक्षारोपण गतिविधियों का उद्देश्य कॉलेज में और उसके आसपास हवा की गुणवत्ता में सुधार करना है, साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करना है।
- जब पंखे और लाइटें उपयोग में न हों तो उन्हें बंद करने की आदत डालने पर कॉलेज विशेष ध्यान देता है।
- बगीचे के सभी कचरे का उपयोग कम्पोस्ट पिट में खाद बनाने के लिए किया जाता है।
- कॉलेज ऊर्जा बचत पहल को बढ़ावा देता है और सभी हितधारकों को बैटरी चालित वाहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- वायु प्रदूषण को कम करने के लिए परिसर में बगीचे के कचरे को जलाना सख्त वर्जित है।
- उचित निपटान के लिए ई–कचरे को उचित चैनलों के माध्यम से भेजा जाता है।
- सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए, कॉलेज ने परिसर में आरओ मशीन स्थापित किए हैं।
- कॉलेज ने पैदल यात्रियों के लिए अनुकूल पथ विकसित किए हैं। सभी को इसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है
- कॉलेज अपने परिसर में और उसके आसपास वृक्षारोपण में भी शामिल है।
- कॉलेज में नवीकरणीय ऊर्जा भी एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है।
- कॉलेज ने बड़े हरे–भरे स्थानों, बगीचों और पेड़ों के विशाल संग्रह के साथ कार्बन तटस्थता के लिए प्रयास किए हैं।
- कॉलेज ने आधिकारिक नोटिस आदि की छपाई में कागज के उपयोग को कम करने के लिए छात्रों और संकाय के साथ संवाद करने के लिए तीन एलईडी स्क्रीन लगाये हैं।

- कॉलेज तेजी से एलईडी लाइटों के उपयोग की ओर बढ़ रहा है।
- परिसर में उत्पन्न ई–कचरे का प्रबंधन एक समिति के माध्यम से ई–कचरा मानकों के अनुसार किया जाता है। ई–कचरे का निपटान अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं द्वारा किया जाता है।
- उद्यान समिति पौधों और लताओं को सहारा देने के लिए प्राकृतिक उर्वरकों और प्राकृतिक सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का प्रयास करती है।

वर्षा जल संग्रहण

चूंकि संस्था शून्य जल बर्बादी और इस बहुमूल्य वस्तु की प्रत्येक बूंद की शक्ति का दोहन करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए एसएलसी ने वर्षा जल संचयन प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण उपाय किए हैं।

रीसाइकल्ड (पुनर्नवीकृत) कागज

एसएलसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील है और प्रकृति का सम्मान करने की संस्कृति को बढ़ावा देता है। एसएलसी ने *जागृति* एनजीओ के सहयोग से बेकार कागजों का पुनर्चक्रण शुरू किया है और बदले में उसे कागज के कई बंडल प्राप्त हुए हैं।

एल.ई.डी. बल्ब

एलईडी लाइटों के उपयोग से बिजली की खपत में भारी कमी आई है। सौर पैनलों की स्थापना के बाद एलईडी लाइटों की स्थापना से कॉलेज को अपने वित्तीय संसाधनों को बचाने में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, एसएलसीवासियों को ऊर्जा की खपत और बचत के संबंध में जागरूक और सतर्क करने के लिए नियमित आधार पर स्विच–ऑफ ड्रिल की जाती है।

मलजल उपचार संयंत्र

कॉलेज में 75000 लीटर क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट है जो पूरी तरह से चालू है।

आसपास के क्षेत्र में वंचित बच्चों के लिए अवसर

एसएलसी का लक्ष्य समाज के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मौके और सर्वोत्तम कोचिंग सुविधाएं प्रदान करके दिल्ली के ट्रांस–यमुना क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देना और उसमें सुधार करना है। हमारा लक्ष्य युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अत्याधुनिक सुविधाओं से संपन्न एक मंच प्रदान करना है ताकि वे सीखें, प्रशिक्षण ग्रहण करें और खेल के अपने स्तर को बेहतर कर सकें और अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा सकें। इस उद्देश्य से, कॉलेज ने उपरोक्त खेलों में आस–पास के विद्यालयों के योग्य और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निःशुल्क और नियमित कोचिंग प्रदान करने के लिए एक नई पहल की है। इसका मकसद युवाओं, जो कुछ मायनों में हमारे राष्ट्रीय खेलों में करियर की व्यापक संभावनाओं से अनजान हैं, के बीच स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना भी है।

डिजिटल अभ्यास

कॉलेज ने पहले से कार्यालय और छात्रों से संबंधित सभी कामों में डिजिटल अभ्यासों को अपनाया है। कॉलेज का आईक्यूएसी विभिन्न विभागों के साथ मिलकर दुनिया भर की प्रसिद्ध हस्तियों के आभासी व्याख्यानों, वार्ताओं और साक्षात्कारों का आयोजन करता है। कॉलेज भविष्य के संदर्भ और छात्रों के लाभ के लिए शिक्षकों को स्क्रीन कास्ट–ओ–मैटिक वी 2.0 सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपने लेक्चर्स रिकॉर्ड करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

प्रशासन ने छात्रों के आई–कार्ड को सिंगल साइन–ऑन (एसएसओ) कार्ड में परिवर्तित करके डिजिटलीकरण की तरफ कदम बढ़ाया। यह बार–कोड युक्त कार्ड कॉलेज की तकनीकी टीम द्वारा विकसित एक इन–हाउस उत्पाद है। यह वन स्टॉप कार्ड क्रांतिकारी है क्योंकि यह संपूर्ण डेटा को केवल एक क्लिक पर उपलब्ध कराता है और इसमें समय भी कम लगता है, साथ ही इसके खराब होने की न्यूनतम संभावना होती है और यह ऑन–कैंपस सुविधाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करता है, जैसेः

- **लाइब्रेरी में किताबें जारी करना**– छात्र एसएसओ कार्ड की मदद से किताबें जारी करवा सकते हैं और उन्हें किसी अलग लाइब्रेरी कार्ड की जरूरत नहीं होगी।
- **सुरक्षा**– यह परिसर में किसी भी झगड़े और अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए छात्र चुनाव, कॉलेज उत्सव, वार्षिक समारोह आदि जैसे विशेष दिनों पर स्क्रीनिंग को आसान बनाता है।
- **बिलों का भुगतान**– कॉलेज एक पे वॉलेट बनाने के बारे में भी सोच रहा है जो छात्रों के खाते से जुड़ा होगा ताकि उनके कैंपस के अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। प्रशासन वस्तुतः कार्यालय समय के दौरान हर समय गैर–शिक्षण कर्मचारियों के संपर्क में रहता है। कॉलेज के सभी अधिकारी Google वर्कशीट के माध्यम से प्राचार्य से जुड़े हुए हैं, जहां नियमित कार्य संबंधित अधिकारियों को सौंपे जाते हैं और काम की नियमित रूप से निगरानी की जाती है।
- कॉलेज के शिक्षण स्टाफ को स्टाफरूम में रियल टाइम एलईडी डिस्प्ले के साथ हमेशा अपडेट किया जाता है, जिसका उपयोग टाइम–टेबल और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं के प्रदर्शन के लिए किया जाता है।

समावेशी शिक्षा और विकास

समावेशी शिक्षा और विकास का अभ्यास पिछले कई वर्षों से जारी है क्योंकि यह छात्रों के लिए सार्थक लाभ प्रदान करता है। चूंकि कॉलेज का स्थान बहुत रणनीतिक है, इसलिए एनसीआर/उत्तर–पूर्वी दिल्ली के छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रमुख कॉलेज में अध्ययन करने का अधिकतम लाभ मिलता है। कॉलेज छात्रों को मूल्य–आधारित शिक्षा देता है (जैसा कि कॉलेज का दृष्टिकोण है) और उद्योग/बाजार की व्यावसायिकता का भी ख्याल रखता है और छात्रों को बाहरी प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार करता है। उपचारात्मक कक्षाएं, विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कार्यशालाएं, प्लेसमेंट सेल और कौशल विकास सेल, सीआईआई के माध्यम से उद्योग संपर्क छात्रों को पेशेवर दुनिया का पर्याप्त अनुभव और अनुभव प्रदान करते हैं।

शोध एवं नवोन्मेष

भारतीय बिजनेस प्रैक्टिसेज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : ए रोडमैप टू फ्यूचर सस्टेनेबिलिटी

कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने आईसीएसएसआर के सहयोग से 17–18 अप्रैल, 2023 तक 'भारतीय बिजनेस प्रैक्टिसः ए रोडमैप टू फ्यूचर सस्टेनेबिलिटी' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के संकाय सदस्यों, छात्रों, शोधार्थियों के साथ–साथ दुनिया भर के व्यावसायिक विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के लिए बहुत रुचिकर रहा। हाल की वैश्विक और घरेलू पहलों ने भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए सतत विकास और आत्मनिर्भरता को महत्वपूर्ण बना दिया है। हम सभी पर्यावरण और संसाधनों के क्षरण के बिना समसामयिक मांगों को पूरा करने के महत्व को समझते और पहचानते हैं। भारतीय मूल्यों और आधुनिक प्रौद्योगिकी के संलयन पर आधारित नई व्यावसायिक रणनीतियों का प्रयोग करके इसे हासिल किया जा रहा है, क्योंकि यह आर्थिक समृद्धि को धारणीयता के साथ जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। नवीन विचार और रचनात्मक सोच किसी भी व्यावसायिक रणनीति का मूलमंत्र है। इसके अलावा, जी–20 प्रेसीडेंसी के वर्ष में, भारत दुनिया को लाइफ (LiFE) – लाइफ फॉर एनवायरनमेंट (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) अपनाने का संदेश देना चाहता है, जो कि उपभोक्ताओं को और इस तरह बाजारों को पर्यावरण के प्रति सचेत प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए एक व्यवहार–आधारित आंदोलन है जिसके बीज भारत की समृद्ध, प्राचीन धारणीय परम्पराओं में छिपे हैं।

इंडियन नॉलेज सिस्टम : इंटीग्रेशन एंड इंटरनेशनलाइजेशन विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन

कॉलेज के सरस्वती आईकेएस सेंटर और आईक्यूएसी ने 14–15 जुलाई, 2022 को आईसीएसएसआर और एआईसीटीई के सहयोग से इंडियन नॉलेज सिस्टम : इंटीग्रेशन एंड इंटरनेशनलाइजेशन पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। भारतीय ज्ञान प्रणालियों के पास धर्म, आध्यात्मिकता, दर्शन, राजनीति, शासन, नैतिकता की स्पष्ट रूप से परिभाषित और विशिष्ट अवधारणाएं हैं, जिन्हें पुरातात्विक साहित्यिक और पुरालेखीय श्रोतों के इनपुट से डीकोड और समझा जा रहा है। हिंदू दर्शन की छः शाखाएं, अद्वैत, न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग और पूर्व मीमांसा– ज्ञान

(ज्ञान), कर्म (क्रिया) और आत्मसमर्पण (समर्पण) के माध्यम से परम सत्य की अपनी खोज में एकजुट हैं। ये दर्शन भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक एकता के मूलभूत सिद्धांत हैं जो महान भारतीय महाकाव्यों, अनगिनत तीर्थ परंपराओं, किंवदंतियों और मिथकों में अंतर्निहित पवित्र भूगोल के निर्माण में योगदान करते हैं। इस संदर्भ में, इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ने प्राचीन भारत की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत पर बौद्धिक चर्चा और विचार–विमर्श शुरू करने और प्रतिभागियों को वर्तमान शैक्षणिक और संस्थागत प्रणाली में इस विशाल ज्ञान को पेश करने की प्रासंगिकता के बारे में बताने का प्रयास किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान प्रणालियों के माध्यम से भारत के विचार को समझना था और इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना था कि वैश्विक संदर्भ में राष्ट्र की आध्यात्मिक और सामाजिक प्रगति के प्रक्षेप पथ को समझने के लिए यह विचार कैसे केंद्रीय है। सम्मेलन में भारत के विचार का विवरण दिया गया जो धर्म के विमर्श, मंदिर और तीर्थ परंपरा, दार्शनिक और विश्वास प्रणालियों, नैतिकता और मूल्यों, शास्त्रार्थ की परंपरा, शैक्षिक प्रणालियों, पारिस्थितिकी की प्राचीन दृष्टि, सौंदर्यशास्त्र और कला, खगोल विज्ञान और विज्ञान में हुई प्रगति और काफी कुछ और में विन्यस्त है।

डीबीटी स्टार कॉलेज योजना

स्टार कॉलेज योजना देशभर में विज्ञान शिक्षण में सुधार के लिए स्नातक शिक्षा प्रदान करने वाले कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का समर्थन करने के लिए 2008 में डीबीटी द्वारा शुरू की गई थी। एसएलसी रसायन विज्ञान और भौतिकी विभाग के लिए डीबीटी स्टार योजना के तहत है। इन सम्मिलित विभागों ने कई प्रयोग, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित किए हैं, जिनमें छात्रों में नवाचारी चेतना पैदा करने के लिए केमड्रा, मैथमेटिका, हाइपर–केम और ओरिजिन जैसे विभिन्न वैज्ञानिक सॉफ्टवेयरों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल हैं। इसके अलावा मानक समाधान तैयार करने, पी–एच मीटर, कंडक्टोमीटर, यूवी–विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरणों का अंशांकन और रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में आसवन(डिस्टिलेशन) उपकरण की स्थापना, चुंबकीय नैनोकणों की तैयारी और अनुप्रयोग पर लघु अवधि सर्टिफिकेट कोर्स पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण, प्रयोगशाला स्थापना पर आभासी कार्यशाला भी इसमें शामिल है।

अनुसंधान परियोजनाएं

अंतरराष्ट्रीय

1. अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), वियना, ऑस्ट्रिया के साथ फ्यूजन उपकरणों (F43024) में वाष्प परिरक्षण के लिए परमाणु डेटा।

राष्ट्रीय

1. आईसीएसएसआर द्वारा 'एचईआई के लाभ के लिए आश्रमों और गुरुकुलों के महान भारतीय ज्ञान नेटवर्क की खोज और कनेक्टिंगः एनईपी 2020 के आदेश के अनुसार एक कार्य मॉडल'।
2. डीबीटी, डीबीटी के अंतर्गत स्टार कॉलेज योजना।
3. 'ओडिशा में समुद्र–जनित आपदा जोखिम न्यूनीकरण, शासन और प्रबंधन : नीति और नवाचार का एक तुलनात्मक अध्ययन', इम्प्रेस–आईसीएसएसआर।
4. बिस्मथ टेल्यूराइड (Bi2Te3), लेड टेल्यूराइड (PbTe) और MgAgsb आधारित मिश्र धातु की थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों जैसे थर्मो पावर और थर्मल चालकता पर आयन बीम विकिरण के प्रभाव का अध्ययन, नागालैंड सरकार।
5. समसामयिक विमर्शों एवं अभ्यासों में चुनिंदा आईकेएस को तलाशने और जोड़ने के लिए एक कार्रवाई आधारित अध्ययन, शिक्षा मंत्रालय का आईकेएस प्रभाग / एआईसीटीई।

साझेदारी

प्राचार्य प्रोफेसर रबी नारायण कर के गतिशील नेतृत्व में कॉलेज ने श्यामलाल कॉलेज और फिनलैंड के तीन विश्वविद्यालयों– तुर्कू स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स / पोरी यूनिट (तुर्कू विश्वविद्यालय), साउथ ईस्टर्न फिनलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लाइड साइंसेज (एक्सएएमके), तुर्कू यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लाइड साइंसेज (समन्वयक), फिनलैंड के बीच अकादमिक आदान–प्रदान कार्यक्रम की सफलतापूर्वक व्यवस्था की। यह आदान–प्रदान रिस्पॉन्सिबल बिजनेस प्रोफेशनल फॉर फिनलैंड एंड इंडिया ट्रेड प्रोजेक्ट (1 सितंबर 2016 – 31 अगस्त 2018) पर आधारित था। इसका वित्त पोषण सेंटर फॉर इंटरनेशनल मोबिलिटी (CIMO), फिनलैंड द्वारा किया गया। यह गर्व की बात है कि CIMO ने कार्यक्रम की अवधि के दौरान हमारे लगभग 4 छात्रों को एक महीने के लिए फिनलैंड ले जाने के लिए भी प्रायोजित किया है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अलावा, एसएलसी ने शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनआईईपीए) और की अन्य के साथ साझीदारी की है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक प्रत्यायित संस्थान को प्रत्यायन के बाद गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय के रूप में एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) स्थापित करना चाहिए। चूँकि गुणवत्ता वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है, आईक्यूएसी गुणवत्ता वृद्धि और निरंतरता के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में काम करता है। एसएलसी आईक्यूएसी का मुख्य कार्य कॉलेज के समग्र प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करना है। कॉलेज का आईक्यूएसी संस्थान का समग्र विकास के लिए निरंतर एफडीपी, एसडीपी, कार्यशालाएं, राष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठी, नियमित फीडबैक तंत्र, उपचारात्मक कक्षाएं, गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसी कई शैक्षणिक, सह–पाठ्यचर्या और पाठ्येतर पहल करता है। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने 2023 में दूसरे प्रत्यायन चक्र में एसएलसी को A++ रेटिंग प्रदान की।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare
Shyam Lal College
G.T. Road, Dist. Shahdara, a Constituent College of University of Delhi, Delhi as
Accredited
with CGPA of 3.56 on four point scale
at A++ grade
valid up to January 02, 2028

Date : January 03, 2023

Director

केंद्र (सेंटर्स)

कॉलेज ने, शिक्षण–विद्यार्जन निष्कर्ष (टीचिंग–लर्निंग आउटकम) को अधिकतम करने के अपने प्रयास में, आठ महत्वपूर्ण केंद्र (सेंटर्स) स्थापित किए हैं जो छात्रों को एक संपूर्ण शिक्षण अनुभव प्राप्त करने के लिए एक अनूठा मंच और अवसर प्रदान करते हैं। इन केंद्रों द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और की गई पहलों ने स्पष्ट रूप से छात्रों के मस्तिष्क को सोचने के नए तरीकों के लिए खोल दिया है। इन केंद्रों ने आधुनिक जीवनशैली, लिंग, भारत में जाति पहचान, पेशेवर चुनौतियों, सामाजिक विसंगतियों आदि से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया है।

सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंटरेक्शन / उद्योग संपर्क केंद्र (सीआईआई)

सेंटर फॉर इंडस्ट्री इंटरेक्शन (सीआईआई) छात्र–उद्योग–शिक्षा जगत इंटरफेस के लिए एक समग्र मंच प्रदान करता है। इसका उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के साथ संवाद से उभरते अवसरों के प्रति जानकारी रखकर छात्रों की मेंटरिंग करना है ताकि वे अपनी रोजगार पात्रता बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल का विकास कर सकें। इस केंद्र की गतिविधियों के प्रमुख परिणाम अनुप्रयोग उन्मुख हैं, जिसका ध्यान कौशल को निखारने और अपने विद्यार्थियों के लिए रोजगार एवं उद्यमशीलता के लिए अधिकतम मौकों की पहचान करने पर है।

इस शिक्षण में उद्योग जगत के विशेषज्ञों और शिक्षाविदों के साथ संवाद–सह–परामर्श (मेंटरिंग) सत्र, औद्योगिक दौरे, क्विज, निबंध लेखन, एक्सटेम्पोर, समूह चर्चा, मॉक साक्षात्कार आदि शामिल हैं।

यह केंद्र हमारे छात्रों को उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने के लिए लगातार नवाचारी तरीकों की पहचान करने पर काम करता है – विभिन्न पेशेवर निकायों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना, हमारे पूर्व छात्रों द्वारा परामर्श सत्र और विभिन्न संगठनों में इंटर्नशिप आदि इसमें शामिल हैं।

सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट / कौशल विकास केंद्र (सीएसडी)

कौशल विकास केंद्र, एसएलसी की स्थापना 2015–16 में कॉलेज के छात्रों में उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल सेट बढ़ाने और इस तरह छात्रों की रोजगार पात्रता बढ़ाने के लिए की गई थी। सीएसडी का मिशन युवाओं का संवर्धन और प्रशिक्षण इस तरह से करना है कि वे विश्व स्तर पर जागरूक होने क साथ अपनी संस्कृति में गहरे धंसे हों, अच्छे करियर नैतिकता से युक्त हों और सही ज्ञान और कौशल से लैस व्यक्तियों के रूप में विकसित हों, जिससे आत्मनिर्भर भारत की बढती जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्व नागरिक बनने में उनकी मदद की जा सके।

कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों में कौशल विकसित करना और उन्हें उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यपुस्तकों से परे जाकर अपने सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान को विकसित करने के लिए एक मंच देना है और इस तरह छात्रों की रोजगार क्षमता में वृद्धि करना है।

इसके अलावा केंद्र कई रोजगारोन्मुख ऐड–ऑन पाठ्यक्रम भी सफलतापूर्वक चला रहा है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अनुभव देने के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों– राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (NIELIT), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड, कंपनी सचिव संस्थान (ICSI), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI), जर्मनिक और रोमनिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, एक्सएएमके, फिनलैंड, कोका कोला, मदर डेयरी, आदि के साथ साझेदारी की गयी है। केंद्र द्वारा आयोजित निम्नलिखित ऐड–ऑन पाठ्यक्रमों को उनकी स्थापना के बाद से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट / सर्वांगीण विकास केंद्र (सीएचडी)

श्याम लाल कॉलेज ने शिक्षण–विद्यार्जन परिणामों को अधिकतम करने के अपने प्रयास के तहत सीएचडी की स्थापना की है जो छात्रों को सर्वांगीण विद्याग्रहण का अनुभव प्राप्त करने के लिए एक अनूठा मंच और अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आदि जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों और इस केंद्र द्वारा की गई पहलों ने स्पष्ट रूप से छात्रों के मस्तिष्क को सोचने के नए तरीकों के लिए खोल दिया है। सीएचडी ने पेशेवर चुनौतियों और सामाजिक विसंगतियों आदि से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया है। केंद्र छात्रों को नैतिक रूप से मजबूत बनाने के लिए समग्र शिक्षा विकसित करने और प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह उन्हें जिम्मेदार नागरिक भी बनाएगा। केंद्र समग्र व्यवहारिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करके लोगों को मानसिक और भावनात्मक पीड़ा से उबरने में मदद करता है और और वयस्कों और बच्चों को शिक्षा कार्यक्रम के जरिये उनके विकास, आत्म सजगता और आत्मज्ञान का मार्ग प्रशस्त करता है, जिसकी निष्पत्ति स्वस्थ जीवन में होती है। आज के परिदृश्य में, जहां हमें मानवीय मूल्यों (सिद्धांतों, मानकों, विश्वासों और आस्थाओं) का व्यापक पतन देखने को मिल रहा है, युवा विद्वानों को तैयार करना, उन्हें सहानुभूति और नैतिक चेतना से समृद्ध करना केंद्र का कर्तव्य है, ताकि वे 'मानवीय मूल्य' आंदोलन के मशाल वाहक बन सकें।

सरस्वती आईकेएस सेंटर

सरस्वती आईकेएस केंद्र भारतीय संस्कृति और विरासत में गहराई से निहित ज्ञान प्रतिमानों को बढ़ाने के लिए आईकेएस आधारित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता है। आध्यात्मिकता, आयुर्वेद, दर्शन, विज्ञान, गणित, राजनीति, शासन, नैतिकता, अर्थशास्त्र और अन्य क्षेत्रों में आईकेएस सार्वजनिक लाभों के अनुप्रयोग के लिए अध्ययन की समकालीन शाखाओं के लिए बहुत उपयोगी ज्ञान आधार प्रदान करता है। एसएलसी सरस्वती आईकेएस सेंटर, इन

मुख्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके, विभिन्न डोमेन में मूल अनुसंधान में योगदान देना चाहता है ताकि युवा हितधारकों को भारत की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत को समझने और संरक्षित करने और व्यापक लाभ के लिए इसका प्रचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसके साथ, केंद्र एनईपी 2020 के आदेश को पूरा करेगा और आईकेएस के प्रसार में योगदान देगा। इस मिशन के अनुरूप, सरस्वती आईकेएस सेंटर और आईक्यूएसी ने आईसीएसएसआर के सहयोग से 14–15 जुलाई, 2022 को 'भारतीय ज्ञान प्रणाली: एकीकरण और अंतरराष्ट्रीयकरण' नामक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। केंद्र ने 2023 में के लिए एआईसीटीई प्रायोजित इंटर्नशिप प्रोजेक्ट 'एन एक्शन बेस्ड स्टडी टू एक्स्प्लोर एंड कनेक्ट सेलेक्ट आईकेएस इन कंटेम्परारी डिस्कोर्स एंड प्रैक्टिसेस' भी पूरा किया जिसमें कॉलेज ने विद्वानों का नामांकन किया और उन्हें विभिन्न विषय क्षेत्रों में आईकेएस पर शोध संकलित करने के लिए इंटर्नशिप की पेशकश की। सरस्वती आईकेएस केंद्र कई और शैक्षणिक और अनुसंधान पहलों की योजना बना रहा है, जिन्हें आगामी शैक्षणिक सत्रों से शुरू और कार्यान्वित किया जाएगा।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल / प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल

श्याम लाल कॉलेज का प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल कॉर्पोरेट जगत में पेशेवर अवसरों की तलाश कर रहे सभी एसएलसी छात्रों के लिए सर्वोत्तम संभव इंटर्नशिप और प्लेसमेंट अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 में प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल, श्याम लाल कॉलेज ने छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के लिए आवश्यक व्यक्तित्वों में प्रशिक्षित करने और तैयार करने के लिए विभिन्न कार्यशालाएं, सेमिनार और वेबिनार सत्र आयोजित किए और उन्हें कंपनियों द्वारा निर्धारित उच्च मानकों को प्राप्त करने में मदद की। टीपीसी, एसएलसी ने अपना वार्षिक जॉब्स और इंटर्नशिप मेला, COMPITO' 23 आयोजित किया और बड़ी सफलता दर्ज की गई। 25 से अधिक कंपनियों ने एसएलसी छात्रों को 700 से अधिक इंटर्नशिप और नौकरी के अवसर प्रदान किए। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल ने इस सत्र में सफलता हासिल की, विभिन्न क्षेत्रों से पेश किए गए विविध प्रोफाइलों की संख्या और नियोजित छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, सेल ने काफी प्रगति की। ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल को इस तरह के शानदार और सफल वर्ष पर गर्व है और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी यह परंपरा जारी रहेगी।

ई–सेल (उद्यमिता सेल)

छात्रों के बीच उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने और बनाए रखने के उद्देश्य से स्थापित, ई–सेल ने अपनी स्थापना के बाद से शानदार ढंग से विस्तार किया है और कई उभरते उद्यमियों का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया है। यह सेल अगली पीढ़ी के उद्यमियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देंगे। युवा उद्यमियों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने के अलावा, सेल नियमित रूप से कई प्रशिक्षण कार्यक्रम, वार्ता आदि आयोजित करता है। छात्रों के बीच उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस प्लान, हैकेथॉन, केस कैटलिस्ट, स्टेकहोल्डर्स मीट, बुल्स बनाम बियर्स रन, थिंक–टैंक आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

इको क्लब

'गो ग्रीन पहल' के मिशन के साथ, इको क्लब समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्लब प्लास्टिक पर प्रतिबंध, कचरे की उचित डंपिंग, पेड़ लगाने आदि जैसी अच्छी पर्यावरणीय प्रथाओं के बारे में लोगों को शिक्षित और जागरूक कर प्रकृति की विरासत की रक्षा करना चाहता है। केंद्र भावी पीढ़ी के बीच पर्यावरण जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्यामलाल कॉलेज का इको–क्लब पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए विभिन्न पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर समग्र पर्यावरण शिक्षा में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

महिला विकास केंद्र (डब्ल्यूडीसी)

एसएलसी ने 2015 में जेंडर समानता और संतुलन के प्रति छात्रों और संकाय को संवेदनशील बनाने के अपने प्रयासों के तहत वुमन डेवलपमेंट सेंटर / महिला विकास केंद्र (डब्ल्यूडीसी) की स्थापना की। अपनी स्थापना के बाद से डब्ल्यूडीसी ने पेशेवर चुनौतियों और लैंगिक विसंगतियों से संबंधित मुद्दों को उठाया है। अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से, डब्ल्यूडीसी लैंगिक संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता फैलाने में काफी हद तक सक्षम रहा है।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की साझीदारी में डब्ल्यूडीसी नियमित रूप से छात्रों और स्टाफ सदस्यों दोनों के लिए कार्यशालाएं, परामर्श सत्र, फिल्म स्क्रीनिंग और नुक्कड़ नाटक आयोजित करता है। डब्ल्यूडीसी और आईसीसी दोनों के शिक्षक सदस्य नियमित रूप से डब्ल्यूएसडीएस, दिल्ली विश्वविद्यालय और ऐसी अन्य एजेंसियों द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

डब्ल्यूडीसी द्विमासिक आधार पर एक पेशेवर परामर्शदाता के माध्यम से परामर्श सत्र आयोजित करता है ताकि विद्यार्थियों (लड़कियों और लड़कों दोनों) को एक मंच प्रदान किया जा सके जहाँ वे बेझिझक अपनी बात रख सकें और अपने मुद्दों का समाधान कर सकें। अपने मिशन के अनुरूप, डब्ल्यूडीसी और आईक्यूएसी, एसएलसी ने आईसीएसएसआर के सहयोग से 9 और 10 जनवरी, 2020 को "थ्रू ए (न्यू) लुकिंग ग्लासः चैलेंजेस फॉर वुमन इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन। वुमन डेवलपमेंट सेल, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर, यूजीसी और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और वित्त पोषित एक राष्ट्रीय सम्मेलन "जेंडर एंड पॉपुलर कल्चर : रिप्रेजेंटेशंस एंड एमबॉडीमेंट्स" (2016) पर भी आयोजित किया गया। डब्ल्यूडीसी छात्रों और समाज के लाभ के लिए विभिन्न राष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार और जागरूकता अभियान भी आयोजित करता है।

गांधी स्टडी सर्कल

कॉलेज ने महात्मा गांधी और उनकी शिक्षाओं को युवा पीढ़ी के साथ फिर से देखने, समीक्षा करने और बहस करने के लिए गांधी स्टडी सर्कल (जीएससी) की संकल्पना की। यह छात्रों के बीच सादगी और निस्वार्थता जैसे गांधीवादी मूल्यों और आदर्शों को विकसित करने की आकांक्षा रखता है। सर्कल जीवन के एकीकृत दृष्टिकोण पर गांधीवादी शिक्षाओं को पुनर्जीवित करने के सिद्धांत पर काम करता है जो धर्म और सांप्रदायिकता की ताकतों से परे पूरी मानवता को एकजुट करता है।

अम्बेडकर स्टडी सर्कल

एसएलसी ने अम्बेडकर स्टडी सर्कल (एएससी) की स्थापना करके एक और महत्वपूर्ण पहल की। पिछले कुछ वर्षों में, एएससी ने आज के युवाओं की ऊर्जा को नई सोच की ओर मोड़ने के लिए कई पहल की है। अपनी स्थापना के बाद से, एएससी डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा समर्थित मानवतावादी और समतावादी विचारों और मूल्यों को फैलाने में सबसे आगे रहा है।

एनैक्टस

एनैक्टस एसएलसी (प्रातः) एनैक्टस इंडिया का एक चैप्टर है और इसका गठन वर्ष 2016 में किया गया था। तब से टीम एनैक्टस ने कई सामाजिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाओं को पूरा किया है। बिजनेस एडवाइजरी समिति के मूल्यवान मार्गदर्शन का अनुसरण करते हुए एनैक्टस अपने सभी प्रयासों और उद्यम का इस्तेमाल समाज के प्रत्येक सदस्य को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने, उनके चेहरे पर मुस्कान लाने, लोगों का सशक्तीकरण करने और एक अधिक धारणीय दुनिया का निर्माण करनेवाला बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में, एनैक्टस– एसएलसी ने कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है जिससे समाज में अपना योगदान दिया है।

नॉर्थ–ईस्ट प्रकोष्ठ

यह उत्तर पूर्वी छात्रों का एक समूह है जहां उत्तर–पूर्व के छात्र सामूहिक रूप से सांस्कृतिक और सह–पाठ्यचर्या कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं और पहल करते हैं जिसके माध्यम से क्षेत्र से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधताओं को प्रदर्शित किया जाता है और सह–जीवन और समावेशी माहौल के व्यापक कल्याण के लिए प्रचारित किया जाता है।

सेंटर फॉर फ्यूचर स्टडीज

सेंटर फॉर फ्यूचर स्टडीज (सीएफएस) का लक्ष्य एआई और रोबोटिक्स, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में बहु–विषयक अनुसंधान और उद्योग–अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देना है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग और अन्य विभाग छात्रों को भविष्य के लिए प्रशिक्षित और तैयार करने के लिए साथ मिलकर काम करते हैं। केंद्र उद्योग–अकादमिक संबंधों को और मजबूत करने और कंप्यूटर विज्ञान और संबंधित विषयों के क्षेत्र में प्रमुख डोमेन को प्रदर्शित करने वाली एक अनुसंधान संस्कृति को आत्मसात करने का वादा करता है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेल (आरडीसी)

उच्च शिक्षा संस्थानों में रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेल (आरडीसी) की स्थापना से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उम्मीद है कि एनईपी 2020 में आदेशित अनुसंधान संस्कृति को उत्प्रेरित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के भीतर एनईपी–2020 के प्रावधानों के अनुरूप एक शोध पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने और उसे मजबूत करने के लिए एक सुदृढ़ प्रणाली का गठन करना है। ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के अनिवार्य घटक, मसलन, ज्ञान का सृजन और औद्योगिक और सामाजिक लाभ के लिए अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहन का काम मानव संसाधन, बौद्धिक पूंजी, प्रशासन और वित्तीय संसाधन, सूचना प्रबंधन प्रणाली, अनुसंधान प्रोत्साहन और मार्गदर्शन, ईमानदारी और नैतिकता, क्षमता निर्माण और अनुसंधान अनुवीक्षण द्वारा संपन्न होता है।

अकादमिक सभाएं

एसएलसी में नौ विभाग हैं, जिन्हें संकाय द्वारा पढ़ाए जाने वाले शैक्षणिक विषयों के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। ये हैं : रसायन विज्ञान, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, हिंदी, गणित, भौतिकी और राजनीति विज्ञान। इनमें से प्रत्येक विभाग की अपनी–अपनी अकादमिक सभाएं (सोसाइटी) है। ये सभाएं अपने विषय पर विशेष संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशालाएं और वार्ताएं आयोजित करती हैं हैं। साथ ही अंतर–विभागीय सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन भी इनके द्वारा किया जाता है। उदाहरण के लिए, इकोनॉमिक्स सोसाइटी अर्थशास्त्र से संबंधित किसी भी विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित करता है। इसी प्रकार कॉमर्स सोसाइटी मार्केटिंग, आंतरिक व्यापार और वित्त से संबंधित विषयों पर वार्ता और सेमिनार आयोजित करती है। कॉलेज में साहित्यिक गतिविधियाँ इंग्लिश सोसाइटी या हिंदी साहित्य सभा द्वारा कराई जाती हैं।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

एसएलसी का मतलब सिर्फ कक्षा और अकादमिक ज्ञान अर्जन ही नहीं नहीं है, इसका विस्तार कहीं आगे तक है। कॉलेज का मानना है कि सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में भागीदारी एक सर्वांगीण, आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तित्व का निर्माण करती है। छात्रों को उनकी रुचि की अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध करायी जाती है। पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी न केवल छात्रों के जीवन में विविधता और रंग लाती है, बल्कि यह उन्हें अपने–अपने क्षेत्रों में चमकने, पहचान बनाने और साथ ही कॉलेज के भीतर और बाहर पुरस्कार और सम्मान जीतने में सक्षम बनाती है। एसएलसी द्वारा छात्रों को उनकी रुचि की गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए प्रदान की जाने वाली सहायता मोटे तौर पर दो क्षेत्रों से संबद्ध है। सबसे पहले, सभी संकाय सदस्यों को अपनी कक्षाएं लेने के अलावा, छात्रों को कम से कम एक ऐसी गतिविधि में मार्गदर्शन करने की आवश्यकता होती है जिसमें वे सहज हों। दूसरे, कॉलेज नियमित रूप से छात्रों के साथ ही साथ संकाय सदस्यों के ज्ञान के गवाक्ष खोलने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से विद्वानों, विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को आमंत्रित करता है ताकि वे उनके साथ नवीनतम विचारों, रुझानों को साझा कर सकें और उन्हें उन क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए के इनपुट और मार्गदर्शन प्रदान कर सकें। यह कार्य कॉलेज के विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक सभाओं के तत्वावधान में किया जाता है।

छात्र संघ

छात्रों के कल्याण से संबंधित सभी मामलों में एसएलसी के छात्रों की सक्रिय भूमिका है और यह बात छात्र संघ के माध्यम से व्यवहार में लाई जाती है, जो कॉलेज में प्रवेश पाने वाले सभी छात्रों का एक निकाय है। यह संस्था न केवल छात्रों के बीच भागीदारी और लोकतांत्रिक प्रथाओं का स्वस्थ विकास करती है, बल्कि उन्हें अपनी जरूरतों और मांगों को स्पष्ट करने में भी सक्षम बनाती है। प्रत्येक वर्ष छात्रों को चुनाव लड़ने और इस निकाय के लिए निर्वाचित होने का अवसर मिलता है। छात्र संघ, छात्र संघ सलाहकार समिति के समग्र मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत कार्य करता है, और यह वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव का भी आयोजन करता है, जिसमें नृत्य, संगीत और फैशन शो जैसी गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

नेशनल कैडेट कॉर्प्स (एनसीसी)

एसएलसी के छात्रों से संवेदनशील और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक होने की अपेक्षा की जाती है। कॉलेज एनसीसी और एनएसएस के माध्यम से छात्रों को इन मूल्यों को व्यवहार में लाने के लिए भरपूर अवसर प्रदान करता है। एसएलसी (प्रातः) की एनसीसी इकाई श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) की एनसीसी इकाई के बैनर तले संचालित होती है। एनसीसी अपने कैडेटों में अनुशासन, कड़ी मेहनत के मूल्यों का समावेश करता है और उन्हें किसी समुदाय या राष्ट्र के लिए सुरक्षा खतरों जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान साथी नागरिकों की रक्षा करने के लिए प्रशिक्षित करता है। एसएलसी की छात्रा कैडेटों

ने सेल्फ डिफेन्स कैम्प, योग शिविर, वृक्षारोपण अभियान और यमुना बचाओ अभियान अदि में भाग लिया और इनका आयोजन किया। दिल्ली पुलिस ने निर्भीक आंदोलन में कॉलेज की एनसीसी इकाई का समर्थन किया। एनसीसी यूनिट में नामांकित छात्रों को कठोर शारीरिक व्यायाम ड्रिल्स और परेडों के माध्यम से राइफल शूटिंग, गोला–बारूद का उपयोग, बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा, पर्वतारोहण और ट्रेकिंग में भाग लेने का निर्देश दिया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

'नॉट मी बट यू' (मैं नहीं तुम) के आदर्श वाक्य के साथ, एसएलसी की एनएसएस इकाई युवाओं को सक्रिय तरीके से विभिन्न सामुदायिक सेवा गतिविधियों में शामिल कर रही है। समाज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध, एसएलसी की एनएसएस इकाई नियमित रूप से रक्तदान शिविरों और महाविद्यालय में छात्रों के बीच सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए और समाज कल्याण गतिविधियों में भागीदारी करने में उनकी मदद करने के लिए समुदाय–संपर्क (कम्युनिटी आउटरीच) के आयोजन करती है।

अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए, इस शैक्षणिक सत्र में भी, एनएसएस ने 'जल संरक्षण और स्वच्छता पर रैली', 'डेंगू और मलेरिया जागरूकता के लिए रैली' और 'दान अभियान (डोनेशन ड्राइव)' का आयोजन किया। कॉलेज एनएसएस इकाई ने कोविड–19 संकट के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों, वीडियो संदेशों और ई–पोस्टरों के माध्यम से लगातार सामाजिक दूरी, स्वच्छता और मास्क के उपयोग आदि के बारे में जागरूकता का प्रसार किया।

खेलकूद

खेल और फिटनेस गतिविधियाँ एसएलसी का एक अभिन्न अंग हैं। कॉलेज में शारीरिक शिक्षा का पूर्णकालिक विभाग है जो हॉकी, कबड्डी, बेसबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, खो–खो, शतरंज, कैरम, योग, जूडो और एथलेटिक्स जैसे खेलों के लिए बेजोड़ और अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है। न केवल स्वास्थ्य घटक और जीवनशैली में सुधार लाने पर बल्कि टीम एकता और खेल–भावना को विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया जाता है।

एक अभिरुचि के रूप में खेल, छात्रों को स्वस्थ और तनावमुक्त जीवन जीने का एक विकल्प प्रदान करता है, और एक पेशे के रूप में उन छात्रों को एक आकर्षक करियर विकल्प प्रदान करता है जिनके पास इस क्षेत्र में कड़ी मेहनत करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का अनुशासन है।

कॉलेज का खेल विभाग न केवल विश्वविद्यालयी, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने पर गर्व करता है, बल्कि बाहर से विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों को नियुक्त करने के अलावा आंतरिक तौर पर समृद्ध विशेषज्ञता, सक्षम बुनियादी ढांचे और कुशल सहायक स्टाफ की मौजूदगी पर भी इसे नाज है। एसएलसी को इस बात पर भी गर्व है कि कॉलेज के पास विश्वविद्यालय के सबसे बड़े, हरे–भरे और सुव्यवस्थित खेल मैदानों में से एक है। कॉलेज में दाखिला लेने वाले सभी छात्र विभिन्न खेल गतिविधियों, आयोजनों, अभ्यासों आदि के लिए मैदान का उपयोग कर सकते हैं। कॉलेज के छात्रों, विशेष रूप से खेल कोटा के तहत दाखिला लेने वाले छात्रों ने, पिछले कुछ वर्षों में अपने संबंधित खेलों में अनुकरणीय प्रदर्शन किया है। अपने संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री स्वर्गीय श्री लाला श्यामलाल गुप्ता की स्मृति में एसएलसी का अंतर–विश्वविद्यालय आमंत्रण हॉकी टूर्नामेंट विश्वविद्यालय के खेल कैलेंडर का एक अभिन्न अंग बन गया है जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों/संस्थानों से महिला और पुरुष दोनों टीमों को आमंत्रित किया जाता है।

एसएलसी की हॉकी टीम ने 06 मार्च 2022 को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, विकास पुरी में 23वां एयरोलाइन इंटर–कॉलेज (पुरुष) हॉकी टूर्नामेंट जीता। सुश्री सुदीप्ति खन्ना, बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष – 2021–2022 के लिए बैंगलोर, कर्नाटक में आयोजित 16वीं एरोबिक जिम्नास्टिक राष्ट्रीय चौम्पियनशिप में भाग लेने के लिए जम्मू एरोबिक जिम्नास्टिक टीम के लिए चयनित हुईं। कॉलेज में एक ओपन जिम की सुविधा है और संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए नियमित योग शिविर आयोजित करने के लिए एक समर्पित योग प्रशिक्षक भी नियुक्त किया गया है।

कला एवं संस्कृति

कॉलेज की फाइन आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी (ललित कला एवं सांस्कृतिक सभा) असाधारण रूप से सक्रिय है। विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करने के इरादे से, कॉलेज की फाइन आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी नियमित रूप से विभिन्न प्रकार की सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों का आयोजन करती है। इसके बैनर तले, निम्नलिखित सभाएं सक्रिय हैं :

आक्रोश : नुक्कड़ नाटक सोसाइटी

श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) की स्ट्रीट प्ले सोसाइटी विभिन्न विषयों पर गहन शोध के साथ रचनात्मक संगीत, रंगमंचीय प्रयोगशीलता के साथ सामाजिक जागरूकता के लिए काम करती है। आक्रोश ने 'मतदान का महत्व', 'मौलिक कर्तव्य', 'नशा मुक्ति', 'लैंगिक पूर्वाग्रह वाले कानून' और 'असहिष्णुता' जैसे विभिन्न विषयों पर नाटक किए हैं। हमने हमेशा अपने विषयों को आगे बढ़ाया है और विभिन्न मंचों पर अपनी आवाज उठाई है। इस प्रकार आक्रोश अपनी नाट्य प्रस्तुति के लिए आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी रूड़की और जयपुर गया। दिल्ली और एनसीआर में सोसाइटी की प्रस्तुतियां हमेशा होती रहती है, क्योंकि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों और निजी संस्थानों में इसके कई मौके मिलते हैं। आक्रोश ने विभिन्न स्तरों पर कई पुरस्कार भी हासिल किए हैं। हमारा उद्देश्य हमेशा टीम प्रयास के साथ समाज में सही आदर्शों को प्रदर्शित करना रहा है; हम पिछले 7 वर्षों से ऐसा सफलतापूर्वक कर रहे हैं।

आरोध्या : इंडियन डांस सोसाइटी

2016 में अपनी स्थापना के बाद से, आरोध्या – श्यामलाल कॉलेज की इंडियन डांस सोसाइटी भारत की अमूर्त विरासत को जीवित रखने की कोशिश कर रही है और भारतीय नृत्य और संस्कृति के लिए उच्च सम्मान रखती है और साथ ही भारतीय नृत्य की विविधता और रूपों को बढ़ावा देती है और उसका समर्थन करती है।

युवा मस्तिष्कों को प्रशिक्षित करके और विभिन्न मंचों पर शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन करके, आरोध्या ने हमेशा नृत्य के क्षितिज का विस्तार करने का प्रयास किया है। इसकी स्थापना के बाद, हमने डीयू सर्किट की सभी प्रतियोगिताओं के साथ–साथ कई बाहरी प्रतियोगिताओं में लगातार भाग लिया और प्रस्तुतियां दी हैं, और कॉलेज का नाम रोशन किया है। हमारे पास कई प्रशिक्षित कथक, भरतनाट्यम, अर्ध–शास्त्रीय और लोक नर्तक हैं जो परिसर के अंदर और बाहर विभिन्न अवसरों पर, मसलन, कॉलेज के ओरिएंटेशन कार्यक्रम और स्थापना दिवस आदि पर अपनी प्रस्तुतियां देने और हमारे समाज का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम हैं ।

आरोध्या : वेस्टर्न डांस सोसाइटी

आरोध्या – श्यामलाल कॉलेज की वेस्टर्न डांस सोसाइटी एक गतिशील डांस सोसायटी है। हम 2016 से अपनी सोसायटी चला रहे हैं। इसके दरवाजे नौसिखिये से लेकर अनुभवी तक, सभी कौशल स्तरों के डांसरों के लिए खुले हैं। हम डांस की कई शैलियों पर काम करते हैं और इसमें हिप हॉप, वैकिंग, लॉकिंग ब्रेकिंग और हाउस शामिल हैं। पूरे शैक्षणिक वर्ष में हम अन्य क्लबों के साथ प्रतियोगिताओं और साझीदारी जैसे रोमांचक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। कार्यक्रम टीम के सदस्यों को नृत्य उद्योग के पेशेवरों से जुड़ने और करियर के अवसरों का पता लगाने का मौका देते हैं। हमारे क्लब का मतलब एक ऐसी दुनिया में कदम रखना है जहां रचनात्मकता और आत्म अभिव्यक्ति परवान चढ़ती है।

सिनेफोरिया और फाल्कन

सिनेफोरियाः द फिल्म क्लब श्यामलाल कॉलेज की सभाओं में अपना अलग पहचान रखती है। यह एक फिल्म एप्रिसिएशन क्लब है जो एक सोसायटी के रूप में भी काम करता है। फिल्म क्लब समिति द्वारा अब तक आयोजित सभी स्क्रीनिंग बड़ी सफल रही हैं। सिनेफोरिया ने विभिन्न शैक्षणिक सत्रों में विभिन्न फिल्में प्रदर्शित की हैं।

फाल्कनः दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल कॉलेज (प्रातः) की फिल्म मेकिंग सोसाइटी ने 2018 में अपनी यात्रा शुरू की। हम दुनिया को लेंस के माध्यम से सामाजिक संदेश देने वाली छोटी आकर्षक फिल्में बनाकर दिखाने में विश्वास करते हैं, जो सिनेमा कला में झलकनेवाले नवोन्मेषी और रचनात्मक विचारों के जरिये दुनिया में एक बदलाव ला सकते हैं।

फाइन आर्ट्स, फोटोग्राफी एवं कल्चरल सोसाइटी (एफपीसीएस)

श्यामलाल कॉलेज की फाइन आर्ट्स, फोटोग्राफी एवं कल्चरल सोसाइटी (ललित कला, फोटोग्राफी और सांस्कृतिक सोसाइटी) (एफपीसीएस) असाधारण प्रतिभा और कलात्मक मस्तिष्क के जीवंत मिश्रण का प्रतिनिधित्व करती है। ललित कला और फोटोग्राफी में दक्षता के साथ, हमारे छात्रों ने लगातार जिला, राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, और कॉलेज को गर्वान्वित किया है।

परिसर इतर गतिविधियों के अलावा, एफपीसीएस नियमित रूप से निपुण फोटोग्राफरों और कलाकारों के नेतृत्व में प्रदर्शनियों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इस वर्ष, हमने ललित कला अकादमी के सहयोग से पूर्वी दिल्ली कला मेले 'रंगरीत–23' की गर्व से मेजबानी की। इस सालाना आयोजन ने दूर–दूर से कलाकारों को आकर्षित किया, जिससे कलात्मक विकास और अभिव्यक्ति का मनोरम माहौल तैयार हुआ। इसके अलावा, हमारा कॉलेज परिसर बचपन की शांत सुंदरता को दर्शाते हुए मंत्रमुग्ध कर देने वाली दीवार कला का प्रदर्शन करता है। हमारे समाज के प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा तैयार की गईं ये जीवंत रचनाएँ शक्तिशाली भावनाएँ जगाती हैं और उनके कौशल के प्रमाण के रूप में काम करती हैं। हाल ही में, एफपीसीएस के हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों में से एक ने हमारे सम्मानित शिक्षा मंत्री को एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला चित्र उपहार में दिया, जो हमारी सोसाइटी की जबरदस्त प्रतिभा का प्रमाण है। अटूट समर्पण और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ, एफपीसीएस कला के क्षेत्र में अनंत संभावनाओं का जश्न मनाते हुए, प्रतिभा की एक सामंजस्यपूर्ण सिम्फनी बनाता है।

इन्सिग्निया : एसएलसी का म्यूजिक बैंड

श्यामलाल कॉलेज का संगीत बैंड इन्सिग्निया पिछले कुछ वर्षों से उभर रहा है और दिल्ली के अंदर और बाहर विभिन्न कॉलेजों में अपने शानदार प्रदर्शन के साथ मंच पर धूम मचा रहा है। सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य विभिन्न वाद्ययंत्रों का उपयोग करके विभिन्न शैलियों और विधाओं के साथ संगीत के विभिन्न रूपों का प्रसार करना है। इनसिग्निया विभिन्न शैलियों, फ्यूजन को बजा रहा है और विभिन्न संस्थानों में पश्चिमी और साथ ही शास्त्रीय शैलियों में विभिन्न रूपों को नवीकृत करके विभिन्न संस्थानों और दिल्ली के बाहर कई पुरस्कार जीत कर सोसाइटी की सफलता की फेहरिस्त लंबी कर रहा है। एशिया के सबसे बड़े अन्तरमहाविद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव मूड इंडिगो– आईटी बॉम्बे में आयोजित बैंड्स प्रतियोगिता मंतारा में इन्सिग्निया उपविजेता रहा! बैंड ने श्यामलाल कॉलेज में आयोजित फाल्कन फिल्म्स फेस्टिवल में लोकप्रिय बॉलीवुड पार्श्व गायिका, सुश्री कविता सेठ के साथ प्रदर्शन किया। इन्सिग्निया ने डीयू और सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी सहित अन्य विश्वविद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

झरोखा : ड्रामेटिक्स सोसाइटी (नाट्य सभा)

झरोखा – श्यामलाल कॉलेज की ड्रामेटिक्स सोसाइटी 2010 से शानदार ढंग से अपनी कला से अपना जादू बिखेर रही है। झरोखा सोसाइटी जो कि रंगमंचीय नाटकों और थिएटर पर ध्यान केंद्रित करती है, ने अपने प्रत्येक सदस्य की मदद से विगत

वर्षों में उल्लेखनीय नाटकों का निर्माण किया है और इसका ध्येय हर बार खुद को बेहतर करना है। सोसाइटी थिएटर और उसके कला रूपों की विरासत को आगे बढ़ाने में विश्वास करती है, जिसका ध्येय एक ऐसा माहौल बनाना है, जिसमें मंच सिर्फ मनोरंजन का साधन न रहे, बल्कि दर्शकों पर गहरा प्रभाव डालनेवाली प्रस्तुतियां दी जा सकें। यह हमारे कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए अपने अंदर की रचनात्मकता का पता लगाने और अभिनय, लेखन, मंच प्रबंधन, निर्देशन आदि के क्षेत्र में अपने कौशल का विकास करने का एक मंच है। सोसाइटी ने साथ मिलकर अपने सदस्यों को आगे बढ़ने और हर बार मानदंड को ऊपर उठाने में मदद करने के लिए कड़ी मेहनत की है।

कसीदाः द पोएट्री सोसाइटी

श्यामलाल कॉलेज (प्रातः) की पोएट्री सोसाइटी कसीदा के संस्थापकों ने 2015 में ही कविता की कला पर एक 'कसीदा' लिखने का सपना देखा था। और इस तरह से छंद और लय, कहानी कहने, गजल और समुद्र जैसी विशालता वाली कविता कला के अनेक भेदों से जुड़े शब्दों के खेल की यह खूबसूरत यात्रा शुरू हुई। विगत वर्षों में, कसीदा की नींव रखनेवालों ने अनेक सफल आयोजन किए हैं। 'महफिल–ए–कसीदा' नामक एक सालाना कार्यक्रम में लगभग हर साल उर्दू और हिंदी कविता में कुछ स्थापित और उभरते नाम शामिल होते हैं। युवा काव्यात्मक दिमागों की प्रोत्साहित करने के लिए सभी भाषाओं के प्रतियोगियों को मौका देनेवाली कविता प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

शीर्षस्थः डिबेटिंग सोसाइटी

श्यामलाल कॉलेज की डिबेटिंग सोसाइटी के पास प्रत्येक व्यक्ति के विशिष्ट विचारों और दृष्टिकोणों को बढ़ावा देने की विरासत है. शीर्षस्थ एक सुरक्षित, समावेशी और पारस्परिक संवाद वाली जगह प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जहाँ सभी क्षेत्रों में चर्चा और बहस को प्रोत्साहित किया जा सके और इस तरह से हमारे सभी सदस्यों के संज्ञानात्मक और सर्वांगीण विकास को सुगम बनाया जा सके और उन्हें परिष्कृत वक्ता और विचारक के रूप में ढाला जा सके। अपने अस्तित्व के 8 वर्षों में, शीर्षस्थ कई आयामों में काफी विकसित और विस्तारित हुआ है और एक बहुत ही घनिष्ठ परिवार के रूप में सामने आया है, जिसमें हर बैच अपने तरीके से सोसाइटी के विकास में कुछ अलग योगदान दे रहा है। इसके अलावा हमारे पास श्यामलाल यूथ पार्लियामेंट और ओरेटर्स बाउट के बहु–स्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता के आयोजन की विरासत है, जिसमें पारंपरिक और

साथ ही एक्सटेम्पोरेनियस और समूह चर्चा जैसे टर्नकोट कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सोसाइटी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर भी बहसों में सक्रिय रूप से भाग लेती है, किसी भी भाषा के वक्ता का स्वागत किया जाता है क्योंकि यह एक द्विभाषी सोसाइटी है जहां हिंदी और अंग्रेजी दोनों को समान महत्व और मंच प्रदान किया जाता है। हम राजनीतिक विषयों पर तटस्थ रुख रखते हैं क्योंकि हम अच्छे वक्ता विकसित करने में विश्वास करते हैं, राजनेता नहीं।

आगे बढ़ते हुए हमारा उद्देश्य केवल अपने सामान्य मूल्यों का सम्मान करना है, प्रत्येक व्यक्ति की आकांक्षाओं और खुद को अभिव्यक्त करने के अधिकारों को कायम रखना है और अपने सदस्यों को व्यक्तित्व को बढ़ावा देने और उनके विचारों को आवाज प्रदान करने के लिए उनकी वास्तविक क्षमता को खोजने में मदद करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है।

स्वरागमः संगीत सोसाइटी

श्यामलाल कॉलेज की संगीत सोसायटी 'स्वरागम', कॉलेज की ललित कला समिति के तत्वावधान में कार्यरत है, जो कॉलेज के छात्रों के बीच संगीत को बढ़ावा देने के लिए समर्पित रूप से काम कर रही है। सोसाइटी में प्रतिभाशाली छात्र शामिल हैं जिन्हें हमेशा शिक्षकों से मार्गदर्शन मिलता है। गायन और वाद्य संगीत में सोसाइटी लगातार प्रगति कर रही है और सफलता हासिल कर रही है।

यह सोसाइटी छात्रों को उनकी अभिरुचि के क्षेत्रों में अपना कौशल दिखाने और सुधारने के लिए कई प्रकार के विकल्प देती हैं। अपनी सोसाइटी द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के अलावा, समिति अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अनुगूंज और संगीत के दिग्गजों को समर्पित एक वार्षिक नाटकीय, संगीत और नृत्य उत्सव का भी आयोजन करती है। हमने अतीत में दो संग्रहणीय शो आयोजित किये हैं : एक दिग्गज आर. डी. बर्मन और दूसरा साहिर लुधियानवी की स्मृति में। इस वर्ष विभिन्न मंचों पर एसएलसी छात्रों द्वारा कई बेहतरीन प्रदर्शन भी देखने को मिले। जैसे, स्ट्रीट प्ले सोसाइटी 'आक्रोश' ने आईआईटी, बॉम्बे में आयोजित एशिया के सबसे बड़े महोत्सव मूड इंडिगो में प्रदर्शन किया और कॉलेज का नाम रोशन किया।

सांस्कृतिक कैलेंडर 2023-24

सोसाइटी	विषम सेमेस्टर (अगस्त–दिसंबर 2023)	सम सेमेस्टर (जनवरी–जून 2024)
आक्रोशः द स्ट्रीट प्ले सोसाइटी	• *नया प्रोडक्शन* • *अभिनय, लेखन और वाद–विवाद से संबंधित कार्यशालाएँ* • *शारीरिक खेल* • *दिमागी गतिविधियाँ* • *आरंभ* • *आईआईटी रूड़की प्रतियोगिता* • *ऑडिशन 2023* • *उन्मुखीकरण सत्र* • *मूड इंडिगो* • *आईआईटी खड़गपुर प्रतियोगिता*	• *अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिताएं (दिल्ली कॉलेजिएट थिएटर सर्किट)* • *मलंग 2.0 (नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता)*
आरोध्याः द इंडियन डांस सोसाइटी	• *अभ्यास सत्र (नृत्यशाला)* • *ऑडिशन* • *ओरिएंटेशन*	• *अभ्यास सत्र (नृत्यशाला)* • *कार्यशाला* • *नवरस नृत्य प्रतियोगिता*
आरोध्याः द वेस्टर्न डांस सोसाइटी	• *ऑडिशन* • *ओरिएंटेशन* • *अभ्यास सत्र* • *रिदम फैक्टर 2.0*	*इंटर–कॉलेज उत्सव* • *अभ्यास सत्र* • *यमुना उत्सव 3.0* • *कोलंबो इवेंट*
सिनेफोरियाः फिल्म क्लब	*ऑडिशन एवं रजिस्ट्रेशन*	• *फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन/संकलन/प्रदर्शन और छात्रों को फिल्मों पर बातचीत/चर्चा में शामिल करना*
फाइन आर्ट्स, फोटोग्राफी एंड कल्चरल सोसाइटी	• *ऑडिशन* • *ओरिएंटेशन* • *कार्यशाला (आर्ट एवं फोटोग्राफी)*	• *पुनः ऑडिशन (दिसंबर, 2023)* • *ओरिएंटेशन* • *रंगरीत'24 (पूर्वी दिल्ली कला मेला)*
इन्सिग्निया : संगीत बैंड	• *ऑडिशन* • *ओरिएंटेशन* • *वाद्य सत्र* • *अंतर महाविद्यालय संगीत प्रतियोगिता* • *संगीत कार्यशालाएँ और मास्टर कक्षाएं* • *प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के साथ सत्र* • *कार्यशालाएं*	• *मूड इंडिगो और आईआईटी संगीत उत्सव की तैयारी* • *ऑडिशन का दूसरा दौर (दूसरा सप्ताह, दिसंबर, 2023)* • *डीयू फेस्ट की तैयारी* • *संगीत कार्यक्रम और गायन* • *व्हिपलैश'24* • *(बैंड की लड़ाई और बीटबॉक्स लड़ाई)*
झरोखाः द ड्रामेटिक्स सोसाइटी	• *कल्पनाशीलता, चर्चा, मंच पर उपस्थिति सहित थिएटर गतिविधियों पर आधारित सत्र।* • *जब वी एक्ट 3.0 (इंटर कॉलेज प्रतियोगिता) एक अनूठी थीम जैसे नवरस के साथ* • *लघु नाटिका की तैयारी* • *स्क्रिप्ट पढ़ने, एकालाप और मोनो–एक्ट के लिए सत्र*	• *एक मुक्त आकाशीय कार्यक्रम के साथ थिएटर दिवस समारोह और हमारे कार्यक्रम फिल्मिस्तान– एक बॉलीवुड दिवस का आयोजन* • *वरिष्ठ नागरिकों के साथ 2–दिवसीय अभिनय और संगीत कार्यशालाएँ* • *तीन दिवसीय कार्यक्रम–यमुना*

	• *यूट्यूब इंटरैक्शन, यूट्यूब चैनल पर मोनोलॉग और स्किट की नियमित पोस्टिंग* • *3 दिवसीय कार्यशाला (एनएसडी निदेशक के साथ)* • *मंडी हाउस का सतत दौरा और मंच व्यवस्था के बारे में अधिक जानना* • *सोशल मीडिया इंटरैक्शन के लिए ऑनलाइन क्विज* • *थिएटर समूहों के वरिष्ठ या प्रसिद्ध निर्देशकों वाले निर्देशक के साथ वार्षिक प्रोडक्शन* • *ऑडिशन से पहले कॉलेज में वार्षिक प्रोडक्शन का प्रदर्शन* • *पंजीकरण प्रक्रिया और ऑडिशन के बाद ओरिएंटेशन– रूबरू'23* • *वरिष्ठ नाट्यकर्मियों के साथ मेकअप और वेशभूषा पर कार्यशाला* • *नए प्रवेश लेनेवालों को सोसाइटी और उसके कामकाज से परिचित कराने के लिए सत्र।* • *मूड इंडिगो–मुंबई के लिए प्रदर्शन और योजना* • *मंच डिजाइनिंग के लिए थिएटर कार्यशाला (एनएसडी निदेशक/वरिष्ठ)*	• *पहला दिनः इंटर कॉलेज स्किट प्रतियोगिता* • *दिन 2: कॉलेज में दूसरे प्रोडक्शन का प्रदर्शन* • *वार्षिक मंचीय नाटक प्रतियोगिता का संचालन* • *DUET और विभिन्न अन्य विश्वविद्यालयों की विभिन्न इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं में भागीदारी* • *पूर्व छात्र सदस्यों के साथ थिएटर कार्यशालाएँ* • *अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भागीदारी और विभिन्न मोनोएक्ट प्रतियोगिताओं में टीम के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत भागीदारी*
उत्तर पूर्वी सेल	• *पंजीकरण और सम्मलेन* • *अन्य समाजों/मंचों के साथ मिलकर अर्ध–शैक्षणिक/सहयोगात्मक कार्यक्रम*	• *वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रदर्शनात्मक) और उत्तर–पूर्व की विविधता की एक प्रदर्शनी* • *ऑडिशन*
कसीदा : द पोएट्री सोसाइटी	• *ओरिएंटेशन* • *कलमकारी – एक अन्तर्महाविद्यालय द्विभाषी ओपन माइक प्रतियोगिता* • *इंग्लिश/हिंदी/उर्दू में कविता के विभिन्न रूप और प्रकारों पर चर्चा के लिए कार्यशाला*	• *महफिल–ए–कसीदा, कसीदा– द पोएट्री सोसाइटी का वार्षिक उत्सव जिसमें विभिन्न कवि और एक ओपन माइक प्रतियोगिता शामिल होती है।* • *एक अंग्रेजी विशेष अंतर–कॉलेज ओपन माइक प्रतियोगिता।*
शीर्षस्थ : द डिबेटिंग सोसाइटी	• *ऑडिशन* • *ओरिएंटेशन* • *यूथ कॉन्क्लेव* • *टर्नकोट वाद–विवाद प्रतियोगिता* • *विभिन्न युवा डिबेटिंग सोसायटी के सहयोग से कार्यशाला*	• *बहुस्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता* • *वार्षिक आयोजन युवा संसद*
स्वरागम : द म्यूजिक सोसायटी	• *अभ्यास सत्र* • *ऑडिशन* • *ओरिएंटेशन*	• *कार्यशाला* • *अभ्यास सत्र* • *सतरंग : संगीत प्रतियोगिता*

पुरस्कार एवं इनाम

रोल ऑफ ऑनर

कॉलेज ने सर्वांगीण क्षमताओं की सिद्ध योग्यता रखने वाले प्रत्येक स्ट्रीम के असाधारण मेधावी छात्रों के लिए रोल ऑफ ऑनर पुरस्कार की स्थापना की है।

विश्व बंधुत्व छात्रवृत्ति

वर्ल्ड ब्रदरहुड संगठन हर साल योग्य छात्रों को शैक्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

डॉ. राम कुमार मेमोरियल अवार्ड

इस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य स्वर्गीय डॉ. राम कुमार अग्रवाल की पत्नी श्रीमती उर्मिला अग्रवाल ने अपने पति की स्मृति में यह पुरस्कार स्थापित किया है। इसके तहत 500/– रुपये का पुरस्कार. बीएससी तृतीय वर्ष के गणित में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को दिए जाते हैं।

डॉ. ओ.पी. सिंह मेरिट पुरस्कार

इतिहास विभाग से सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. ओ. पी. सिंह ने 250/– रुपये के तीन पुरस्कार स्थापित किए हैं, जो प्रतिवर्ष इतिहास (ऑनर्स) का प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के कॉलेज टॉपर्स को दिया जाता है।

कंचन नागपाल मेमोरियल ट्राफी और पुरस्कार

इस कॉलेज की पूर्व छात्रा स्वर्गीय कुमारी कंचन नागपाल के पिता श्री पी.एन. नागपाल ने अपनी बेटी की स्मृति में दो ट्रॉफियां और 250/– रुपये के दो पुरस्कार स्थापित किए हैं, जो बी.ए. पार्ट–I और बी.ए. इंग्लिश (ऑनर्स) पार्ट–I के टॉपर को दिए जाते हैं।

श्री सुंदर लाल रोहतगी एवं श्रीमती रूपवती रोहतगी मेमोरियल पुरस्कार

स्वर्गीय श्री बी.बी. रोहतगी, अध्यक्ष, एस.आर. चौरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) दिल्ली और कोषाध्यक्ष, श्याम लाल कॉलेज गवर्निंग बॉडी, ने अपने माता–पिता की स्मृति में 250ध्– रुपये के पांच पुरस्कार स्थापित किए हैं, जो बी.ए. (प्रोग्राम), बी.कॉम(प्रोग्राम), बी.कॉम. (ऑनर्स) और बी.एससी.के तृतीय वर्ष के टॉपर्स को दिया जाता है।

राठौड़ कर उत्कृष्टता पुरस्कार

एस.बी. राठौड़, कॉमर्स विभाग के सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, ने 500/– रुपये के दो पुरस्कारों की स्थापना की है। पहला 500/– रुपये का नकद पुरस्कार बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के पेपर संख्या–30 (बिजनेस टैक्स प्रक्रिया और प्रबंधन) में अधिकतम अंक लानेवाले और तृतीय वर्ष की परीक्षा में न्यूनतम 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण करनेवाले विद्यार्थी को दिया जाता है। लड़कियों के मामले में कुल 60 प्रतिशत की शर्त से छूट होगी। 500/– रुपये का दूसरा नकद पुरस्कार बी. कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के उस छात्र को दिया जाएगा, जो पेपर नंबर 13 (आयकरः कानून और प्रैक्टिस) में उच्चतम अंक प्राप्त करता है और दूसरे वर्ष की परीक्षा न्यूनतम 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण करता है। लड़कियों के मामले में कुल 60 प्रतिशत की शर्त से छूट होगी।

श्री जगदीश प्रसाद जैन स्मृति पुरस्कार

250/– रुपये का पुरस्कार. बी.कॉम (एच) तृतीय वर्ष के उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र को दिए जाते हैं।

श्री आर.के. शर्मा मेमोरियल अवार्ड

स्वर्गीय श्री आर.के. शर्मा की स्मृति में 500/– रुपये के दो पुरस्कार – एक इतिहास में टॉपर को और एक सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर को – वार्षिक दिवस पर कॉलेज के छात्रों को दिए जाते हैं।

गौरा देवी गोस्वामी स्मृति पुरस्कार

रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. अरकजा गोस्वामी ने अपनी सास की स्मृति में, 5100/– रुपये का पुरस्कार स्थापित किया है। यह पुरस्कार कॉलेज के बीएससी तृतीय वर्ष के टॉपर को दिया जायेगा।

श्री आर.सी. शर्मा विशेष नकद पुरस्कार

आर.सी. शर्मा (सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी) की स्मृति में स्थापित 1000/– रुपये का यह पुरस्कार बी.ए. (प्रोग्राम) के टॉपर को दिया जाता है।

वी.के. पुरी पुरस्कार

डॉ वी.के. पुरी, पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग ने 3000/–, रुपये, 4000/–, 5000/– रुपये के तीन पुरस्कार स्थापित किए हैं, जो क्रमशः बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष के टॉपर्स को दिए जाते हैं।

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए वैधानिक समितियाँ

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

कॉलेज ने विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 072/2013/CB–II/50 दिनांकित 29–01–2014 के संदर्भ में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (2013 का 14) की धारा 4 (1) के अनुरूप आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया है। इस समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं :

1. प्रो कुशा तिवारी, पीठासीन अधिकारी
2. डॉ आशु गुप्ता, सदस्य
3. डॉ शिवाली खरबंदा, सदस्य
4. डॉ मस्त राम, सदस्य
5. श्री अतुल कुमार जैन, सदस्य
6. मनोनीत छात्र सदस्य

सभी शिकायतों को अधिनियम, 2013 की धारा 4(1) के प्रावधानों के अनुसार समिति द्वारा निपटाया और हल किया जाएगा। शिकायत, यदि कोई हो, तुरंत समिति के पीठासीन अधिकारी या प्राचार्य को की जानी चाहिए।

यूजीसी छात्र शिकायत निवारण समिति (यौन उत्पीड़न की रोकथाम)

1.	प्रो नीना शिरीष	:	प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग।
2.	प्रो रुचिका रामकृष्णन	:	प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग
3.	डॉ प्रभात शर्मा	:	एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग
4.	श्री अतुल कुमार जैन	:	प्रशासनिक अधिकारी
5.	सुश्री वीणा तिवारी	:	लेखा विभाग

शिकायत निवारण समिति

1.	प्रो रुचिका रामकृष्णन	:	प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग
2.	डॉ सीताराम कुंभार	:	एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विभाग। विज्ञान

एसएपी समितियाँ

1. स्वच्छता एवं आरोग्यता – डॉ सुप्रीति मिश्रा
2. अपशिष्ट प्रबंधन – डॉ आशु गुप्ता
3. जल प्रबंधन – डॉ रीता शर्मा
4. ऊर्जा प्रबंधन – डॉ नीति अग्रवाल

5. हरियाली / ग्रीनरी – प्रो कुशा तिवारी

6. प्रशासनिक अधिकारी – श्री अतुल कुमार जैन

7. अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) – श्री मनोज कुमार

8. कार्यालय परिचारक – श्री आनंद सिंह

केंद्रीय नामांकन समिति 2023–24

1. प्राचार्य, अध्यक्ष
2. सचिव, स्टाफ काउंसिल (संयोजक)
3. सभी टीआईसी
4. प्रवेश संवीक्षा समिति के सभी सदस्य
5. निदेशक, आईक्यूएसी
6. संयोजक, खेल प्रवेश समिति
7. संयोजक, ईसीए
8. संपर्क अधिकारी, एससीध्एसटी
9. संपर्क अधिकारी, ओबीसी
10. संपर्क अधिकारी, ईडब्ल्यूएस
11. सक्षम समिति के संयोजक, नोडल अधिकारी, पीडब्ल्यूबीडी

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए कर्मचारी परिषद (स्टाफ काउंसिल) समितियाँ

शुल्क रियायत समिति

- *वाणिज्य*

1. डॉ. मुक्ता रोहतगी (संयोजक)
2. डॉ. जसवीर
3. श्री योगेश
4. डॉ. त्रिवेणी
5. डॉ. रोम्सा शुक्ला
6. सुश्री रीना यादव
7. डॉ. अनंत कुमार उपाध्याय
8. सुश्री श्रद्धा अग्रवाल
9. डॉ. गुरमीत सिंह
10. सुश्री पूनम
11. डॉ. मनीषा
12. सुश्री प्रिया खन्ना

- *कला*

1. प्रो. नीना शिरीष (संयोजक)
2. डॉ. अमिताभ कुमार
3. डॉ. रोहन मंडल
4. डॉ. सत्यप्रिय पांडेय
5. डॉ. भारत भूषण
6. श्री सनोज कुमार
7. सुश्री मनीला कोहली
8. सुश्री अशानी धर
9. सुश्री प्रियंका गुप्ता
10. डॉ. अनुज कुशवाह
11. डॉ. अनिल ठाकुर
12. डॉ रेखा कौशिक
13. डॉ. श्रीनिवास मिश्रा

- *विज्ञान*

1. डॉ. आशु गुप्ता (संयोजक)
2. डॉ. रीता शर्मा
3. श्री बलराम किन्द्रा
4. डॉ. कोमिला सूरी
5. डॉ. स्वाति यादव
6. डॉ. सौभाग्यलक्ष्मी सिंह
7. डॉ. पद्मा देचेन
8. डॉ. विनोद कुमार
9. डॉ. रजनी अरोड़ा
10. डॉ. राहुल बौद्ध
11. सुश्री युक्ति मोंगा
12. डॉ. कनिका सोलंकी
13. डॉ. अरुण गोयल

गर्ल्स कॉमन रूम (जीसीआर) समिति

1. डॉ. जया कक्कड़ (संयोजक)
2. प्रो. कुशा तिवारी
3. प्रो. नीना शिरीष
4. डॉ. सुजाता तेवतिया
5. डॉ. राकेश कुमार मीना
6. डॉ. सीमा गुगलानी
7. डॉ. प्रेम लता मीना मुफ्त
8. सुश्री बिसला देवी
9. डॉ. स्वाति यादव
10. डॉ. ऋचा त्यागी
11. डॉ. कविता यादव
12. सुश्री गुंजन खंडेलवाल
13. डॉ. लीना सिंह

कैंटीन समिति

1. डॉ. राकेश कुमार मीना (संयोजक)
2. डॉ. मुक्ता रोहतगी
3. डॉ. मस्तराम
4. डॉ. सत्य प्रिया पांडे
5. डॉ. संजय कुमार
6. सुश्री सुमिता शर्मा
7. श्री संजीव कुमार
8. डॉ. जितेंद्र कुमार
9. डॉ. दीक्षा

10. श्री संदीप कुमार
11. डॉ. मेघा जैन
12. डॉ. सुधीर कुमार यादव
13. डॉ. हनुमत लाल मीना

उद्यान समिति

1. प्रो. प्रवीण कुमार (संयोजक)
2. डॉ. अरकजा गोस्वामी
3. डॉ कोमिला सूरी
4. सुश्री सुमिता शर्मा
5. डॉ. किंशुक मजूमदार
6. डॉ. सीमा गुगलानी
7. डॉ. नीलम डबास
8. श्री संदीप कुमार
9. डॉ. सुधीर कुमार यादव
10. डॉ. दीपक कुमार
11. सुश्री कविता मीना
12. डॉ. अमनप्रीत कौर
13. डॉ. रमेश कुमार बर्णवाल

सम्मेलन भत्ता एवं छात्र निधि आवंटन समिति

1. डॉ. प्रियंका ठाकुर (संयोजक)
2. डॉ. सुबोध कुमार
3. डॉ प्रभात शर्मा
4. सुश्री एनी थॉमस रोजर
5. प्रोफेसर कविता अरोड़ा
6. डॉ. नीति अग्रवाल
7. डॉ. राजेश्वरी
8. डॉ. अनिता सिकंदर
9. डॉ. नेहा बोथरा
10. डॉ. राघवेंद्र एम
11. सुश्री स्वाति
12. डॉ. अनुज कुमार शर्मा
13. डॉ. अनुज कुशवाह

परीक्षा समिति

1. डॉ. नीति अग्रवाल (संयोजक)
2. प्रोफेसर रुचिका रामकृष्णन
3. डॉ समरेंद्र कुमार
4. डॉ. विनोद कुमार
5. डॉ. अरकजा गोस्वामी
6. डॉ. जसवीर
7. डॉ. मस्त राम
8. डॉ. रोहन मंडल
9. डॉ. सुप्रीति मिश्रा
10. डॉ. निशांत कुमार
11. डॉ. वी.के बाजपेयी
12. डॉ. जीतेन्द्र कुमार मीना
13. डॉ. हनुमत लाल मीना

खेल समिति

1. श्री वीरेंद्र सिंह जग्गी (संयोजक)
2. प्रो. प्रवीण कुमार
3. प्रो. विजय कुमार शर्मा
4. डॉ. जया कक्कड़
5. श्री सनोज कुमार
6. डॉ. रवीन्द्र कुमार
7. डॉ. राज कुमार प्रसाद
8. डॉ. सुप्रीति मिश्रा
9. डॉ. पवन अधेवा
10. डॉ. दीप्ति शर्मा
11. डॉ. जीतेन्द्र कुमार मीना
12. श्री मनीष कुमार
13. सुश्री सुमन रानी

स्थापना एवं विकास समिति

1. डॉ प्रभात शर्मा (संयोजक)
2. डॉ. रवीन्द्र कुमार
3. डॉ. मोनिका गोयल
4. डॉ. वी.के बाजपेयी
5. श्री वीरेन्द्र सिंह जग्गी
6. डॉ. संजय कुमार
7. डॉ. अमनप्रीत कौर
8. सुश्री पूनम
9. सुश्री सुमन रानी
10. सुश्री सोनिया मुदेल
11. डॉ. अनिल ठाकुर
12. डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद
13. डॉ. अवनीश मिश्र

कम्प्यूटर समिति/आई.टी. समिति

1. श्री बलराम किन्द्रा (संयोजक)
2. डॉ. दीप्ति शर्मा
3. श्री पंकज चौधरी
4. डॉ. निशांत कुमार
5. डॉ. प्रणव दास
6. डॉ. राधिका गुप्ता
7. सुश्री अदिति पुरी
8. डॉ. लीना सिंह
9. श्री राकेश पंत
10. श्री अमित कपूर
11. श्री परवीन कुमार
12. डॉ. विनोद कुमार
13. डॉ अरुण गोयल

वर्कलोड समिति

1. डॉ. रीता शर्मा (संयोजक)
2. प्रोफेसर रुचिका रामकृष्णन
3. डॉ. नीलम डबास
4. श्री संजीव कुमार
5. सुश्री शिवली खरबंदा
6. डॉ. राज कुमार प्रसाद
7. प्रो प्रवीण कुमार
8. डॉ. सुबोध कुमार
9. डॉ. सीताराम कुम्हार
10. श्री वीरेन्द्र सिंह जग्गी

पत्रिका समिति

1. डॉ. सुजाता (संयोजक)
2. डॉ. अब्बासुद्दीन तापदार
3. डॉ. भारत भूषण
4. सुश्री ज्योति अत्री
5. डॉ. नंद किशोर
6. डॉ अनिता सिकंदर
7. सुश्री ज्योति शर्मा
8. सुश्री राधा भोला
9. सुश्री पलक कक्कड़
10. डॉ मेघा जैन
11. श्री परवीन कुमार
12. डॉ. सौभाग्यलक्ष्मी सिंह
13. डॉ. नर्तम वी. मोतीराम

समय सारणी समिति

- ***विज्ञान***

1. डॉ. मोनिका गोयल (संयोजक)
2. डॉ. सुबोध कुमार
3. डॉ. रीता शर्मा
4. डॉ वीरेंद्र
5. डॉ. सुनैना जुत्शी
6. डॉ. ओमपाल सिंह यादव
7. डॉ. कविता यादव
8. सुश्री युक्ति मोंगा
9. श्री रवीन्द्र कुमार
10. सुश्री पूजा देवी
11. डॉ. अनिता
12. डॉ प्रणव दास

- ***कला***

1. डॉ. शिवाली खरबंदा (संयोजक)
2. श्री पंकज चौधरी
3. डॉ. सीताराम कुम्हार
4. डॉ. गायत्री चतुवेर्दी
5. सुश्री बिस्ला देवी
6. डॉ. दीपिका कुमारी
7. सुश्री मनीला कोहली
8. डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद
9. डॉ निरंजन चिचुआन

- ***कॉमर्स***

1. प्रो. रुचिका रामकृष्णन (संयोजक)
2. श्री मनीष कुमार
3. सुश्री रीना यादव
4. डॉ हिमांशी कालरा
5. सुश्री स्वाति
6. डॉ. अनुराग मौर्य
7. डॉ. नेहा बोथरा

ललित कला समिति (प्रदर्शन)

1. डॉ. शिवाली खरबंदा (संयोजक)
2. डॉ. सीमा डबास

3. डॉ. पद्मा देचेन
4. डॉ. कनिका सोलंकी
5. सुश्री श्वेता
6. सुश्री ज्योति शर्मा
7. सुश्री राधा भोला
8. श्री अमित कपूर
9. डॉ. प्रेम लता मीना
10. श्री मुकेश कुमार
11. डॉ. सुरभि सहगल
12. सुश्री पूजा देवी
13. डॉ. अनिता

ललित कला एवं मूर्तिकला समिति (नॉन–परफॉर्मिंग)

1. डॉ. राज कुमार प्रसाद (संयोजक)
2. डॉ. किंशुक मजूमदार
3. सुश्री ज्योति अत्री
4. डॉ. गायत्री चतुवेर्दी
5. सुश्री प्रिया खन्ना
6. सुश्री गुंजन खंडेलवाल
7. सुश्री श्रद्धा अग्रवाल
8. डॉ रजनी अरोड़ा
9. डॉ. दीपिका कुमारी
10. सुश्री राप्ती मिश्रा
11. डॉ रेखा कौशिक
12. डॉ. अवनीश मिश्र
13. डॉ. रमेश कुमार बर्णवाल

वाद–विवाद समिति

1. डॉ. अब्बासुद्दीन तापदार (संयोजक)
2. श्री संजीव कुमार
3. सुश्री पलक कक्कड़
4. डॉ त्रिवेणी
5. सुश्री आशानी धर
6. डॉ. दीक्षा
7. डॉ. श्रीनिवास मिश्रा
8. डॉ. संदीप कुमार जयसवाल
9. डॉ. सनी अग्रवाल
10. डॉ. सुरभि सहगल
11. डॉ. दीपक कुमार
12. सुश्री राप्ती मिश्रा
13. श्री राजू राम मीना

प्रॉक्टोरियल बोर्ड

1. प्रो. कुशा तिवारी (संयोजक)
2. प्रोफेसर कविता अरोड़ा
3. डॉ. सीमा डबास
4. डॉ. अनुज कुमार शर्मा
5. डॉ. राघवेंद्र एम
6. डॉ. ऋचा त्यागी
7. डॉ. नीलम डबास
8. डॉ. ओमपाल सिंह यादव
9. डॉ. राहुल बौद्ध
10. श्री सुशील कुमार
11. डॉ. सुनैना जुत्शी
12. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा
13. श्री राजू राम मीना

शैक्षणिक मामले एवं निगरानी समिति

1. प्रो. विजय कुमार शर्मा (संयोजक)
2. सुश्री एनी थॉमस रोजर
3. डॉ आशु गुप्ता
4. डॉ. अमिताभ
5. डॉ. प्रियंका ठाकुर
6. डॉ. राजेश्वरी
7. डॉ. नंद किशोर
8. डॉ. निधि जैन
9. श्री सुशील कुमार
10. डॉ. मनीषा
11. सुश्री अदिति पुरी
12. डॉ वीरेंद्र

छात्र संघ सलाहकार समिति

1. डॉ. विनोद कुमार (संयोजक)
2. डॉ. पवन अधेवा
3. श्री योगेश
4. श्री राकेश पंत
5. डॉ. अंकित मित्तल

6. डॉ. रोम्सा शुक्ला
7. डॉ. गुरमीत सिंह
8. श्री मुकेश कुमार
9. श्री आकाश कुमार सोनी
10. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा
11. श्री रवीन्द्र कुमार

वेबसाइट समिति

1. सुश्री प्रियंका यादव (संयोजक)
2. डॉ. वरुण भंडारी
3. डॉ. अनुराग मौर्य
4. डॉ. निधि जैन
5. सुश्री प्रियम्बदा गुप्ता
6. श्री आकाश कुमार सोनी
7. सुश्री कविता मीना
8. डॉ. अनंत कुमार उपाध्याय
9. डॉ. निरंजन चिचुआन
10. डॉ. सनी अग्रवाल
11. डॉ. राधिका गुप्ता
12. डॉ. अंकित मित्तल
13. डॉ. जीतेन्द्र कुमार

प्रॉस्पेक्टस समिति

1. डॉ. वरुण भंडारी (संयोजक)
2. सुश्री प्रियंका यादव
3. डॉ. हिमांशी कालरा
4. सुश्री श्वेता
5. सुश्री सोनिया मुडेल
6. डॉ. नरतम वी. मोतीराम

पुस्तकालय समिति (प्रभारी पदेन सदस्य)

1. डॉ. सुबोध कुमार (संयोजक)
2. डॉ. वी.के. बाजपेयी (सदस्य सचिव)
3. डॉ. रीता शर्मा
4. प्रोफेसर रुचिका रामकृष्णन
5. डॉ. नीलम डबास
6. श्री संजीव कुमार
7. सुश्री शिवली खरबंदा
8. डॉ. राज कुमार प्रसाद
9. प्रो प्रवीण कुमार
10. डॉ. सुबोध कुमार
11. डॉ.सीताराम कुम्हार
12. श्री वीरेन्द्र सिंह जग्गी

एनईपी 2020 और अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ)

नई शिक्षा नीति (एनईपी) – 2020 को एक चुने हुए पाठ्यक्रम से एकाधिक प्रवेशों और निकास की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है और यह विद्यार्थियों के समग्र विकास की ओर ले जाता है ताकि उन्हें अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क–2022 (यूजीसीएफ) के कार्यान्वयन के माध्यम से उद्योग के लिए तैयार किया जा सके। इस तरह का दृष्टिकोण छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण अनुभव प्रदान करना चाहता है, जहां वे निरीक्षण, विश्लेषण करते हैं और सीखते हैं। यूजीसीएफ तैयार करते समय एनईपी के निम्नलिखित उद्देश्यों को परिप्रेक्ष्य में रखा गया है:

1. शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में प्रत्येक छात्र के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना।
2. छात्रों को लचीलापन प्रदान करना ताकि शिक्षार्थियों को अपने सीखने के प्रक्षेप पथ और कार्यक्रमों को चुनने की क्षमता मिले, और इस तरह वे अपनी प्रतिभा और रुचि के अनुसार जीवन में अपना रास्ता चुन सकें।
3. अध्ययन के अनुशासनों/क्षेत्रों के बीच के बीच हानिकारक पदानुक्रमों और सीखने के विभिन्न क्षेत्रों के बीच के कोष्ठकों को समाप्त करना।
4. सभी ज्ञान की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए बहुअनुशासनिक और सर्वांगीण शिक्षा।
5. रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और तार्किक निर्णय लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करना।
6. नैतिक, मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देना।
7. सीखने और सिखाने में बहुभाषावाद और भाषा की शक्ति को बढ़ावा देना।
8. संचार, सहयोग, टीम वर्क और लचीलापन जैसे जीवन कौशल प्रदान करना।
9. उत्कृष्ट शिक्षा और विकास के लिए सह–आवश्यकता के रूप में उत्कृष्ट अनुसंधान को बढ़ावा देना।

'नई शिक्षा नीति' के अंतर्गत यूजीसीएफ का ब्योरा

1. ***अकादमिक क्रेडिट :*** यह पाठ्यक्रम कार्य (कोर्स वर्क) को मापने की इकाई है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक अध्यापन के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट प्रति सप्ताह एक घंटे के शिक्षण (लेक्चर या ट्यूटोरियल) या दो घंटे के प्रैक्टिकल कार्य/फील्ड वर्क के बराबर है।

2. ***अध्ययन पाठ्यक्रम (कोर्स ऑफ़ स्टडी) :*** यह एक विशेष अनुशासन में अध्ययन का संकेत देता है। प्रत्येक अनुशासन अध्ययन पाठ्यक्रमों की विभिन्न श्रेणियों की पेशकश करेगा, अर्थात, अनुशासन विशिष्ट कोर पाठ्यक्रम (डीएससी), अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) और जेनेरिक ऐच्छिक (जीई), योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)।

   ए) ***अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी) :*** यह अध्ययन पाठ्यक्रम है, जिसे एक छात्र को अपने अध्ययन कार्यक्रम की अनिवार्य आवश्यकता के रूप में अपनाना चाहिए। डीएससी उस विशेष अनुशासन के मुख्य क्रेडिट पाठ्यक्रम होंगे जिन्हें एनईपी 2020 के अनुसार कई निकास विकल्पों के साथ, छात्र द्वारा किए जा रहे अध्ययन के सेमेस्टरों में उचित रूप से वर्गीकृत और व्यवस्थित किया जाएगा। फ्रेमवर्क में निर्दिष्ट डीएससी की पहचान संबंधित विभाग द्वारा एक प्रोग्राम में पढ़ाए जाने वाले कोर पाठ्यक्रम के रूप में की जाएगी। उदाहरण के लिए, बी.कॉम (ऑनर्स), बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और इसी तरह के दूसरे एकल अनुशासन विशिष्ट ऑनर्स डिग्री अवार्ड करने के लिए डीएससी क्रमशः वाणिज्य, अंग्रेजी और भौतिकी के कोर पाठ्यक्रम होंगे।

एनईपी की जानकारी, 15 जुलाई, 2023 तक, www.ugc.gov.in से प्राप्त की गई है।

हालाँकि, किसी 'बहुअनुशासनिक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र' (एकल अनुशासन की जगह) में ऑनर्स की डिग्री पाने के लिए, जैसे बी.एससी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी, में डीएससी में एक से अधिक विषयों/अनुशासनों के कोर/मुख्य क्रेडिट पाठ्यक्रम शामिल होंगे।

उदाहरण के लिए, बी.एससी. (ऑनर्स) के लिए जीव विज्ञान कार्यक्रम के लिए एक छात्र को तीन विषयों यानी वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना होगा। इसमें डीएससी 1– अनुशासन ए1 (मान लीजिए, वनस्पति विज्ञान) का हो सकता है, डीएससी 2 अनुशासन बी1 (मान लीजिए, प्राणीशास्त्र) का हो सकता है और डीएससी 3 अनुशासन सी1 (मान लीजिए, रसायन विज्ञान) का हो सकता है। हालाँकि, ऐसे ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम का चौथा वर्ष केवल एक विषय के अध्ययन के लिए समर्पित होगा और इसलिए VII और VIII सेमेस्टर में DSC पाठ्यक्रम अनुशासन A/B/C में से एक का होगा, न कि इन तीन विषयों का संयोजन।

पाठ्यक्रमों के प्रकार

पाठ्यक्रमों के प्रकार	विवरण
अनुशासन विशिष्ट अनिवार्य (डीएससी) पाठ्यक्रम	चुने गए पाठ्यक्रम से एक अनिवार्य पेपर।
अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम	चुने गए पाठ्यक्रम से एक वैकल्पिक पेपर।
योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)	साहित्य, पर्यावरण जैसे अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान में वृद्धि. आमतौर पर सभी पाठ्यक्रमों के लिए एक अनिवार्य पेपर की पेशकश सामान रूप से की जाती है
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)	व्यावहारिक प्रशिक्षण, दक्षता और केएसए (ज्ञान, कौशल और क्षमताओं) के एक निश्चित सेट के लिए एक वैकल्पिक पेपर।
जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)	जिस विभाग में प्रवेश मांगा गया है, उसके अलावा किसी अन्य विभाग से एक वैकल्पिक पेपर। उदाहरण के लिए, एक बी.कॉम (ऑनर्स) छात्र अर्थशास्त्र या अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रस्तावित जीई पेपर का विकल्प चुन सकता है।
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी)	व्यक्तित्व विकास, संचार और भारतीय संस्कृति, समाज के बारे में ज्ञान पैदा करने के उद्देश्य से एनईपी 2020 में एक नए प्रकार का पेपर।

(बी) ***अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)*** : यह उस विशेष अनुशासन (अध्ययन का एकल अनुशासन प्रोग्राम) या उन अनुशासनों (अध्ययन के बहु–विषयक प्रोग्राम) के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का एक पूल होगा, जैसा भी मामला हो, जिसे एक छात्र अपने विशेष अनुशासन(नों) में से अध्ययन करने के लिए चुनता है। अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक विषयों (डीएसई) का एक पूल होगा जिसमें से एक छात्र अध्ययन का पाठ्यक्रम चुन सकता है। फ्रेमवर्क में निर्दिष्ट डीएसई की पहचान संबंधित विभाग द्वारा एक कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के रूप में की जाएगी। उदाहरण के लिए, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी करने के लिए, डीएसई का चयन भौतिकी के डीएसई के समूह से होना चाहिए। इसी तरह, बी.एससी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान प्रोग्राम को जारी रखने के लिए, चुने गए डीएसई को वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान के डीएसई के पाठ्यक्रमों का एक पूल होना चाहिए, जो अध्ययन के इस कार्यक्रम के लिए कोर/मुख्य विषय हैं।

हालाँकि, 'अध्ययन के बहु–विषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र' (एकल अनुशासन की जगह) में ऑनर्स की डिग्री पाने के लिए, जैसे बी.एससी. ऑनर्स जीव विज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स), सामाजिक विज्ञान/मानविकी के लिए ऐसे ऑनर्स डिग्री कार्यक्रम के चौथे वर्ष में, सातवें और आठवें सेमेस्टर में छात्र को अनुशासन ए/बी/सी में से किसी एक से डीएसई चुनने की आवश्यकता होगी, न कि इन तीनों अनुशासनों के संयोजन में से।

(सी) ***जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)*** : यह पाठ्यक्रमों का एक पूल होगा जिसका उद्देश्य छात्रों को बहु–विषयक या अंतःविषयक शिक्षा प्रदान करना है। जीई में अध्ययन के विभिन्न विषयों (मूल अनुशासन द्वारा प्रस्तावित जीई को छोड़कर) द्वारा विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में पेश किए गए पाठ्यक्रमों का एक पूल शामिल होगा, जिसमें से छात्र एक को चुन सकता है। फ्रेमवर्क में निर्दिष्ट जीई को संबंधित विभाग द्वारा एक कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले जीई के रूप में पहचाना जाएगा। यदि कोई छात्र अपने अध्ययन के विशिष्ट पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रमों) से परे डीएसई का विकल्प चुनता है, तो ऐसे डीएसई को उस छात्र के लिए जीई माना जाएगा।

(घ) ***योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)*** : ये तीन पाठ्यक्रम सभी विभागों द्वारा विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक पूल होंगे, जिनमें से विद्यार्थी चुन सकते हैं। एक छात्र जो अकादमिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता को माइनर के रूप में बनाना चाहता है, उसे जीई, एसईसी, वीएसी, और इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/कम्यूनिटी (आईएपीसी) के पाठ्यक्रमों का उचित संयोजन चुनना होगा जो अध्ययन योजना में वर्णित विभिन्न मॉड्यूल के रूप में पेश किए जाएंगे।

(i) ***एईसी (AEC)*** पाठ्यक्रम अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान में वृद्धि की और जानेवाली सामग्री पर आधारित पाठ्यक्रम हैं। इनमें भाषा और साहित्य और पर्यावरण विज्ञान और धारणीय विकास आते हैं, जो सभी विषयों के लिए अनिवार्य होंगे।

(ii) ***एसईसी (SEC)*** सभी अनुशासनों में कौशल–आधारित पाठ्यक्रम हैं और इसका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, दक्षता और कौशल प्रदान करना है। एसईसी पाठ्यक्रमों को कौशल–आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों के पूल से चुना जा सकता है। प्रत्येक अनुशासन कौशल–आधारित पाठ्यक्रम प्रदान कर सकता है, जिनमें से कुछ उसके अनुशासन के छात्रों को पेश किए जा सकते हैं जबकि बाकी अन्य सभी विषयों के छात्रों के लिए खुले हो सकते हैं।

(iii) ***वीएसी (VAC)*** पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों द्वारा पेशकश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का सामान्य समूह है और इसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण; नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों का समावेश करना; आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और शारीरिक शिक्षा और टीम वर्क को बढ़ावा देना है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद करेगा।

3. प्रमुख (मेजर) अनुशासन

(क) एक विशिष्ट अनुशासन (कोर कोर्स) में चार साल के स्नातक कार्यक्रम में दाखिल छात्र को आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर एक अनुशासन में मेजर के साथ उचित ऑनर्स की डिग्री प्रदान की जायेगी, बशर्ते कोई छात्र उस अनुशासन में कम से कम 50% क्रेडिट प्राप्त करता है, यानी, कुल 176 क्रेडिट में से उस अनुशासन में कम से कम 88 क्रेडिट। छात्र को आठ सेमेस्टर में 20 डीएससी और कम से कम 2 डीएसई का अध्ययन करना होगा। उदाहरण के लिए, एक छात्र को बी.कॉम. (ऑनर्स) वाणिज्य में मेजर प्राप्त करने के लिए 20 डीएससी और कम से कम दो डीएसई से न्यूनतम 88 क्रेडिट अर्जित करना होगा।

(बी) एक छात्र जो कोर कोर्स के रूप में एक से अधिक विषयों में चार साल का स्नातक कार्यक्रम कर रहा है (उदाहरण के लिए बी.ए. सामाजिक विज्ञान/मानविकी, बी.एससी. जीव विज्ञान, बी.एससी. भौतिक विज्ञान, बी. एससी. गणितीय विज्ञान, बी. कॉम और ऐसे अन्य कार्यक्रम) को आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर एक अनुशासन में मेजर के साथ उचित ऑनर्स की डिग्री से सम्मानित किया जाएगा, बशर्ते छात्र कुल 176 क्रेडिट में से 80 क्रेडिट हासिल करता है। छात्र को पहले छह सेमेस्टर में उस अनुशासन में 6 डीएससी और कम से कम 3 डीएसई और सातवें और आठवें सेमेस्टर में उस अनुशासन में 2 डीएससी, 6 डीएसई का अध्ययन करना होगा और उस अनुशासन में लघु शोध प्रबंध लिखना होगा। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो चार वर्षीय बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी का अनुशीलन कर रहा है, आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर इतिहास में मेजर के लिए पात्र होगा, बशर्ते कोई छात्र इतिहास के 8 डीएससी और कम से कम 9 डीएसई से न्यूनतम 80 क्रेडिट अर्जित करता है और इतिहास से संबंधित विषय पर लघु शोध प्रबंध लिखता है।

4. लघु (माइनर) अनुशासन

ऊपर 3(ए) में उल्लिखित किसी छात्र को आठ सेमेस्टर पूरा होने पर, एक अनुशासन में माइनर से सम्मानित किया जा सकता है, यदि कोई छात्र उस अनुशासन के सात जीई पाठ्यक्रमों से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास कर रहा है, और वह कुल दस जीई पाठ्यक्रमों में से राजनीति विज्ञान के सात जीई पाठ्यक्रमों को चुनता है और लघु शोध प्रबंध लिखता है, तो छात्र को आठ सेमेस्टर के सफल समापन पर, इतिहास में मेजर और राजनीति विज्ञान में माइनर प्रदान किया जाएगा।

उपरोक्त 3(बी) में उल्लिखित किसी छात्र को आठ सेमेस्टर पूरा होने पर एक अनुशासन में माइनर से सम्मानित किया जा सकता है, यदि कोई छात्र उस अनुशासन के छह डीएससी और एक डीएसई से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो इतिहास में मेजर के साथ (इतिहास में कम से कम 80 क्रेडिट हासिल करने के बाद) चार वर्षीय बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान / मानविकी का अनुशीलन कर रहा है, उसे आठ सेमेस्टर के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात हिंदी में माइनर से सम्मानित किया जा सकता है यदि वह हिंदी के छह डीएससी और एक डीएसई (छठे सेमेस्टर तक) से 28 क्रेडिट अर्जित करता है। माइनर की यह परिभाषा जीई से स्वतंत्र है जिसके लिए माइनर के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए 28 क्रेडिट की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, यदि कोई छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित जैसे तीन विषयों के बजाय भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे दो विषयों का विकल्प चुनता है, तो प्रमुख (मेजर) और लघु (माइनर) संबंधित अध्ययन पाठ्यक्रमों में अर्जित क्रेडिट के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। माइनर की अवधारणा तभी प्रासंगिक है जब मेजर अनुशासन हो।

निकास के चरण और क्रेडिट का वितरण

क्रम सं.	अवार्ड का प्रकार	निकास का चरण	अनिवार्य क्रेडिट
1.	अध्ययन के क्षेत्र में स्नातक पाठ्यक्रम	सेमेस्टर II के सफल समापन के बाद	44
2.	अध्ययन के क्षेत्र में स्नातक पाठ्यक्रम	सेमेस्टर IV के सफल समापन के बाद	88
3.	ऑनर्स अनुशासन (एकल कोर अनुशासन के लिए) के स्नातक (अध्ययन क्षेत्र) Bachelors of (Field of Study) Honours Discipline (For Single Core Discipline)	सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद	132
4.	स्नातक (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) Bachelors of (Field of Multidisciplinary Courses of Study)	सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद	132
5.	स्नातक (अध्ययन / अनुशासन का क्षेत्र) (अनुसंधान / शैक्षणिक परियोजनाओं / उद्यमिता के साथ ऑनर्स) अनुशासन (अध्ययन का एकल मुख्य अनुशासन पाठ्यक्रम) के लिए Bachelor of (Field of Study / Discipline) (Honours with Research / Academic Projects / Entrepreneurship) Discipline for (Single Core Discipline Course of Study)	सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद	176
6.	स्नातक (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) ऑनर्स Bachelors of (Field of Multidisciplinary Courses of Study) Honours	सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद	176

Semester	Course	Credits	Total Credits	Semester	Course	Credits	Total Credits
I	***Core (Discipline Specific Core)***			II	***Core (Discipline Specific Core)***		
	• DSC-1	4			• DSC-4	4	
	• DSC-2	4			• DSC-5	4	
	• DSC-3	4	12		• DSC-6	4	12
	Generic Elective (GE)				***Generic Elective (GE)***		
	• GE-1 (Choose one from pool of courses)	4	4		• GE-2 (Choose one from pool of courses)	4	4
	Ability Enhancement Course (AEC)				***Ability Enhancement Course (AEC)***		
	• AEC (Choose one from a pool of AEC Courses)	2	2		• AEC (Choose one from a pool of AEC Courses)	2	2
	Skill Enhancement Course (SEC)	2	2		***Skill Enhancement Course (SEC)***	2	2
	• SEC (Choose one from a pool of courses)				• SEC (Choose one from a pool of courses)		
	Value addition course (VAC)	2	2		***Value addition course (VAC)***	2	2
	• VAC (Choose one from a pool of courses)				• VAC (Choose one from a pool of courses)		
	Total Credits at the end of Semester-I		***22***		***Total Credits at the end of Semester-II***		***22***
Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II							***Total Credits = 44***
III	***Core (Discipline Specific Core)***			IV	***Core (Discipline Specific Core)***		
	• DSC-7	4			• DSC-10	4	
	• DSC-8	4			• DSC-11	4	
	• DSC-9	4	12		• DSC-12	4	12
	Discipline Specific Elective (DSE)				***Discipline Specific Elective (DSE)***		
	• DSE-1 (Choose one from pool of courses)				• DSE-2 (Choose one from pool of courses)		
	OR				***OR***		
	Generic Elective (GE)				***Generic Elective (GE)***		
	• GE-3 (Choose one from pool of courses)	4	4		• GE-4 (Choose one from pool of courses)	4	4
	Ability Enhancement Course (AEC)				***Ability Enhancement Course (AEC)***		
	• AEC (Choose one from a pool of AEC Courses)	2	2		• AEC (Choose one from a pool of AEC Courses)	2	2
	Skill Enhancement Course (SEC)				***Skill Enhancement Course (SEC)***		
	• SEC (Choose one from a pool of courses)				• SEC (Choose one from a pool of courses)		
	OR	2	2		***OR***	2	2
	Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (IAPC)				Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (IAPC)	2	2
	Value addition course (VAC)	2	2		***Value addition course (VAC)***		
	• VAC (Choose one from a pool of courses)				• VAC (Choose one from a pool of courses)		
	Total Credits at the end of Semester-III		***22***		***Total Credits at the end of Semester-IV***		***22***
Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV							***Total Credits = 88***

Semester	Course	Credits	Total Credits	Semester	Course	Credits	Total Credits
V	***Core (Discipline Specific Core)*** • DSC-13 • DSC-14 • DSC-15 ***Discipline Specific Elective (DSE)*** • DSE-3 (Choose one from pool of courses) ***Generic Elective (GE)*** • GE-5 (Choose one from pool of courses) ***Skill Enhancement Course (SEC)*** • SEC (Choose one from a pool of courses) ***OR*** • Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (IAPC)	 4 4 4 4 4 2	 12 4 4 2	VI	***Core (Discipline Specific Core)*** • DSC-16 • DSC-17 • DSC-18 ***Discipline Specific Elective (DSE)*** • DSE-4 (Choose one from pool of courses) ***Generic Elective (GE)*** • GE-6 (Choose one from pool of courses) ***Skill Enhancement Course (SEC)*** • SEC (Choose one from a pool of courses) ***OR*** • Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (IAPC)	 4 4 4 4 4 2	 12 4 4 2
Total Credits at the end of Semester-V			***22***		***Total Credits at the end of Semester-VI***		***22***
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) Honours (3 years) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI							***Total Credits = 132***
VII	***Core (Discipline Specific Core)*** • DSC-19 ***Discipline Specific Elective (DSE) <u>OR</u> Generic Elective (GE)*** • Choose ***<u>three</u>*** DSE course (3x4) ***OR*** • Choose ***<u>two</u>*** DSE- (2x4) and ***<u>one</u>*** GE (4) course ***OR*** • Choose ***<u>one</u>*** DSE (4) and ***<u>two</u>*** GE (2x4) courses Dissertation on ***Major*** (6) ***OR*** Dissertation on ***Minor*** (6) ***OR*** Academic project/ Entrepreneurship (6)	4 3 x 4 6	4 12 6	VIII	***Core (Discipline Specific Core)*** • DSC-19 ***Discipline Specific Elective (DSE) <u>OR</u> Generic Elective (GE)*** • Choose ***<u>three</u>*** DSE course (3x4) ***OR*** • Choose ***<u>two</u>*** DSE- (2x4) and ***<u>one</u>*** GE (4) course ***OR*** • Choose ***<u>one</u>*** DSE (4) and ***<u>two</u>*** GE (2x4) courses Dissertation on ***Major*** (6) ***OR*** Dissertation on ***Minor*** (6) ***OR*** Academic project/ Entrepreneurship (6)	4 3 x 4 6	4 12 6
Total Credits at the end of Semester-VII			***22***		***Total Credits at the end of Semester-VIII***		***22***
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research/Academic Projects/Entrepreneurship) or (Honours with Research in Discipline-1 (Major) with Discipline-2 (Minor) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VII							***Total Credits = 176***

मूल्यांकन मानदंड

थियरी (लिखित) परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन सैद्धांतिक के साथ–साथ ट्यूटोरियल कक्षाओं में शिक्षण–अधिगम का संचयी मूल्यांकन होगा।

विभिन्न क्रेडिट वितरण प्रारूपों के लिए मूल्यांकन निम्नलिखित प्रकार से होगा :

कुल क्रेडिट	एल L	टी T	पी P	सत्रांत थियरी परीक्षा के अंक	आंतरिक मूल्यांकन	थियरी परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन का योग	थियरी परीक्षा की कुल अवधि	ट्यूटोरियल		प्रैक्टिकल अंक				कुल अंक
								CA	IA	CA	एंड टर्म प्रैक्टिकल / लिखित परीक्षा	मौखिकी	कुल	
4	3	1	0	90	30	120	3 घंटे	30	10	0	0	0	0	160
4	3	0	1	90	30	120	3 घंटे	0	0	10	20	10	40	160
4	0	0	4	0	0	0	NA	0	0	40	80*	40	160	160
4	1	0	3	30	10	40	1 घंटा	0	0	30	60	30	120	160
4	2	0	2	60	20	80	2 घंटा	0	0	20	40	20	80	160
2	1	0	1	30	10	40	1 घंटा	0	0	20	10	10	40	80
2	0	0	2	0	0	0	NA	0	0	40	20	20	80	80
2	2	0	0	60	20	80	2	0	0	0	0	0	0	80

** यदि 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए, जिसमें केवल व्यावहारिक घटक है, कोई सत्रांत व्यावहारिक परीक्षा नहीं है, तो यह अंक प्रैक्टिकल के सतत मूल्यांकन में जोड़ा जाएगा और प्रैक्टिकल के लिए सीए का कुल योग 120 होगा।*

सीए : सतत् मूल्यांकन

आईए: आंतरिक मूल्यांकन

- कुल चार क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंक शामिल होंगे :
  - (i) सतत मूल्यांकन (25%)
  - (ii) सत्रांत की व्यावहारिक परीक्षा (50%)
  - (iii) मौखिकी (25%)
- पाठ्यक्रमों के लिए प्रैक्टिकल अंकों में कुल दो क्रेडिट शामिल होंगे :
  - (i) सतत मूल्यांकन (50%)
  - (ii) सत्रांत की व्यावहारिक / लिखित परीक्षा (25%)
  - (iii) मौखिकी (25%)

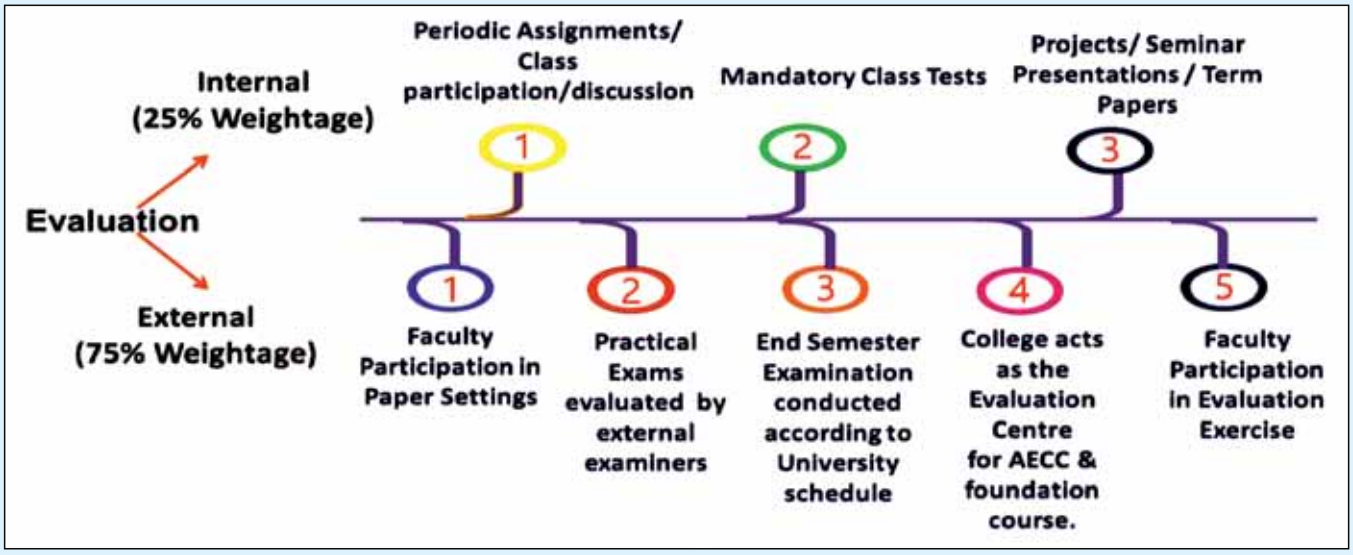

- लेक्चर–थ्योरी–प्रैक्टिकल (एलटीपी) संरचना के विभिन्न संयोजनों में पूर्णांकों के अंतर को अंकों के ग्रेड में रूपांतरण के लिए उचित रूप से तैयार किए गए फॉर्मूले के माध्यम से गणना किये गए "भारित औसत" की मदद से संरेखित किया जाएगा।
- आंतरिक मूल्यांकन में क्लास टेस्टों, असाइनमेंट/प्रस्तुतियों और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए, क्लास टेस्ट में 10 अंक होंगे, ट्यूटोरियल के घटक के रूप में किए गए असाइनमेंट/प्रस्तुति/प्रोजेक्ट/गतिविधि में 10 अंक होंगे और उपस्थिति के 5 अंक होंगे।
- सतत् मूल्यांकन मोड के लिए, न्यूनतम उपस्थिति 66% आवश्यक है।
- यदि कोई छात्र मूल्यांकन के सतत् मोड में विफल रहता है, तो छात्र को पेपर/पाठ्यक्रम को पास करने के लिए पाठ्यक्रम में पुनः प्रवेश लेने की आवश्यकता होगी।
- यूजीसीएफ के तहत, छात्रों का मूल्यांकन ग्रेड की एक प्रणाली के अनुसार किया जाता है, जिसकी गणना संचयी ग्रेड पॉइंट औसत (सीजीपीए) के आधार पर की जाती है। ऐसे सीजीपीए को 0 से 10 के पैमाने पर सभी सेमेस्टर के समेकित स्कोर के रूप में लिया जाता है, जिसका वर्गीकरण नीचे प्रस्तुत किया गया है:

ग्रेडों का वर्गीकरण

Grade			CGPA
असाधारण	–	O	10
उत्कृष्ट	–	A+	9
बहुत अच्छा	–	A	8
अच्छा	–	B+	7
औसत से अधिक	–	B	6
औसत	–	C	5
उत्तीर्ण	–	P	4
अनुत्तीर्ण	–	F	0
अनुपस्थित	–	AB	0

स्नातक पाठ्यक्रम 2023-24 में प्रवेश

पेशकश किये जाने वाले विषय

कला	वाणिज्य	विज्ञान
बीए (ऑनर्स) इंग्लिश	बीकॉम (ऑनर्स)	बीएससी (ऑनर्स) गणित
बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	बीकॉम (प्रोग्राम)	बीएससी (ऑनर्स) रसायन
बीए (ऑनर्स) इतिहास		बीएससी फिजिकल साइंस
बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान		बीएससी फिजिकल साइंस सह इलेक्ट्रॉनिक्स
बीए (ऑनर्स) हिंदी		बीएससी फिजिकल साइंस सह रसायन शास्त्र
बीए (प्रोग्राम)		बीएससी फिजिकल साइंस सह कंप्यूटर साइंस
एमए (हिंदी)		

स्नातक पाठ्यचर्या की रूपरेखा (यूजीसीएफ–2022)

यूजीसीएफ–2022 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) में समाहित उच्च शिक्षा के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, दार्शनिक आधार और समकालीन वास्तविकताओं को रेखांकित करता है और उच्च शिक्षा की स्थिति के लिए आगे की राह तैयार करते हुए इन आधारशिलाओं को सुमेलित करने का प्रयास करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जो कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित उच्च शिक्षा में शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान की एक प्रमुख सीट है, ने शिक्षा के हर क्षेत्र में शिखर तक पहुंचने की खोज को बढ़ावा दिया है। सही मायने में इसने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। इसके अलावा, एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते, यह उच्च शिक्षा के विस्तार के माध्यम से मानव संसाधन विकास के क्षितिज का विस्तार करने में मशाल वाहक के रूप में काम करने के लिए आदेशित है। इस तरह के अथक और निरंतर प्रयास का प्रतिबिंबन दशकों से स्नातक पाठ्यचर्या ढांचे के क्रमिक संशोधन में स्पष्ट रूप से होता है।

विश्व स्तर पर नई सहस्राब्दी में उच्च शिक्षा में उभरते रुझानों के साथ तालमेल रखते हुए और हमारे देश के युवाओं को समृद्ध बनाने के महत्वपूर्ण महत्व के साथ, विश्वविद्यालय हमेशा नवीन और व्यावहारिक रूप से उन्मुख शिक्षण–सीखने के तरीकों के माध्यम से कौशल विकास की प्रचलित प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ता है।

नेक उद्देश्य को साकार करने के लिए, जैसा कि एनईपी – 2020 में संक्षेप में बताया गया है, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे के और पुनर्गठन और नवीनीकरण की संभावना तलाशने का प्रयास किया है। ऐसे सभी प्रयास एनईपी–2020 के उद्देश्य और इसमें अंतर्निहित दर्शन के अनुरूप होंगे, जो हमारे देश के युवाओं की कल्पना को पकड़ने और विश्व स्तर पर हमारे जनसांख्यिकीय लाभ की समकालीन वास्तविकताओं को चित्रित करने के लिए है।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस व्यापक अभ्यास का परिणाम यूजीसीएफ–2022 है जो न केवल एनईपी–2020 की भावना और आत्मा को शाब्दिक और भावनात्मक रूप में रेखांकित करता है, बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय और इसके घटक

दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए आवेदन करनेवाले इच्छुक अभ्यर्थियों को कॉमन मिनिमम एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया एंड प्रोग्राम स्पेसिफिक एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के लिए इस लिंक पर संदर्भित करना चाहिए : https://www.du.ac.in/uploads/new-web/13.02.2023-DU-UG-BOI%202023.pdf

कॉलेजों के सच में आवेशित शैक्षणिक वातावरण को आत्मसात करते हुए स्नातक स्तर पर युवा दिमागों को अनुसंधान, नवाचार, प्रशिक्षुता, सामाजिक आउटरीच, उद्यमिता और मानव ज्ञान और प्रयासों के ऐसे ही क्षेत्रों की ओर आकर्षित करने के लिए शिक्षण–विद्यार्जन का फ्रेमवर्क भी तैयार करता है।

प्रवेश के लिए शर्तें

1. दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी (यूजी) – 2023 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा– स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), नॉन–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) में प्रवेश और विदेशी नागरिकों को छोड़कर।

2. शैक्षणिक सत्र 2023–24 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार को इस सूचना बुलेटिन की सामग्री के साथ–साथ दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित अधिसूचनाओं, अपडेट और सूचनाओं को अवश्य बहुत सावधानी से पढ़ना चाहिए।

3. उम्मीदवार एक एकल मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं की परीक्षा या समकक्ष उत्तीर्ण होना चाहिए।

4. उम्मीदवार का भारत के किसी बोर्ड/विश्वविद्यालय की बारहवीं कक्षा की परीक्षा में या उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। या उसे भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ (एआईयू) से 10+2 प्रणाली के समकक्ष के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी विदेशी देश की परीक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए।

5. दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को उन विषयों में सीयूईटी (यूजी) – 2023 में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें वह बारहवीं कक्षा की परीक्षा में बैठ रहा है/उत्तीर्ण कर चुका है।

6. यदि बारहवीं कक्षा में पढ़ा गया विषय सीयूईटी (यूजी)–2023 में उल्लिखित नहीं है, तो उम्मीदवार को उस भाषा/डोमेन विशिष्ट विषय में उपस्थित होना होगा जो उसके द्वारा बारहवीं कक्षा में पढ़े गए विषय के समरूप/निकट रूप से संबंधित हो। (उदाहरण के लिए, यदि किसी उम्मीदवार ने बारहवीं कक्षा में बायोकैमिस्ट्री का अध्ययन किया है, तो उसे सीयूईटी (यूजी) – 2023 में जीवविज्ञान में उपस्थित होना होगा।

7. प्रवेश केवल भाषा और/या डोमेन विशिष्ट विषयों के अंकों के संयोजन पर आधारित होगा जिसमें एक उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता के अनुसार सीयूईटी (यूजी) – 2023 में उपस्थित हुआ है।

8. शैक्षणिक वर्ष 2023–24 में प्रवेश के लिए केवल सीयूईटी (यूजी) – 2023 में प्राप्त अंकों पर विचार किया जाएगा।.

9. उम्मीदवारों को कार्यक्रम–विशिष्ट अर्हताओं का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए और फिर सीयूईटी (यूजी) – 2023 के भाषा और/या डोमेन विशिष्ट विषयों में उपस्थित होना चाहिए।

10. उम्मीदवार को यह जांच कर लेने की सलाह दी जाती है कि वह उस कार्यक्रम के लिए सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है जिसके लिए वह प्रवेश परीक्षा में उपस्थित हो रहा है। नामांकन उम्मीदवार द्वारा संबंधित अध्ययन कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित पात्रता अर्हताओं को पूरा करने के अधीन है। यदि कोई उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित किसी पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है और प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होता है, तो यह उम्मीदवार के अपने जोखिम और लागत पर है। यदि किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि पात्रता आवश्यकताएँ पूरी नहीं हुई हैं, तो प्रवेश, अगर दिया गया है, स्वतः ही रद्द कर दिया जाएगा।

11. सीयूईटी (यूजी)–2023 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह सूचना बुलेटिन को ध्यान से पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और विधानों को देख लें। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम उम्मीदवार के लिए बाध्यकारी होंगे।

12. सीयूईटी (यूजी)–2023 फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को सावधान रहना चाहिए क्योंकि उम्मीदवार का नाम, हस्ताक्षर और फोटोग्राफ जैसे कुछ क्षेत्र बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सीयूईटी (यूजी) – 2023 से स्वतः –एकीकृत कर दिए जाएंगे। ये फ़ील्ड गैर–संपादन योग्य होंगे।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश– I के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, उन कार्यक्रमों को छोड़कर जहां संबंधित नियामक निकाय, जैसे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई), डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु की आवश्यकता निर्धारित की है।

14. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2023–24 में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) – 2023 में भी उपस्थित होना होगा।

15. आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड पात्रता प्रमाणपत्र और सीयूईटी (यूजी) – 2023 में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए। इसी तरह, माता–पिता के नाम भी प्रमाणपत्रों से मेल खाने चाहिए।

सीट आवंटन एवं प्रवेश

चरण 1 – अनंतिम रूप से आवंटित सीट की स्वीकृति

- यह उम्मीदवार की जिम्मेदारी है कि वह डैशबोर्ड पर लॉग इन करें और जांचें कि सीट आवंटन के दिए गए दौर में सीट आवंटित की गई है या नहीं, और यदि आवंटित की जाती है, तो उम्मीदवार को सभी प्रवेश औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी।
- एक बार किसी विशेष दौर में सीट आवंटित हो जाने के बाद, उम्मीदवार को दिए गए आवंटन दौर के लिए निर्दिष्ट अंतिम तिथि/समय से पहले आवंटित सीट को 'स्वीकार' करना होगा। किसी विशेष आवंटित सीट की स्वीकृति का प्रावधान केवल उस दौर के लिए मान्य होगा जिसमें सीट उम्मीदवार को आवंटित की गई थी।
- यदि किसी उम्मीदवार को किसी विशेष दौर में कई सीटों की पेशकश की जाती है, तो छात्र को केवल एक आवंटित सीट "स्वीकार" करनी होगी। निष्क्रियता/कोई कार्रवाई न करने को आवंटित सीट की गैर–स्वीकृति के रूप में माना जाएगा। इसे अनंतिम रूप से आवंटित सीट की अस्वीकृति के रूप में माना जाएगा और उम्मीदवार अब सीएसएएस–2023 के आगे के राउंड में भाग नहीं ले पाएंगे।

चरण 2(ए) – कॉलेज द्वारा ऑनलाइन अनुमोदन

एक बार जब उम्मीदवार अनंतिम रूप से आवंटित सीट को "स्वीकार" कर लेता है, तो संबंधित कॉलेज उम्मीदवार द्वारा अपलोड की गई पात्रता और दस्तावेजों की जांच करेगा। कॉलेज निर्धारित समयसीमा के भीतर निम्नलिखित का सत्यापन करेगा:

1. अभ्यर्थी की न्यूनतम पात्रता।
2. उम्मीदवार की कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता।
3. विषय मानचित्रण: विश्वविद्यालय केवल उन्हीं सीयूईटी विषयों पर विचार करेगा जिनमें उम्मीदवार ने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की हो।
4. उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की वैधता और प्रामाणिकता।

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज उम्मीदवार से अधिक स्पष्टता/जानकारी चाहता है, तो वह उम्मीदवार से एक प्रश्न पूछ सकता है (चरण 2बी देखें)।

सत्यापन के बाद, कॉलेज उम्मीदवार की अनंतिम रूप से आवंटित सीट को या तो 'स्वीकृत' करेगा या 'अस्वीकार' करेगा।

कॉलेजों द्वारा कोई भी आवेदन बिना कार्रवाई के नहीं छोड़ा जाएगा।

अनुमोदन के मामले में : एक बार जब कॉलेज मंजूरी दे देता है, तो उम्मीदवार को 'प्रवेश शुल्क' का भुगतान करना होगा।

अस्वीकृति के मामले में :

ऑनलाइन सत्यापन के समय, यदि कोई आवेदन खारिज हो जाता है, तो कॉलेज अस्वीकृति का कारण बताएगा।

किसी आवेदन को अस्वीकार करने के लिए, कॉलेज निम्नलिखित कारणों में से कोई एक कारण बताएगा :

1. अभ्यर्थी द्वारा न्यूनतम पात्रता पूरी न करना।
2. अभ्यर्थी द्वारा कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता पूरी न करना।
3. विषय–मानचित्रण मानदंड को पूरा न होना।
4. उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत अमान्य दस्तावेज़ / प्रमाणपत्र।
5. निर्धारित समय के भीतर कॉलेज द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देने में विफलता।

चरण 2(बी) – कॉलेज अनुमोदन के दौरान प्रश्नों (यदि कोई हो) का उत्तर दें

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज कोई प्रश्न उठाता है तो उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन (उम्मीदवार के डैशबोर्ड के माध्यम से) जवाब देना होगा। प्रश्नों का उत्तर देने में विफल रहने पर आवंटित सीट को रद्द कर दिया जाएगा और उम्मीदवार सीएसएएस – 2023 से बाहर हो जाएगा।

चरण 3 – अनंतिम रूप से आवंटित सीट पर प्रवेश

कॉलेज की मंजूरी के बाद उम्मीदवार को स्वीकृत सीट के लिए प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा। प्रवेश शुल्क के सफल भुगतान के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है, तो इसे अनंतिम रूप से आवंटित सीट को रद्द माना जाएगा। आवंटित सीट वापस कर ली जाएगी और उम्मीदवार पर किसी भी बाद के सीएसएएस–2023 आवंटन राउंड के लिए विचार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवार आवंटित सीट के सभी अधिकार खो देगा और बाद के किसी भी सीएसएएस–2023 आवंटन राउंड के लिए उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

आवंटन के बाद के चरण

विकल्प 1 – अपग्रेड करें

सीएसएएस–2023 के लिए आवेदन करने वाले सभी उम्मीदवार सभी आवंटन राउंड के लिए पात्र होंगे, सिवाय उन लोगों को छोड़कर जिनकी आवंटित सीट / प्रवेश किसी भी कारण से रद्द कर दिया गया है। सभी प्रवेशित उम्मीदवार जो किसी विशेष राउंड में "अपग्रेड" विकल्प चुनते हैं, उन्हें सीटों की उपलब्धता के आधार पर संबंधित सीएसएएस–2023 आवंटन राउंड के लिए विचार किया जाएगा।

जिन अभ्यर्थियों को किसी भी दौर में उनकी पहली वरीयता आवंटित की गई थी, उन्हें आवंटन के बाद के दौर में विचार नहीं किया जाएगा।

राउंड की घोषणा से पहले, विश्वविद्यालय सभी प्रवेशित उम्मीदवारों के लिए एक "अपग्रेड" विंडो खोलेगा।

एक भर्ती उम्मीदवार 'अपग्रेड' विकल्प का चयन कर सकता है, जो उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत उच्च प्राथमिकता पर अपग्रेड करने की अनुमति देगा। प्रवेशित उम्मीदवार जो अपग्रेड का विकल्प चुनते हैं, उन्हें आवंटन नीति के आधार पर स्वचालित रूप से अपग्रेड किया जाएगा।

'अपग्रेड' विकल्प चुनने का मतलब यह होगा कि उम्मीदवार अगले दौर (यदि कोई हो) में अपनी उच्च प्राथमिकता के कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन में प्रवेश के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए सहमति देता है। उसकी वर्तमान प्रवेशित सीट स्वतः रद्द कर दी जाएगी, यदि नई प्राथमिकताएँ आवंटित की गई हैं।

एक उम्मीदवार जो 'अपग्रेड' का विकल्प चुनता है, वह प्रोग्राम + कॉलेज कॉम्बिनेशन को फिर से व्यवस्थित कर सकता है जो आवंटित की तुलना में प्राथमिकता में अधिक थे।

प्रोग्राम + कॉलेज कॉम्बिनेशन जिसमें एक छात्र ने पहले प्रवेश लिया था, उसे किसी भी बाद के दौर में उम्मीदवार को कभी भी पेश नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, प्रोग्राम + कॉलेज संयोजन जो वरीयता क्रम में नीचे थे, जिस पर उम्मीदवार ने पहले प्रवेश लिया था, किसी भी बाद के दौर में उम्मीदवार को फिर से पेश नहीं किया जाएगा।

अपग्रेड विकल्प उस उम्मीदवार के लिए उपलब्ध नहीं होगा जिसे उसकी पहली प्राथमिकता आवंटित की गई थी।

सीट आवंटन के सभी राउंड में 'अपग्रेड' विकल्पों की जांच करते रहना उम्मीदवार की जिम्मेदारी होगी। अपग्रेड प्रक्रिया में भाग लेने में विफलता/अक्षमता को किसी भी परिस्थिति में शिकायत नहीं माना जाएगा।

अपग्रेड होने वाले उम्मीदवार को अपग्रेड की गई सीट को 'स्वीकार' करना होगा और अपग्रेड की गई आवंटित सीट पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यदि कोई उम्मीदवार अपग्रेड की गई सीट पर कोई गतिविधि नहीं करता है, तो इसे डिफ़ॉल्ट रूप से रद्द माना जाएगा और उम्मीदवार सीएसएएस–2023 से बाहर हो जाएगा।

यदि कोई अभ्यर्थी अपग्रेड नहीं होता है तो उसका पिछली सीट पर प्रवेश बरकरार रहेगा।

विकल्प 2 – फ्रीज़ करें

एक उम्मीदवार जिसने आवंटित सीट पर प्रवेश ले लिया है और इस पर ही बना/जारी रहना चाहता है, उसे अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'फ्रीज' अनुरोध प्रस्तुत करना चाहिए। 'फ्रीज़' का चयन करने पर, ऐसे उम्मीदवार को कभी भी "अपग्रेडेशन" का विकल्प चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई प्रवेशित उम्मीदवार न तो अपग्रेडेशन का विकल्प चुनता है और न ही फ्रीज़ का विकल्प चुनता है, और एक राउंड के लिए निष्क्रिय रहता है, तो छात्र द्वारा लिया गया प्रवेश बरकरार रखा जाएगा और अपग्रेडेशन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

अनंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश को रद्द करना

1. निर्धारित समय सीमा के भीतर अनंतिम रूप से आवंटित सीट को 'स्वीकार' करने में विफलता पर आवंटित सीट रद्द कर दी जाएगी।
2. यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है तो अनंतिम रूप से आवंटित सीट रद्द कर दी जाएगी।
3. यदि, किसी भी समय, कोई दस्तावेज़/प्रमाणपत्र अमान्य/धोखाधड़ी वाला पाया जाता है तो अनंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
4. यदि, किसी भी समय, यह पाया जाता है कि कोई उम्मीदवार विश्वविद्यालय द्वारा घोषित न्यूनतम पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है, तो अनंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

एक उम्मीदवार जिसकी अनंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश उपर्युक्त कारणों से रद्द कर दिया गया है, वह सीएसएएस–2023 के माध्यम से विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अधिकार खो देगा।

प्रवेश वापसी

एक उम्मीदवार जिसने प्रवेश ले लिया है, लेकिन वापस लेना चाहता है, वह अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'निकासी' विकल्प का चयन करके और 1000.00 रुपये (गैर–वापसी योग्य) का निकासी शुल्क का भुगतान करके ऐसा कर सकता है। जो अभ्यर्थी अपना प्रवेश वापस ले लेगा वह सीएसएएस–2022 से बाहर हो जाएगा। उम्मीदवार विश्वविद्यालय के यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपनी पात्रता खो देगा। किसी भी आगामी आवंटन दौर (यदि कोई हो) में आगे भागीदारी की अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्पॉट एडमिशन राउंड की घोषणा होने के बाद प्रवेश वापस लेने का कोई विकल्प नहीं होगा।

मध्य प्रवेश (मिड एंट्री)

जो उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर सीएसएएस–2023 के लिए आवेदन करने में असफल रहे और सीएसएएस–2023 में भाग लेने के इच्छुक हैं, वे 1000/– रुपये (गैर–वापसी योग्य) के मध्य–प्रवेश (मिड एंट्री) शुल्क का भुगतान करके मिड–एंट्री विंडो (जब भी विश्वविद्यालय इसकी घोषणा करता है) के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

एक उम्मीदवार जो मध्य–प्रवेश करता है, उसे आवंटन के लिए केवल तभी विचार किया जा सकता है जब उन सभी उम्मीदवारों को जिन्होंने पहले आवेदन किया था और जिन्होंने न्यूनतम घोषित स्कोर से अधिक योग्यता अंक प्राप्त किए थे, को आवंटन कर दिया गया है।

यदि पेशकश की जाती है, तो मध्य–प्रवेशकर्ता को उसे आवंटित सीट पर प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। आवंटित सीट स्वीकार करने में विफलता पर उम्मीदवार का विश्वविद्यालय में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। 'अपग्रेड' का कोई विकल्प नहीं होगा.

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेररी कोटा के लिए मध्य–प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्पॉट प्रवेश

नियमित सीएसएएस–2023 राउंड के पूरा होने के बाद, यदि सीटें खाली रहती हैं, तो विश्वविद्यालय प्रवेश के स्पॉट राउंड की घोषणा कर सकता है।

जिन अभ्यर्थियों ने सीएसएएस–2023 के लिए आवेदन किया था, लेकिन स्पॉट एडमिशन राउंड की घोषणा की तारीख पर उन्हें किसी भी कॉलेज में प्रवेश नहीं मिला, वे स्पॉट एडमिशन में भाग ले सकते हैं।

स्पॉट एडमिशन की घोषणा पर, सभी पहले से ही उम्मीदवारों का प्रवेश लॉक कर दिया जाएगा और उन्हें अपग्रेड के लिए विचार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, प्रवेशित अभ्यर्थियों को अपना प्रवेश वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्पॉट एडमिशन राउंड में विचार किए जाने के लिए, उम्मीदवार को अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'स्पॉट एडमिशन' का विकल्प चुनना होगा।

प्रत्येक स्पॉट एडमिशन राउंड के लिए विश्वविद्यालय प्रत्येक कार्यक्रम की रिक्त सीटें प्रदर्शित करेगा। एक इच्छुक उम्मीदवार केवल एक कार्यक्रम का चयन करने में सक्षम होगा।

अभ्यर्थी को स्पॉट राउंड में आवंटित सीट पर प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। स्पॉट एडमिशन राउंड में आवंटित सीट स्वीकार करने में विफलता पर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए उम्मीदवार की पात्रता समाप्त हो जाएगी और सीएसएएस से बाहर हो जाएगा।

स्पॉट एडमिशन राउंड के दौरान 'अपग्रेड' और 'वापसी (विथड्रॉ)' का कोई विकल्प नहीं होगा। किसी विशेष स्पॉट एडमिशन राउंड में आवंटित सीट अंतिम होगी और स्पॉट एडमिशन राउंड के किसी भी अगले राउंड में अपग्रेड नहीं की जाएगी।

मूल दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन की अनिवार्यता

सीएसएएस–2023 के समापन पर, सभी प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को प्रवेश मिले कॉलेज में रिपोर्ट करना होगा और दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों के भौतिक सत्यापन सहित संबंधित कॉलेज की सभी प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करना होगा।

उम्मीदवार का प्रवेश पूरी तरह से अनंतिम है और संबंधित कॉलेज द्वारा मूल दस्तावेजों के सत्यापन के अधीन है। कॉलेज सभी दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच करेगा। भौतिक सत्यापन के दौरान, यदि कोई दस्तावेज़/प्रमाणपत्र अधूरा/अपर्याप्त/अनुचित पाया जाता है, तो प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। इसके अलावा, ऐसे उम्मीदवार शैक्षणिक सत्र 2023–24 के लिए विश्वविद्यालय के किसी भी यूजी कार्यक्रम में प्रवेश के अवसर से वंचित हो जाएंगे।

प्रवेश शिकायत निवारण

स्तर 1 – कॉलेज शिकायत निवारण समिति

प्रवेश के दौरान उत्पन्न होने वाली शिकायतों के निवारण के लिए प्रत्येक कॉलेज एक शिकायत निवारण समिति की स्थापना करेगा। इसके अलावा, एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/अल्पसंख्यक और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों के उम्मीदवारों की शिकायतों के निवारण के लिए शिकायत निवारण की एक उप–समिति भी स्थापित की जाएगी। निर्धारित समय के भीतर उम्मीदवारों की जरूरतों/प्रश्नों के सुविधाजनक समाधान के लिए कॉलेज शिकायत निवारण समिति और उप–समिति का विवरण कॉलेज की वेबसाइट और विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। प्रवेश के संबंध में शिकायत रखने वाले अभ्यर्थियों को सबसे पहले संबंधित कॉलेज की शिकायत निवारण समिति से संपर्क करना चाहिए।

स्तर 2 – केंद्रीय शिकायत निवारण समिति

यदि कॉलेज द्वारा उचित समय के भीतर शिकायतों का समाधान नहीं किया जाता है, तो उम्मीदवार विश्वविद्यालय की केंद्रीय शिकायत निवारण समिति से संपर्क कर सकते हैं। यह समिति अभ्यर्थियों के आवंटन एवं प्रवेश संबंधी मुद्दों का समाधान करेगी। केंद्रीय शिकायत निवारण समिति का विवरण विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

यदि कोई शिकायत प्रासंगिक और वास्तविक पाई जाती है, और यदि किसी विशिष्ट कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन में सीटें भर गई हैं, तो ऐसे उम्मीदवार को एक अतिरिक्त सीट की पेशकश की जाएगी। शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

एनसीडब्ल्यूईबी, ईसीए, स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेररी कोटा और सीडब्ल्यू से संबंधित प्रवेश शिकायतों का निवारण विश्वविद्यालय की संबंधित समितियों द्वारा किया जाएगा।

स्नातक प्रवेश के लिए पात्रता शर्तें

कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रताएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) – 2023 में चुनी जाने वाली भाषाओं और डोमेन–विशिष्ट विषयों की सूची।

सूची ए (A) : भाषा विषय

उम्मीदवार का निम्नलिखित में से किसी एक भाषा में प्रस्तुत होना अनिवार्य है :

अरबी	गुजराती	मणिपुरी	सिन्धी
असमिया	हिंदी	मराठी	स्पेनिश
बंगाली	इटालियन	नेपाली	तमिल
बोडो	जैपनीज	ओड़िया	तेलुगु
चीनी	कन्नड़	फ़ारसी	तिब्बती
डोगरी	कश्मीरी	पंजाबी	उर्दू
इंग्लिश	कोंकणी	रशियन	
फ्रेंच	मैथिली	संस्कृत	
जर्मन	मलयालम	संथाली	

सूची बी (B) : डोमेन विशिष्ट विषय

सूची बी–1 के विषय					
1	अकाउंटेंसी / बुक कीपिंग	2	मानव विज्ञान	3	जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जीव रसायन शास्त्र
4	व्यापार अध्ययन / बिजनेस स्टडीज	5	रसायन शास्त्र	6	कंप्यूटर साइंस / इन्फोर्मैटिक्स प्रैक्टिसेस
7	अर्थशास्त्र / व्यापार अर्थशास्त्र	8	पर्यावरण अध्ययन	9	भूगोल / भूगर्भ शास्त्र
10	इतिहास	11	गृह विज्ञान	12	विधि अध्ययन
13	गणित	14	भौतिकी	15	राजनीति विज्ञान
16	मनोविज्ञान	17	संस्कृत	18	समाज विज्ञान

सूची बी–2 में विषय			
1	कृषि	2	इंजीनियरिंग ग्राफ़िक्स
3	उद्यमिता	4	भारतीय ज्ञान परंपरा एवं प्रथाएं
5	ललित कला / दृश्य कला (मूर्तिकला / चित्र कला) / व्यावसायिक कला	6	मास मीडिया / जन–संचार
7	शारीरिक शिक्षा / एनसीसी / योग	8	प्रदर्शनमूलक कला
9	शिक्षण अभियोग्यता		

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

सीयूईटी (यूजी)– 2023 में उम्मीदवार द्वारा प्राप्त अंकों को मेरिट तय करने और स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश देने के लिए कार्यक्रम विशिष्ट संयोजनों के अनुसार कुल अंकों की गणना के लिए माना जाएगा। मेरिट केवल 'उन विषयों के संयोजन पर आधारित होगी जिनमें एक उम्मीदवार सीयूईटी 2023 में उपस्थित हुआ है' जैसा कि संबंधित कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता में उल्लिखित है।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	कार्यक्रम निर्दिष्ट पात्रता
1	बीए (ऑनर्स) इंग्लिश	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : सूची ए से अंग्रेजी+सूची बी 1 से कोई दो विषय+सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा
2	बीए (ऑनर्स) हिंदी	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : सूची ए से हिंदी+सूची बी 1 से कोई दो विषय+सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा
3	बीए (प्रोग्राम)	उम्मीदवार को सीयूईटी में निम्नलिखित में से किसी एक विषय संयोजन में परीक्षा देनी होगी: संयोजन 1 : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी 1 से कोई दो विषय+सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय या संयोजन 2 : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी 1 या बी 2 से से कोई एक विषय+ सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय + सीयूईटी का खंड 3 (सामान्य परीक्षा) मेरिट का निर्धारण विषयों के उपरोक्त किसी भी संयोजन में से प्राप्त किये गए सर्वोत्तम सीयूईटी प्राप्तांक के आधार पर किया जायेगा। नोट : चूंकि सीयूईटी के खण्डों का भार एक नहीं है, इसलिए उपयुक्त सामंजस्य किया जायेगा
4	बीए (ऑनर्स) इतिहास	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : संयोजन 1 : सूची ए से कोई एक भाषा+ सूची बी 1 से कोई दो विषय+सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा

5	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : संयोजन 1 : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी 1 से कोई दो विषय+सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा
6	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी–1 से होना चाहिए। मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा।
7	बीएससी (ऑनर्स) रसायन शास्त्र	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : भौतिकी + रसायन शास्त्र + गणित/अनुप्रयुक्त गणित मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा। उम्मीदवार का सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किया होना चाहिए।
8	बीएससी (ऑनर्स) गणित	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : सूची ए की कोई एक भाषा+गणित/अनुप्रयुक्त गणित+कोई ओ विषय जिनमें से एक सूची बी–1 से होना चाहिए। मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा। उम्मीदवार का सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किया होना चाहिए।
9	बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान सह रसायन शास्त्र	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : भौतिकी + रसायन शास्त्र + गणित/अनुप्रयुक्त गणित मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा। उम्मीदवार का सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किया होना चाहिए।
10	बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान सह इलेक्ट्रॉनिक्स	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : संयोजन 1 : भौतिकी+गणित/अनुप्रयुक्त गणित+रसायन शास्त्र या संयोजन 2 : भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर साइंस/इन्फार्मेटिक्स प्रैक्टिसेस मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा। उम्मीदवार का सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किया होना चाहिए।

11	बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान सह कंप्यूटर साइंस / इन्फार्मेटिक्स प्रैक्टिसेस	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : संयोजन 1 : भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + रसायन शास्त्र या संयोजन 2 : भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर साइंस / इन्फार्मेटिक्स प्रैक्टिसेस मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा। उम्मीदवार का सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किया होना चाहिए।
12	बीकॉम (ऑनर्स)	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी परीक्षा देनी होगी : संयोजन 1 : सूची ए से कोई एक भाषा + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम सूची बी–1 से होना चाहिए। या संयोजन 2 : सूची ए से कोई एक भाषा + अकाउंटेंसी / बुक कीपिंग + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम सूची बी–1 से होना चाहिए. मेरिट का निर्धारण उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगा.
13	बीकॉम (प्रोग्राम)	उम्मीदवार को सीयूईटी में निम्नलिखित में से किसी एक विषय संयोजन में परीक्षा देनी होगी: संयोजन 1 : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी 1 से कोई दो विषय + सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय या संयोजन 2 : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी 1 या बी 2 से से कोई एक विषय + सूची बी 1 या बी 2 से कोई एक विषय + सीयूईटी का खंड 3 (सामान्य परीक्षा) मेरिट का निर्धारण विषयों के उपरोक्त किसी भी संयोजन में से प्राप्त किये गए सर्वोत्तम सीयूईटी प्राप्तांक के आधार पर किया जायेगा। **नोट** : चूंकि सीयूईटी के खण्डों का भार एक नहीं है, इसलिए उपयुक्त सामंजस्य किया जायेगा

प्रवेश के लिए अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची

आवेदकों को प्रवेश के लिए निम्नलिखित दस्तावेज अपलोड करने होंगे:

1. दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र (मार्कशीट या प्रमाणपत्र) जिसमें जन्मतिथि और माता–पिता का नाम दर्शाया गया हो (एससी / एसटी / ओबीसी / ईडब्ल्यूएस / सीडब्ल्यू / केएम / के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उन नामों से मेल खाने चाहिए जो उनके संबंधित जाति प्रमाणपत्रों पर अंकित हैं; इसी प्रकार उनके माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए)।
2. बारहवीं कक्षा की मार्कशीट।

3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम प्रमाणपत्र (आवेदक के नाम पर) (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए; इसी तरह, उनके माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए) (यदि लागू होता है)।

4. ओबीसी (नॉन–क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र (आवेदक के नाम पर) जाति http://ncbc.nic.in. द्वारा जारी केंद्रीय सूची में होनी चाहिए। (ओबीसी (नॉन–क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए; इसी तरह उनके माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए) (यदि लागू होता है)।

5. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र, जो यह प्रमाणित करता है कि आवेदक इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है। (इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए; इसी तरह, उनके माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए) (यदि लागू होता है)।

6. खेल/ईसीए श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए अपेक्षित प्रमाणपत्रों की स्व–सत्यापित प्रतियां (यदि लागू हो)

7. फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, या स्कूल पहचान पत्र)।

पंजीकरण के समय आवेदक अपलोड की गई छवियों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए जिम्मेदार होंगे। आवेदकों को यह सुनिश्चित करने का ध्यान रखना चाहिए कि अपलोड प्रामाणिक और सटीक हों। आवेदक मांगे गए दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार होंगे। बाद के चरण में आवश्यक किसी भी भौतिक सत्यापन के पूरा होने पर कॉलेज/विभाग द्वारा आवेदक को सभी प्रमाणपत्र/दस्तावेज वापस कर दिए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए यूनिवर्सिटी बुलेटिन 2023–2024 देखें।

***अस्वीकरण** : कृपया किसी भी अपडेट के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट https://admission.uod.ac.in/ पर जाएं।*

सीटों की उपलब्धता (2023-24)

स्नातक पाठ्यक्रम

क्रम सं	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	अल्पसंख्यक
1	बीए(प्रोग्राम)*	193	78	30	14	52	19	0
2	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	58	23	9	4	16	6	0
3	बीए (ऑनर्स) इंग्लिश	58	23	9	4	16	6	0
4	बीए (ऑनर्स) हिंदी	58	23	9	4	16	6	0
5	बीए (ऑनर्स) इतिहास	58	23	9	4	16	6	0
6	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	58	23	9	4	16	6	0
7	बीकॉम	193	78	29	14	52	20	0
8	बीकॉम (ऑनर्स)	231	93	35	17	62	24	0
9	बीएससी (ऑनर्स) रसायन	32	13	5	2	9	3	0
10	बीएससी (ऑनर्स) गणित	46	19	7	3	12	5	0
11	बीएससी भौतिक विज्ञान (रसायन)	151	61	23	11	41	15	0
12	बीएससी भौतिक विज्ञान (कंप्यूटर साइंस)	69	28	10	5	19	7	0
13	बीएससी भौतिक विज्ञान (इलेक्ट्रोनिक्स)	69	28	10	5	19	7	0

*बीए (प्रोग्राम) में कॉलेज द्वारा दिए जानेवाले अनुशासन पेपरों और सीटों का संयोजन

क्रम सं.	बीए (प्रो) के लिए अनुशासन संयोजन	कुल उपलब्ध सीटें						
		कुल सीट	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	अल्पसंख्यक
1	अर्थशास्त्र+राजनीति विज्ञान	34	14	5	2	9	4	0
2	इतिहास+राजनीति विज्ञान	60	24	9	4	16	7	0
3	अर्थशास्त्र+ओएमएसपी	24	10	4	2	6	2	0
4	अंग्रेजी+अर्थशास्त्र	25	10	4	2	7	2	0
5	अंग्रेजी+राजनीति विज्ञान	25	10	4	2	7	2	0
6	हिंदी+इतिहास	25	10	4	2	7	2	0
	कुल	**193**	**78**	**4**	**2**	**7**	**19**	**0**

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	कुल सीटें
1.	एमए (हिंदी)	हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 सीटों का आवंटन किया जाएगा

आरक्षण नीतियाँ

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

सीटों की कुल संख्या का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो विनिमेय)। पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम का जाति/जनजाति प्रमाण पत्र होना चाहिए।

जाति प्रमाणपत्र में स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए :

1. उसकी जाति/जनजाति का नाम
2. क्या उम्मीदवार एससी या एसटी से है
3. उम्मीदवार के सामान्य निवास स्थान का जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश, और
4. उपयुक्त भारत सरकार की अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति/जनजाति को एससी या एसटी के रूप में अनुमोदित किया गया है।

प्रवेश के समय उम्मीदवार को वैध मूल एससी या एसटी जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निम्नलिखित को अपेक्षित एससी/एसटी प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार है:

I. जिला मजिस्ट्रेट/अपर जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अपर. डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वैतनिक मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/उपविभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त।

II. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/अपर. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट.

III. राजस्व अधिकारी, जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।

IV. उस क्षेत्र का उप–विभागीय अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता है।

V. प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी के सचिव (लक्षद्वीप द्वीप समूह)।

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि किसी भी अन्य व्यक्ति/प्राधिकरण से एससी/एसटी प्रमाणपत्र किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है, तो उम्मीदवार की जाति/जनजाति भारत सरकार के उपयुक्त आनुसूची में सूचीबद्ध होनी चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना कॉलेजों का वैधानिक दायित्व है।

कॉलेज शिक्षा के माध्यम के आधार पर किसी भी एससी/एसटी उम्मीदवार को प्रवेश देने से इनकार नहीं करेंगे। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस प्रयोजन के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदान का उपयोग करके कॉलेज द्वारा उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी – गैर–क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी की स्थिति राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ओबीसी की केंद्रीय (भारत सरकार) सूची के आधार पर निर्धारित की जाएगी) (वेबसाइट http://ncbc.nic.in/backward classes/index.html. पर उपलब्ध)।

प्रमाणपत्र में उम्मीदवार की गैर–क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख अनिवार्य रूप से होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93–स्था. (एससीटी) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी गैर–क्रीमी लेयर स्थिति)।

ओबीसी उम्मीदवार जो 'नॉन–क्रीमी लेयर' से संबंधित हैं और जिनकी जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में दिखाई देती है, वे ओबीसी श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए विचार किए जाने के पात्र होंगे। डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013–स्था. (Res-I) दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार उम्मीदवारों की 'नॉन–क्रीमी लेयर' स्थिति संबंधित ओबीसी प्रमाणपत्र की वैधता अवधि) : प्रमाणपत्र 31 मार्च, 2023 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सीटें भरना कॉलेजों की वैधानिक बाध्यता है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण नीति

दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचना के अनुसार (संदर्भ संख्या Aca-I/EWSs का आरक्षण/2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या Aca-I/EWSs का आरक्षण/2019/101 दिनांक 15 मई 2019), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए आरक्षण के तहत, विश्वविद्यालय विभागों/केंद्रों/कॉलेजों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं।

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए और/या स्पोर्ट्स के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) – 2023 में उपस्थित होना होगा।

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेररी सीटों पर प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर को 25% और प्रमाणपत्र/परीक्षण/प्रदर्शन को 75% का महत्व दिया जाएगा।

सुपरन्युमेररी (अतिरिक्त) सीटों पर प्रवेश

सभी सुपरन्युमेररी (अतिरिक्त) सीटों पर प्रवेश सीयूईटी (यूजी) – 2023 के माध्यम से होगा। सुपरन्युमेररी सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) – 2023 में उपस्थित होना होगा।

वर्ग	विवरण
पीडब्ल्यूबीडी (PWD)	बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति
सीडब्ल्यू (CW)	सैन्य बल, अर्ध सैनिक बल सहित, के कर्मी के संतान/विधवा
ईसीए (ECA)	पाठ्येत्तर गतिविधि
खेल	खेल
कश्मीरी प्रवासी (KM)	कश्मीरी प्रवासी
पीएमएसएस (PMSS)	जम्मू कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति
एसएस (SS)	सिक्किम के मनोनीत विद्यार्थी
डब्ल्यू क्यू (WQ)	दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा
ओक्यू (OQ)	अनाथ कोटा

उम्मीदवारों को सीएसएएस (यूजी)–2023 और अन्य संबंधित विवरणों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय बुलेटिन अनुभाग 13% सामान्य दिशानिर्देश देखें।

नोट : दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया के लिए पात्रता आवश्यकताएँ बदल सकती हैं। कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश नीति का पालन करेगा।

अकादमिक वर्ष 2023-24 के लिए फीस संरचना

FEE HEADS		B.A.(H)-Hindi, English, Economics, History, Political Science/B.COM/ B.Com(H)/B.A.(P)	B.Sc. (Hons)-Chemistry and Mathematics	B.Sc. Physical Sciences	M.A. Hindi
		2023-2024	2023-2024	2023-2024	2023-2024
UGC/GOI Dues	Tuition fees	180.00	180.00	180.00	216.00
	Admission Fees	20.00	20.00	20.00	20.00
	Identity Card	50.00	50.00	50.00	50.00
	Library & Reading Room Fee	150.00	150.00	150.00	150.00
	Electricity & Water Fee	100.00	100.00	100.00	100.00
	Garden Fee	100.00	100.00	100.00	100.00
	Laboratory Fee (UGC)	—	70.00	70.00	0.00
College Students Welfare Fund	Medical Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
	Games & Sports	1000.00	1000.00	1000.00	1000.00
	N.C.C.	100.00	100.00	100.00	100.00
	Common Room	250.00	250.00	250.00	250.00
	Societies	250.00	250.00	250.00	250.00
	Student Union Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
	Ambedkar Society	100.00	100.00	100.00	100.00
	Eco club	100.00	100.00	100.00	100.00
	Innnovation council	100.00	100.00	100.00	100.00
	Unnat Bharat Abhiyan	50.00	50.00	50.00	50.00
	Gandhi Study Circle	100.00	100.00	100.00	100.00
	Skill Development Fund	200.00	200.00	200.00	200.00
	Women Development Committee	100.00	100.00	100.00	100.00
	Student Aid Fund	160.00	160.00	160.00	160.00
	Fine Arts Fee	400.00	400.00	400.00	400.00
	Debating Fee	100.00	100.00	100.00	100.00

	Seminar Fee	750.00	750.00	750.00	750.00
	Miscellaneous functions & festivals	300.00	300.00	300.00	300.00
College Facilities and Services Charges	Magazine Fee	100.00	100.00	100.00	100.00
	Social Gathering	1100.00	1100.00	1100.00	1100.00
	Entrepreneurship Cell	150.00	150.00	150.00	150.00
	Centre for Holistic Development	200.00	200.00	200.00	200.00
	IQAC Fund	300.00	300.00	300.00	300.00
	Placement Cell	150.00	150.00	150.00	150.00
	Computer Fee	800.00	800.00	800.00	
	Internal Complaints Committee	100.00	100.00	100.00	100.00
	Electricity Repair & Maintenance	600.00	600.00	600.00	600.00
	Laboratory Fee	0.00	1040.00	1040.00	
	Library Development Fund	500.00	500.00	500.00	500.00
	Security Arrangement Fee	1800.00	1800.00	1800.00	1800.00
	Science Practical	0.00	200.00	200.00	—
	I.A. Exam Fee	70.00	70.00	70.00	—
	New courses development fees	0.00	3000.00	0.00	0.00
College Development Fund	College Development Fee	5700.00	5700.00	5700.00	5700.00
	Sports Ground Maintenance	350.00	350.00	350.00	350.00
	Lawns Maintenance	550.00	550.00	550.00	550.00
	General Amenities	2600.00	2600.00	2600.00	2600.00

University Dues	University Development Fee	1000.00	1000.00	1000.00	1000.00
	University Students Welfare Fund	200.00	200.00	200.00	200.00
	University Facilities and Services charges	1000.00	1000.00	1000.00	1000.00
	Economically Weaker Section Support University Fund	150.00	150.00	150.00	150.00
	D.U.S.U	20.00	20.00	20.00	20.00
	Enrolment Fee	200.00	200.00	200.00	200.00
	Athletic Association Fee	50.00	50.00	50.00	50.00
	W.U.S	5.00	5.00	5.00	5.00
	N.S.S.	20.00	20.00	20.00	20.00
	Cultural Fee	5.00	5.00	5.00	5.00
	University Library Fee	0.00	0.00	0.00	3.00
	University Library Security	0.00	0.00	0.00	1000.00
	University Library Development Fund	0.00	0.00	0.00	200.00
	TOTAL	**22880.00**	**27190.00**	**24190.00**	**23249.00**
	Library Security (Refundable)	500.00	500.00	500.00	500.00
	Laboratory Security (Refundable)	—	30.00	30.00	—
	GRAND TOTAL	**23380.00**	**27720.00**	**24720.00**	**23749.00**

ऐड ऑन पाठ्यक्रमों के लिए फीस संरचना

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	फीस (जीएसटी सहित)
1	विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई) – दिल्ली विश्वविद्यालय	15000/– रुपये
2	विदेशी भाषा में डिप्लोमा (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई) – दिल्ली विश्वविद्यालय	16000/– रुपये
3	विदेशी भाषा में एडवांस डिप्लोमा (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई) – दिल्ली विश्वविद्यालय	1700/– रुपये
4	मास्टरिंग द स्टॉक मार्केट– बीएससी इंस्टिट्यूट लिमिटेड	7080/– रुपये
5	फंडामेंटल कोर्स इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग– एनआईईएलआईटी	3511/– रुपये
6	फंडामेंटल कोर्स इन ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन – एनआईईएलआईटी	2478/– रुपये
7	फंडामेंटल कोर्स इन डिजिटल एंड सोशल मीडिया – एनआईईएलआईटी	3511/– रुपये

अकादमिक कैलेण्डर 2023-24

Semester I/III/V/VII	
Commencement of classes	*16th August, 2023 (Wednesday)*
Dispersal of classes, preparatory leaves and conduct of practical examinations	*6th December, 2023 (Wednesday) to 12th December, 2023 (Tuesday)*
Commencement of theory examinations	*13th December, 2023 (Wednesday)*
Break	*1st January, 2024 (Monday)*
Semester II/IV/V/VI/VIII	
Commencement of classes	*2nd January, 2024 (Tuesday)*
Mid Semester Break	*24th March, 2024 (Sunday) to 31st March, 2024 (Sunday)* *Note: Holi on 25th March, 2024 (Monday)*
Commencement of classes after Mid semester break	*1st April, 2024 (Monday)*
Dispersal of classes, preparatory leaves and conduct of practical examinations	*29th April, 2024 (Monday) to 8th May, 2024 (Wednesday)*
Commencement of theory examinations	*09th May, 2024 (Thursday)*
Summer Vacation	*26th May, 2024 (Sunday) to 21st July, 2024 (Sunday)*

विद्यार्थी संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

पहचान पत्र

प्रवेश के तुरंत बाद प्रत्येक विद्यार्थी को कॉलेज द्वारा एक पहचान पत्र जारी किया जाता है। विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह अपना पहचान पत्र हर समय अपने साथ रखे। विद्यार्थी से जब भी कॉलेज के किसी कर्मचारी द्वारा कॉलेज परिसर के भीतर या बाहर या जब वह शुल्क भुगतान के लिए या कसी अन्य उद्देश्य से कॉलेज कार्यालय जाता/जाती है या जब वह कॉलेज पुस्तकालय जाता/जाती है, अपना पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा जाएगा, तो उसे अपना यह पहचान पत्र दिखाना होगा। पहचान पत्र खो जाने पर डुप्लीकेट कार्ड जारी करने के लिए 50/– रुपये का शुल्क लिया जाएगा।

उपस्थिति का नियम

प्रत्येक छात्र को विश्वविद्यालय परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पात्र होने के लिए शैक्षणिक वर्ष के दौरान आयोजित कुल व्याख्यान/प्रैक्टिकल में कम से कम दो–तिहाई उपस्थिति पूरी करनी होगी, अन्यथा छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्र विश्वविद्यालय द्वारा अपने अध्यादेश VII में निर्धारित नियमों और विनियमों द्वारा शासित होते हैं।

माता–पिता/अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में अपने बच्चे की उपस्थिति की स्थिति जानें। प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में उपस्थिति में कमी रहने वाले छात्रों को कॉलेज छात्र उपस्थिति समिति द्वारा सूचित किया जाता है।

विश्वविद्यालय परीक्षा

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में छात्रों के अंतिम मूल्यांकन के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करता है। विवरण के लिए, छात्रों को नियमित रूप से कॉलेज नोटिस बोर्ड के साथ–साथ कॉलेज/विश्वविद्यालय की वेबसाइट भी देखनी चाहिए।

नोटः किसी भी छात्र को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए तब तक योग्य नहीं माना जाएगा जब तक कि वह आवश्यक उपस्थिति नियमों और अन्य शर्तों को पूरा नहीं करता है।

माइग्रेशन/स्थानांतरण

1. विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार, प्रथम वर्ष में किसी भी माइग्रेशन (कॉलेज बदलने) की अनुमति नहीं है।
2. अन्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष में स्थानांतरण की अनुमति विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार दी जा सकती है, जो कॉलेज द्वारा तय की गई सीटों की उपलब्धता और अंकों के न्यूनतम प्रतिशत के अधीन होगी।

महाविद्यालय का अनुशासन

1. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अनुशासन का उच्च मानक बनाए रखें और ब्रांड एसएलसी की प्रतिष्ठा को बढ़ावा देने और सौहार्द, आपसी सम्मान और स्वस्थ भाईचारे की भावनाओं को विकसित करने का प्रयास करेंगे।
2. जिस छात्र के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है उसे पुनः प्रवेश नहीं दिया जा सकता है। ऐसे छात्र को, उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के अलावा, जीते गए किसी भी पुरस्कार या पद को जमा करना होगा, अगर ऐसा निर्णय कॉलेज प्रॉक्टोरियल बोर्ड द्वारा लिया जाता है।

कॉलेज में एक बहुत सक्रिय प्रॉक्टोरियल बोर्ड है। वर्तमान में अर्थशास्त्र विभाग के श्री संजीव कुमार बोर्ड के संयोजक हैं। छात्र किसी भी प्रकार की जानकारी, सहायता और आपात स्थिति के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड से संपर्क कर सकते हैं। कॉलेज ने एक बहुत सक्रिय सुरक्षा एजेंसी भी तैनात की है और किसी भी सहायता या आपातकालीन स्थिति में, छात्र कॉलेज गेट के पास अपने कार्यालय में सुरक्षा पर्यवेक्षक से संपर्क कर सकते हैं (सभी आपातकालीन/हेल्पलाइन नंबर कॉलेज गेट पर प्रदर्शित किए गए हैं)।

छात्रों के लिए आचार संहिता

1. छात्र को इससे बचना चाहिए :
   - स्टाफ के सदस्यों (शिक्षण और प्रशासनिक) और साथी छात्रों के प्रति दुर्व्यवहार;
   - धूम्रपान, शराब पीना, जुआ खेलना और किसी भी रूप में नशीली दवाओं का सेवन;
   - छात्राओं से छेड़छाड़ करना;
   - बरामदे में मार्ग में बाधा डालना;
   - कॉलेज भवन, फर्नीचर, बनावट, उद्यान, कैंटीन क्रॉकरी, या किसी अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचाना;
   - कक्षाओं के अंदर या बाहर शोर मचाना;
   - कॉलेज में किसी भी रूप में अनुशासनहीनता पैदा करने के लिए बाहरी लोगों के साथ जुड़ना। बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के किसी भी बाहरी व्यक्ति को कॉलेज में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी और सभी आगंतुकों को आगंतुक रजिस्टर में प्रविष्टि करनी होगी;
   - छुट्टियों के दिन कॉलेज भवन में अनधिकृत प्रवेश; और
   - कॉलेज परिसर के अंदर अनधिकृत वाहन पार्किंग।
2. उपरोक्त वर्णित किसी भी अपराध के लिए या प्रॉक्टोरियल बोर्ड द्वारा कदाचार माने जाने वाले किसी भी अन्य व्यवहार के लिए छात्र संक्षिप्त सजा के लिए उत्तरदायी हैं।
3. विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी कक्षाओं में नियमित रहें।
4. विद्यार्थियों को महाविद्यालय को साफ–सुथरा रखना चाहिए।
5. छात्रों को पुस्तकालय में पूर्ण मौन रहना चाहिए और स्थायी आदेशों का पालन करना चाहिए। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे सुविधाओं का समुचित उपयोग करें।
6. छात्र खेल समिति द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों का पालन करते हुए अपने पसंदीदा खेलों में भाग ले सकते हैं।
7. छात्रों को अपना पहचान पत्र हमेशा अपने पास रखना चाहिए और मांगे जाने पर इसे प्रस्तुत करना चाहिए।
8. छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज के नोटिस/गतिविधियों/कार्यक्रमों की नवीनतम जानकारी प्राप्त करने के लिए सामान्य नोटिस बोर्ड, खेल नोटिस बोर्ड और लाइब्रेरी नोटिस बोर्ड के साथ–साथ कॉलेज की वेबसाइट को प्रतिदिन देखें।
9. शहर को साफ–सुथरा रखने के लिए दिल्ली में पश्चिम बंगाल संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम लागू किया गया है। इसके प्रावधानों के उल्लंघन के लिए सजा छह महीने की कैद या 1000/–रुपये का जुर्माना या दोनों है।
10. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे कॉलेज में शिक्षण समय के दौरान किसी भी अतिथि को आमंत्रित न करें।
11. छात्रों के सुझावों का हमेशा स्वागत है और उन पर उचित ध्यान दिया जाएगा :
    - छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित आचार संहिता को बनाए रखने के लिए शपथ पत्र भरना होगा, ऐसा न करने पर उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।
    - छात्रों को कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर रैगिंग पर रोक लगाने के संबंध में एक ऑनलाइन शपथ पत्र जमा करना होगा।
    - छात्रों को किसी भी काम के लिए कॉलेज जाते समय सभी कोविड–19 मानक प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है।

विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण अध्यादेश

सफल उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के अध्यादेशों का पालन करना होगा और प्रवेश के समय इस आशय का एक लिखित वचन देना होगा। महत्वपूर्ण अध्यादेशों के कुछ उद्धरण यहां पुनर्प्रस्तुत किए गए हैं –

अध्यादेश XV-B : विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियां कुलपति में निहित हैं।

2. कुलपति, सभी या ऐसी शक्तियां जो वह उचित समझे प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकता है जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकता है।

3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित को घोर अनुशासनहीनता का कार्य माना जाएगा :

   (ए) किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य के खिलाफ और दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी

   (बी) किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना

   (सी) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन

   (डी) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन

   (इ) कोई भी प्रथा –चाहे मौखिक हो या अन्यथा–महिलाओं का अपमान करने वाली हो

   (एफ) किसी भी प्रकार से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार करने का कोई भी प्रयास

   (जी) संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश

   (एच) धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना

   (आई) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना

   (जे) अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग पर प्रतिबंध

4. अनुशासन बनाए रखने या अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करने, जो उसे उचित लगे से संबंधित शक्तियों की व्यापकता पर पूर्वाग्रह के बिना, कुलपति अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश या निर्देश दे सकता है कि कोई भी छात्र या छात्रा :

   (ए) निष्कासित कर दिया जाएगा/जाएगी; या

   (बी) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाएगा/जाएगी; या

   (सी) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए किसी कॉलेज या विश्वविद्यालय के किसी विभाग या संस्थान में किसी कार्यक्रम या अध्ययन के कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा; या

   (डी) निर्दिष्ट रुपये की राशि से जुर्माना लगाया जाएगा; या

   (ई) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में भाग लेने से वंचित किया जाएगा; या संबंधित छात्र या छात्रा जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए हैं उसका परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।

5. संबंधित विभाग, संस्थान और हॉल – वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

6. जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अधिनियमों, कानूनों, अध्यादेशों और नियमों के तहत जो विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए हैं, अनुशासन का पालन करवाने का अधिकार निहित हो सकता है।

अध्यादेश XV-C : रैगिंग का निषेध और सजा

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के भीतर और साथ–साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबंधित है।

2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।

3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का मतलब सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रभुत्वपूर्ण शक्ति या स्थिति को नए–नए नामांकित छात्रों या उन छात्रों पर लागू किया जाता है जिन्हें किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा जूनियर या हीन माना जाता है; इसमें निम्नलिखित व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ शामिल हैं:

   (ए) जिसमें इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी का प्रयोग हो।

   (बी) जो महिला छात्रों की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करे।

   (सी) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की प्रतिष्ठा, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन करे।

   (डी) छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए खुला छोड़ दे और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करें।

   (इ) इसमें मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।

4. किसी कॉलेज के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, कॉलेज या विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग होने को लेकर किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

5. उपरोक्त खंड में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।

6. प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।

7. यदि किसी कॉलेज के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, जो कि लिखित में दर्ज किया जाना है, कि ऐसी जांच करना तार्किक रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह तदनुसार कुलपति को सलाह दे सकते/सकती हैं।

8. जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जांच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अंतिम होगा।

9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं के निर्धारण से अवगत कराने पर, कुलपति किसी छात्र या छात्राओं को निश्चित वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।

10. कुलपति रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश या निर्देश दे सकते हैं कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए कॉलेज में अध्ययन के कार्यक्रम में या एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा में प्रवेश न दिया जाए या संबंधित छात्र या छात्राएं जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए थे, उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र दोषी पाया जाता है; इस अध्यादेश के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री या डिप्लोमा को वापस लेने के लिए परिनियम 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए भड़काना, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास के द्वारा हो या रैगिंग के लिए उकसाना, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों/दिशा–निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।

अध्यादेश XV-D : कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण और उससे जुड़े प्रासंगिक मामलों के लिए एक अधिनियम।

जबकि यौन उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत एक महिला के समानता के मौलिक अधिकारों और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार और सम्मान के साथ जीने के अधिकार और किसी भी पेशे का अभ्यास करने या किसी भी व्यापार या व्यवसाय पर करने या धारण करने के अधिकार का उल्लंघन होता है, जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार शामिल है। यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन जैसे उपकरणों द्वारा सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त मानवाधिकार हैं, जिसे 25 जून, 1993 को भारत सरकार द्वारा लागू किया गया है।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है। विवरण के लिए कृपया वेबसाइट देखें:

http://www.shebox.nic.in/assets/site/main/images/Sexual-Harassment-at-Workplace-Act.pdf.

Accreditation & Ranking

Accredited NAAC A++
on January 3, 2023

NIRF-68 (2023)

DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY
Ministry of Science & Technology
Government of India

Star College Under DBT,
Ministry of Science & Technology
GoI in 2020

3 Star in Institution's
Innovation Council

Atal Ranking of Institutions on
Innovation Achievements (ARIIA)

ISO Certified

World's Universities with Real Impact

Swachh Bharat Mission - Grameen
Department of Drinking Water & Sanitation
Ministry of Jal Shakti

Swachh Bharat Mission

Think Big... Dream Big... Learn to Lead

Powered by Solar Power

NAAC A++ & All India NIRF Ranking 68th in 2023

SLC (University of Delhi)
Shyam Lal College
G.T. ROAD SHAHDARA, DELHI-110032
Tel: +91-11-35016514
Website: www.slc.du.ac.in